लोग अपने नफरत करते है.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

यामी गौतम की फिल्म नई नवेली... 11

वर्ष - 02, अंक - 163 | गाजियाबाद / मंगलवार 15 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रुपए

घर-घर विराजे विघ्न विनाशक,भक्तों ने किया स्वागत

- देश भर में गणेश उत्सव शुरू, दर्शन के लिए उमड़े भक्त
- इंदौर में तीन टन मिट्टी से बने बप्पा,14 फीट ऊंची है मूर्ति

हैदराबाद में 72 फीट ऊंची प्रतिमा,विकसित भारत है थीम

मुंबई (एजेंसी)। देशभर में सोमवार से गणेश महोत्सव शुरू हो गया है। इंदौर के तिलक नगर में 3 टन मिट्टी से 14 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा विराजित की गई है। प्रतिमा और पूरे पंडाल को प्रकृति-पशु कल्याण का संदेश देने के रूप में सजाया गया है। हैदराबाद के खैरताबाद में 72 फीट ऊंची प्रतिमा लाई गई है। वहीं, उप्पुगुडा में विकसित भारत 2047 की थीम पर पंडाल और गणेश प्रतिमा बनाई गई है। मुंबई के प्रसिद्ध लालबाग के राजा का पंडाल और बप्पा की प्रतिमा शिव की थीम पर आधारित है, जिसके केंद्र में एक विशाल त्रिशूल भी सजाया गया है। मंडल के अनुसार यह उसका 93वां गणेशोत्सव है। दर्शनों के लिए श्रद्धालु लंबी लाइन लगाकर खड़े हैं। जयपुर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सिंजारा महोत्सव और जन्मोत्सव पर विशेष दर्शन व्यवस्था की गई है। यहां श्रद्धालु

सुबह 5 बजे से रात 11.40 बजे तक दर्शन कर सकेंगे। पटना में इस बार मदुरई के प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर की तर्ज पर पंडाल बनाया गया है।

शाजापुर में हनुमान मंदिर में गणेश जी भी विराजमान

उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर में मनोकामना के लिए भगवान की पीठ पर उल्टा स्वास्तिक बनाया जाता है। मंदसौर के द्विमुखी चिंताहरण गणपति मंदिर में एक ही शिला पर बनी करीब 8 फीट ऊंची प्रतिमा के दोनों ओर से दर्शन होते हैं। शाजापुर के करीब 300 साल पुराने सिद्धवीर हनुमान मंदिर में हनुमान जी के साथ गणेश जी भी विराजमान हैं। ग्वालियर और टीकमगढ़ में प्रतिमाओं की खरीदारी के लिए बाजारों में भीड़ है। ग्वालियर में मिट्टी की प्रतिमाएं 3 से 4 हजार रुपए से शुरू होकर बड़ी प्रतिमाओं के लिए 20 से 25 हजार रुपए तक पहुंच रही हैं।

खजराना में 7 करोड़ के आभूषणों से बप्पा का श्रृंगार

मध्य प्रदेश में गणेश चतुर्थी की धूम है। इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, बैतूल, सतना, सीहोर, टीकमगढ़ और मंदसौर समेत कई शहरों में गणपति स्थापना के साथ उत्सव शुरू हो गया है। मंदिरों, बाजारों और पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ है। इंदौर के खजराना गणेश मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपए के स्वर्ण आभूषणों से बप्पा का श्रृंगार किया गया। सवा लाख मोदक का भोग लगाकर प्रसाद वितरण शुरू हुआ। कलेक्टर शिवम वर्मा और निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने ध्वज पूजन किया। बड़ा गणपति मंदिर में भी भीड़ उमड़ी।

संक्षिप्त समाचार

अब सुनकर भी समझ सकेंगे सुप्रीम कोर्ट के फैसले

आसान हिंदी में आदेश का ऑडियो-वीडियो जारी होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदी दिवस के मौके पर जल्द 'जन सूचना सेवा' शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत कोर्ट के बड़े फैसलों और आदेशों का सार आसान हिंदी में छोटे ऑडियो और वीडियो बुलेटिन के जरिए लोगों तक पहुंचाया

जाएगा। यानी जिन लोगों को कानूनी भाषा में लिखे फैसले पढ़ने और समझने में परेशानी होती है, वे उन्हें सुनकर और देखकर भी समझ सकेंगे। इस पहल का मकसद सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को आम लोगों की समझ में लाना है। जन सूचना सेवा की शुरुआत हिंदी से होगी और बाद में यह सेवा दूसरी भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराई जाएगी। कोर्ट ने इस पहल में दिव्यांगजनों तक न्यायिक जानकारी की आसान पहुंच को भी खास महत्व दिया है।

पत्रकार तरुण तेजपाल का गोवा कोर्ट में सरेंडर, जेल गए

एससी ने याचिका ठुकराई थी; 2013 रेप केस में 10 साल की सजा मिली है

पणजी (एजेंसी)। तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल ने सोमवार को गोवा की मापुसा कोर्ट में सरेंडर कर दिया। जेल जाते समय तेजपाल ने कहा, मामला सुप्रीम कोर्ट में है। हमें यकीन है कि न्याय मिलेगा। कोर्ट ने उन्हें नॉर्थ गोवा

की कोलवाले सेंट्रल जेल भेज दिया, जहां उन्हें 10 साल की सजा काटनी है। 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने सरेंडर से छूट की उनकी याचिका खारिज कर दी थी। साथ ही तीन हफ्ते के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि 22 सितंबर को उनकी अपील पर सुनवाई की जाएगी। तरुण तेजपाल के खिलाफ रेप का मामला 2013 का है। तेजपाल पर होटल की लिफ्ट में एक जूनियर महिला सहकर्मी के साथ रेप का आरोप लगा था।

सेना की रिपोर्ट, एलएसी पर चीन ने घटाए सैनिक

पिछले साल 2025 में 12 पाकिस्तानी आतंकी मारे गए

एलओसी पर सीजफायर उल्लंघन 2 से बढ़कर 163 हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने 2025-26 की अपनी सालाना रिपोर्ट में बताया है कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने एलएसी पर सैनिकों की संख्या घटाई है। एलएसी और चीन के मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर में अब करीब 10 कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड के आकार की सैन्य टुकड़ियां तैनात हैं। एक ब्रिगेड में करीब 3 हजार सैनिक होते हैं। कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड में पैदल गस्त वाली सेना,टैंक, तोपखाना और एयर डिफेंस क्षमताएं शामिल होती हैं।

- **भारत-चीन के बीच सैन्य बातचीत फिर शुरू हुई**-रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में भारत और चीन के बीच सैन्य बातचीत फिर शुरू हुई। मार्च और जुलाई में सेना की 33वीं और 34वीं बैठक हुई। सीमा विवाद को सुलझाने के लिए विशेष प्रतिनिधियों की बातचीत भी दिसंबर 2024 और अगस्त 2025 में हुई। अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन गए और तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया।

जम्मू-कश्मीर में हिंसा कम, स्थानीय युवाओं की भर्ती में भी गिरावट

रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति सेना के लगातार प्रयासों से कंट्रोल में रही। हिंसा का स्तर और विरोध-प्रदर्शन कम हुए। सेना ने बताया कि 2025 में सिर्फ एक स्थानीय युवक आतंकी संगठनों में शामिल हुआ। इससे पाकिस्तान के उस दावे को झटका लगा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद स्थानीय स्तर पर पैदा हो रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि जम्मू-कश्मीर के लोग सरकार और सेना की विकास योजनाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सुरक्षाबलों ने 2025 में 2 एके-47 राइफल, 75 पिस्टल और 281.41 किलो नशीला सामान बरामद किया। सेना के मुताबिक, यह सामान ड्रोन के जरिए सीमा पार से भेजा गया था। खासकर पंजाब में ड्रोन के जरिए हथियार और नशीले पदार्थों की तस्करी पश्चिमी सीमा के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।

9.92 फीसदी पहुंची महंगाई आठ महीने में सबसे ज्यादा

खाने-पीने की चीजें, ईंधन महंगे होने का पड़ा है असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगस्त में थोक महंगाई बढ़कर 9.92 फीसदी हो गई। जुलाई में यह 9.78 फीसदी थी। खाने-पीने की चीजें, फ्यूल, पावर और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स महंगे होने की वजह से यह बढ़ोतरी दर्ज की गई। सरकार ने 14 सितंबर को ये आंकड़े जारी किए। महंगाई दर 9.92 फीसदी होने का मतलब यह है कि जो सामान पिछले साल इस समय थोक बाजार में 100 का मिल रहा था, वह आज लगभग 109.92 का है। आम आदमी की रसोई से जुड़े फूड प्रोडक्ट्स की कीमतों में भी तेजी आई है। थोक मूल्य सूचकांक में फूड इंडेक्स की हिस्सेदारी 24.99 फीसदी होती है। अगस्त 2026 में खाने-पीने की चीजों की थोक महंगाई बढ़कर 7.05 फीसदी पर पहुंच गई, जो जुलाई में 6.65 फीसदी थी।

थोक महंगाई का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए होलसेल प्राइस इंडेक्स को कंट्रोल कर सकती है, जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। इंडेक्स में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है। भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है।

ममता के 20 बागी सांसदों में 17 भाजपा में जाएंगे

यूसूफ सहित तीन का बाहर से समर्थन,हार के बाद टीएमसी टूटी थी

कोलकाता (एजेंसी)। ममता बनर्जी से अलग हुए टीएमसी के 20 बागी सांसदों में से 17 सांसद अक्टूबर में दुर्गा पूजा से पहले या बाद भाजपा में शामिल होंगे। कूच बिहार सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने रविवार को कोलकाता में पत्रकारों से बातचीत

में इसकी जानकारी दी। बसुनिया के अनुसार, दो-तिहाई से ज्यादा सांसदों के साथ जाने से दल-बदल कानून लागू नहीं होगा। बंगाल में टीएमसी की हार के बाद 14 जून को बागी सांसदों ने ममता का साथ छोड़ दिया था। इन सांसदों ने त्रिपुरा की स्थानीय पार्टी में विलय किया और एनडीए को समर्थन देने का ऐलान किया। अब ये सांसद सीधे भाजपा में शामिल होंगे। हालांकि तीन सांसद- अबू ताहेर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान भाजपा में शामिल हुए बिना बाहर से एनडीए का समर्थन करेंगे। टीएमसी के पास कुल 28 लोकसभा सांसद थे, जिसमें से 20 अलग हो गए हैं। अब लोकसभा में ममता के पास सिर्फ 8 सांसद बचे हैं।

पंजाब विधानसभा चुनाव में बीजेपी का '3 सी' दांव

क्राइम,करप्शन और चिट्टा के साथ जाति का है मुद्दा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव होने की संभावना को देखते हुए बीजेपी एक 'बड़े' चुनावी अभियान की तैयारी कर रही है। पार्टी का अभियान आंतरिक सुरक्षा और आतंकवाद से लेकर अपराध, भ्रष्टाचार, नशे और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर केंद्रित रहेगा। बीजेपी का यह अभियान दिल्ली और पश्चिम बंगाल में हाल के चुनावी अनुभवों से भी प्रभावित होगा। इन राज्यों में पार्टी ने सत्ता

विरोधी लहर के साथ मध्यम वर्ग से जुड़े मुद्दों और कल्याणकारी योजनाओं को चुनावी रणनीति का हिस्सा बनाया था।

हालांकि, पंजाब में बीजेपी जाति के मुद्दे पर भी ज्यादा जोर देने की तैयारी में है। बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, तीन 'सी' यानी क्राइम (अपराध), करप्शन (भ्रष्टाचार) और चिट्टा (ड्रग्स) के साथ अब जाति का मुद्दा भी शामिल होगा।

1984 के सिख विरोधी दंगों का मुद्दा फिर उठाएगी बीजेपी

बीजेपी 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर कांग्रेस पर अपने हमले फिर तेज करने की तैयारी में भी है। पार्टी के एक नेता ने पूर्व कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को लेकर कांग्रेस के समर्थन को मुद्दा बताया। बीजेपी का मानना है कि इस मुद्दे के जरिए पंजाब में कांग्रेस को घेरा जा सकता है और 1984 के दंगों से जुड़े सवालों को एक बार फिर चुनावी बहस के केंद्र में लाया जा सकता है।

5 साल बाद कब्र से निकाला गया बीजेपी वर्कर का शव

बंगाल का संदेशखाली फिर चर्चा में,दोबारा होगा पोस्टमार्टम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में 2021 में चुनाव बाद हुई हिंसा में कथित तौर पर मारे गए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता के कंकाल के अवशेष अदालत के आदेश पर पांच साल बाद कब्र से निकाले गए। अधिकारी के अनुसार, 2021 के विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के दिन झनझनिया गांव के निवासी आस्तिक चंद्र दास पर कथित तौर पर टीएमसी समर्थकों ने हमला किया था।

जबरन शव दफनाने का लगा है आरोप

परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि उनके घर के बाहर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था और उन्हें शव को दफनाने के लिए मजबूर किया गया। परिवार के मुताबिक, शव का पोस्टमार्टम भी नहीं कराया गया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद परिवार ने एक नई शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद अदालत ने शव को कब्र से निकालने का आदेश दिया। कंकाल के अवशेष कब्र से निकाले गए और जांच के लिए भेजे गए।

दिशा सालियान की मौत पर सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

- पहली 2 जांच में सुसाइड बताया गया,एक्टर सुशांत की मैनेजर थीं दिशा

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में सीबीआई ने सोमवार को एफआईआर दर्ज की है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2 सितंबर को दिशा के पिता की याचिका पर सीबीआई जांच के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने मुंबई पुलिस की जांच पर सवाल उठाते हुए कहा था कि छह साल तक एफआईआर दर्ज नहीं करना और मामले को सिर्फ हादसे के रूप में देखना कई सवाल खड़े करता है। दिशा की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने से हुई थी। घटना के छह दिन बाद, 14 जून 2020 को सुशांत सिंह भी मुंबई के बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत मिले थे। दिशा केस की शुरुआती जांच करीब तीन महीने में बंद कर दी गई थी। अक्टूबर 2020 में पुलिस ने मौत को सुसाइड बताया था। वहीं दिसंबर 2023 में केस दोबारा खोला गया और एसआईटी बनाई गई।

वंदे मातरम का पूरा गौरव लौटाने में लग गए 80 वर्ष

अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में बोले अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को पूर्ण गौरव लौटाने में लगभग 80 वर्ष लग गए। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान में इस गीत की स्थायी और अटूट भूमिका को रेखांकित किया। 6वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वंदे मातरम ने देश के स्वाधीनता आंदोलन में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी भूमिका निभाई थी। यह गीत आज भी भारत की सांस्कृतिक चेतना से गहराई से जुड़ा हुआ है। अमित शाह ने भारतीय भाषाओं के संवर्धन को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से जोड़ते हुए कहा कि इसका मूल उद्देश्य भारत की समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली इतिहास के प्रति अधिक से अधिक जागरुकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अपनी संस्कृति और इतिहास के प्रति सजगता पैदा करना है। इसके साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि देश की भाषाई विविधता को हमारी ताकत के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि किसी अलगाव या विभाजन के कारण के रूप में। **राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विरोध करने वालों को घेरा**- गृह मंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उस प्रावधान का पुरजोर समर्थन किया, जो छात्रों को अपनी मातृभाषा के अतिरिक्त एक अन्य भारतीय भाषा सीखने के लिए प्रेरित करता है।

हिंदी दिवस पर इजरायली राजदूत बोले– 'नमस्ते भारत, मेरा नाम रूवेन अजार'

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदी दिवस के मौके पर भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने हिंदी में भारतवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा, 'नमस्ते भारत, मेरा नाम रूवेन अजार है। मैं भारत में इजरायल का राजदूत हूं।' इसी के साथ ही उन्होंने बताया कि करीब दो साल पहले भारत आने के बाद उन्होंने हिंदी सीखना शुरू किया था। अजार ने कहा कि दो साल बाद वह हिंदी दिवस के अवसर पर भारत के लोगों को शुभकामनाएं देना चाहते हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा कि दो प्राचीन भाषाएं आज भी जीवित हैं। उन्होंने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं। हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। इस दिन हिंदी के महत्व और इसके इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसी निर्णय की याद में हिंदी दिवस मनाया जाता है।

भाकपा ने ब्रिक्स घोषणापत्र का स्वागत किया, वैश्विक व्यवस्था में सुधार की वकालत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने ब्रिक्स घोषणापत्र का स्वागत कर एक अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, लोकतांत्रिक और न्यायसंगत अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की दिशा में ब्रिक्स समूह को नेतृत्व करने की वकालत की है। भाकपा महासचिव डी.राजा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में ग्लोबल साउथ की अधिक भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) व विश्व बैंक में सुधार का आह्वान महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने निर्णय लेने वाली संस्थाओं में भारत और अन्य विकासशील देशों को शामिल करने के प्रयासों में तेजी लाने पर जोर दिया। भाकपा महासचिव राजा ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर भारत–चीन संबंधों में हुई प्रगति का उल्लेख किया, जो भाकपा के लंबे समय से चले आ रहे रुख को मजबूत करता है कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, पार्टी ने पश्चिम एशिया में जारी हिंसा पर ब्रिक्स देशों द्वारा जाहिर की गई स्पष्ट चिंता और गाजा में तत्काल संघर्षविराम के आह्वान का भी स्वागत किया।

ढाणे में नाबालिग के यौन उत्पीड़न पर मेडिकल प्रतिनिधि गिरफ्तार

ढाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ढाणे जिले में नाबालिग छात्रा का एक साल से भी अधिक समय तक कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 26 वर्षीय मेडिकल प्रतिनिधि अमित प्रजापति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने इस जघन्य अपराध को छुपाने और कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए पीड़िता और उसके परिवार को धमकियां दी थीं। इतना ही नहीं, उसने हाल ही में मामले को रफा–दफा करने के लिए परिवार को छह लाख रुपये की मोटी रकम की पेशकश की थी। एक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता के हस्तक्षेप और सहयोग के बाद ही पीड़िता के परिवार ने हिम्मत जुटाकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया, जिसके बाद यह गिरफ्तारी संभव हुई। पुलिस ने अमित प्रजापति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने लड़की की उम्र का खुलासा नहीं किया है।

गुवाहाटी महिला हत्याकांड: आरोपी पति की पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश में मौत

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम की राजधानी गुवाहाटी में अपनी पत्नी की हत्या के आरोपी रामानुज गोस्वामी की पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान मौत हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रामानुज को मेडिकल जांच के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया जा रहा था। तभी आरोपी ने नरकासुर हिल इलाके में चलती पुलिस गाड़ी से कूदकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपी को रोकने के लिए गोली चलाई, जो रामानुज को लगी। बाद में आरोपी को मृत घोषित किया गया। रामानुज गोस्वामी पर अपनी पत्नी रिया गोस्वामी की निर्मम हत्या का आरोप था। रिया का कटा हुआ सिर गुवाहाटी स्थित उनके घर के रेफ्रिजरेटर से बरामद हुआ था, जिसने पूरे शहर को स्तब्ध किया था। पुलिस के मुताबिक, गोस्वामी ने एक घरेलू झगड़े के बाद रिया की हत्या कर दी थी। रिया की कथित हत्या के दो दिन बाद, रामानुज ने थाने में आत्मसमर्पण कर दिया था और पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार कर लिया था। जानकारी के अनुसार, रिया और रामानुज की शादी करीब छह महीने पहले हुई थी और वे हाटीगांव स्थित अपार्टमेंट में साथ रह रहे थे। मूल रूप से गौरीपुर का रहने वाला रामानुज उबर ड्राइवर का काम करता था, जबकि उसकी पत्नी एक बुटीक में कार्यरत थी।

ब्रिक्स की सफलता भारत की कूटनीतिक सफलताः यशवंत सिन्हा

पुतिन–शी समेत सभी राष्ट्राध्यक्षों की मौजूदगी, संयुक्त घोषणापत्र और द्विपक्षीय वार्ताओं को बताया भारत की बड़ी उपलब्धि

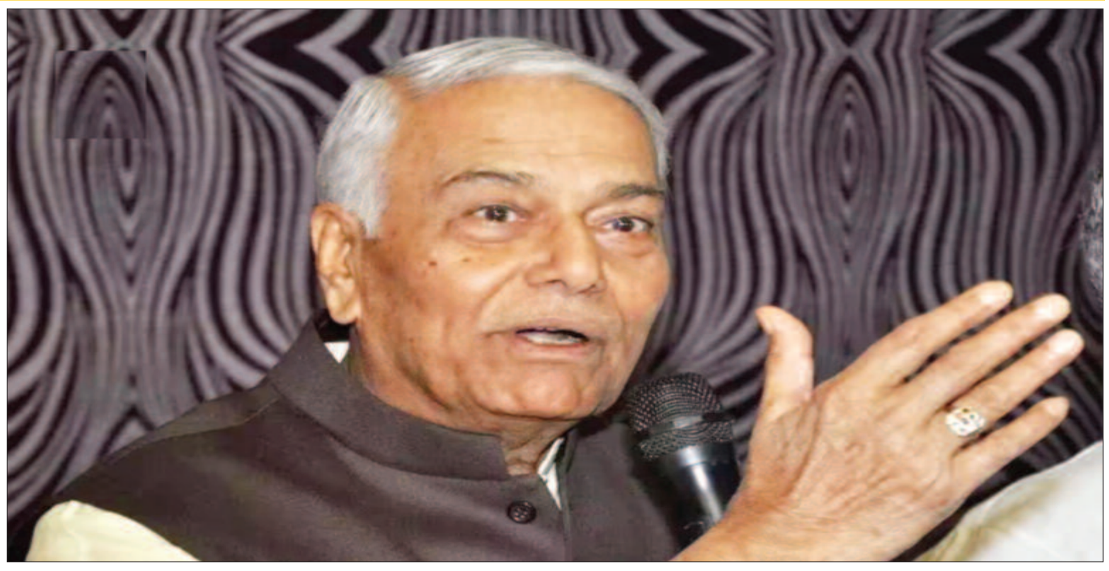

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के समापन के बाद पूर्व विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा ने इसे भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक सफलता बताया है। उन्होंने सम्मेलन की सफलता को तीन प्रमुख बिंदुओं में समझाते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान की मौजूदगी के साथ संयुक्त घोषणापत्र और द्विपक्षीय बैठकों को महत्वपूर्ण उपलब्धियां बताया।

सिन्हा ने एक बातचीत में कहा कि सम्मेलन की पहली सफलता यह रही कि जिन राष्ट्राध्यक्षों को भारत ने आमंत्रित किया था, वे सभी सम्मेलन में पहुंचे। उन्होंने विशेष रूप से पुतिन और शी जिनपिंग की मौजूदगी को अहम बताया। उनके मुताबिक, सम्मेलन के बाद संयुक्त घोषणापत्र जारी होना दूसरी बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा कि इससे पहले विदेश मंत्रियों की बैठक में संयुक्त घोषणापत्र जारी नहीं हो पाया था, लेकिन इस बार अधिकारियों के प्रयासों से इस पर सहमति बनी। यशवंत सिन्हा ने सम्मेलन की तीसरी उपलब्धि के तौर पर विभिन्न देशों के नेताओं के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ताओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत ने सम्मेलन के दौरान सभी महत्वपूर्ण नेताओं के साथ बैठकें कीं, जिससे कूटनीतिक स्तर पर संवाद को आगे बढ़ाने का अवसर मिला।

चीन से बातचीत जरूरी, लेकिन भरोसा नहीं
चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक पर सिन्हा ने कहा कि भारत को चीन के साथ बातचीत जारी रखनी चाहिए, लेकिन उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन लगातार भारत को परेशान करता रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सम्मेलन के दौरान भारत ने अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाई। रात्रिभोज में शी जिनपिंग की अनुपस्थिति को लेकर उन्होंने कहा कि ऐसा माना जा रहा है कि वह द्विपक्षीय वार्ता से खुश नहीं थे।

ईरान और गाजा के मुद्दे पर भी भारत की भूमिका अहम
ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान की भारत यात्रा को भी सिन्हा ने महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इजराइल और अमेरिका के ईरान पर हमले तथा ईरान के सर्वोच्च नेता की मौत के बाद भारत की तत्काल प्रतिक्रिया नहीं आई थी, ऐसे में ईरानी राष्ट्रपति का ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होना अहम है। सिन्हा ने इजराइल-फिलिस्तीन मुद्दे पर भी भारत के रुख को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पिछले करीब 12 वर्षों में भारत की स्थिति पारंपरिक रुख से कुछ अलग दिखाई दे रही थी, लेकिन ब्रिक्स सम्मेलन में भारत फिर अपने पुराने स्टैंड पर लौटता दिखा। संयुक्त घोषणापत्र में गाजा का जिक्र भी इसका संकेत है। उन्होंने कहा कि समग्र रूप से देखा जाए तो भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन में बड़ी कूटनीतिक सफलता हासिल की है।

लोग अब नफरत करते हैं कांग्रेस से : केजरीवाल

- आप संयोजक का दावा- भाजपा का वोटर कांग्रेस को नहीं, आप को वोट देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब और गोवा में कांग्रेस से अलग चुनाव लड़ने को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, कि उनकी पार्टी विपक्ष के वोटों को विभाजित नहीं कर रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा से नाराज मतदाताओं का एक वर्ग कांग्रेस को वोट नहीं देता, जबकि आम आदमी पार्टी उसे स्वीकार्य है। गोवा चुनाव के संदर्भ में दिए बयान में केजरीवाल ने कहा कि यह मानना गलत है कि आप के अलग चुनाव लड़ने से केवल गैर–भाजपा वोटों का बंटवारा होगा। उनके मुताबिक, ऐसा मानने का अर्थ यह है कि आप को सिर्फ गैर–भाजपा मतदाता ही वोट देता है और भाजपा का मतदाता कभी आप के पक्ष में नहीं जाता। उन्होंने कहा कि यह धारणा कांग्रेस के लिए सही हो सकती है, लेकिन आम आदमी पार्टी के लिए नहीं। केजरीवाल ने दिल्ली के चुनावी आंकड़ों का उदाहरण देते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में आप को करीब 52 प्रतिशत वोट मिलते थे, जबकि लोकसभा चुनाव में उसका वोट शेयर करीब 32 प्रतिशत रहा। उनके अनुसार, लोकसभा चुनाव में आप के करीब 20 प्रतिशत कम हुए वोटों का बड़ा हिस्सा भाजपा की ओर गया, जबकि ये मतदाता विधानसभा चुनाव में आप को वोट देते थे। उन्होंने दावा किया कि ये लोग कांग्रेस को वोट नहीं देते। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा से नाराज या असंतुष्ट मतदाताओं का वोट भी कांग्रेस के पक्ष में नहीं जाता। उन्होंने गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा के मजबूत गढ़ में भी आप को भाजपा के मतदाताओं का समर्थन मिला है। उनके मुताबिक, भाजपा का मतदाता आप को वोट देने के लिए तैयार हो सकता है, लेकिन कांग्रेस को वोट नहीं देता। इसी आधार पर उन्होंने आप के अलग चुनाव लड़ने को वोट–कटवा राजनीति बताए जाने को गलतफहमी करार दिया।

जितनी भाषाएं सीख सकें, सीखें, लेकिन अपनी भाषा न छोड़ें

-हिंदी दिवस पर अमित शाह ने जेन-जी से की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी।
हिंदी दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने युवाओं से अधिक से अधिक भाषाएं सीखने के साथ अपनी मातृभाषा से जुड़े रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी ताकत है। हर भाषा अपने साथ इतिहास, लोक परंपराएं और दुनिया को देखने का अलग नजरिया लेकर चलती है और यही विविधता देश में 'विविधता में एकता' की भावना को मजबूत करती है।

अमित शाह ने युवाओं से कहा कि वे दुनिया की जितनी भाषाएं सीख सकते हैं, सीखें, लेकिन अपनी भाषा को न छोड़ें। उन्होंने माता-पिता से भी बच्चों के साथ उनकी मातृभाषा में बातचीत करने की अपील की। शाह ने कहा कि अपनी भाषा बोलने में हीन भावना महसूस करना गलत है। भाषा व्यक्ति को उसकी मां, मिट्टी, इतिहास और संस्कृति से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि हिंदी संवाद, संपर्क और समन्वय की भाषा के तौर पर देश के अलग-अलग समुदायों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। हालांकि, हिंदी का विकास तभी सार्थक है जब वह दूसरी भारतीय भाषाओं के साथ आगे बढ़े। हिंदी किसी अन्य भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकात्मता की महत्वपूर्ण कड़ी है।

समाधान दिवस में 102 शिकायतें दर्ज, निवेश और नौकरी के नाम पर ठगी के मामले भी पहुंचे

देहरादून (शिखर समाचार)। जनसमस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ऋषिपर्णा सभागार में समाधान दिवस आयोजित किया गया। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व केके मिश्रा की अध्यक्षता में हुई जनसुनवाई में कुल 102 शिकायतें दर्ज की गईं। अपर जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को जांच कर समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।

समाधान दिवस में ऋषिकेश निवासी रेखा चतरथ, नीलम नेगी और ऋतु गर्ग ने निवेश के नाम पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने क्रमशः 18.95 लाख, 14.75 लाख और 4.25 लाख रुपये की धोखाधड़ी की शिकायत की। मामले में जांच के निर्देश दिए गए। नथुवाला निवासी अखिलेश उनियाल ने नौकरी का प्रस्ताव देकर 1.75 लाख रुपये जमा कराने के बाद नौकरी नहीं देने की शिकायत की। वहीं इंद्रेश नगर निवासी खेम चंद ने सचिवालय में चतुर्थ श्रेणी की नौकरी दिलाने के नाम पर 50 हजार रुपये ठगे जाने की शिकायत की। दोनों मामलों में पुलिस क्षेत्राधिकारियों को जांच सौंपी गई। नवादा मिनी मसूरी जन कल्याण समिति ने मोबाइल नेटवर्क की समस्या उठाई, जबकि चकराता क्षेत्र की उरटेडा बस्ती में जर्जर पेयजल लाइन की शिकायत पर जल निगम को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। नेहरू कॉलोनी निवासी 62 वर्षीय आशा कनौजिया ने बेटे और बहू पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। इस पर भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम के तहत वाद दायर कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा भूमि धोखाधड़ी, अतिक्रमण, रास्ता बंद करने, बारिश से मकान और गौशाला की दीवार क्षतिग्रस्त होने तथा उपचार के लिए आर्थिक सहायता सहित अन्य शिकायतें भी पहुंचीं। अपर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों को औपचारिकता न मानकर उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें और शिकायतकर्ताओं को कार्रवाई से अवगत कराएं।

राज्यसभा सांसदों के दल-बदल से आप को सबक, बनाए कड़े नियम

-राघव चड्ढा के जाने के बाद सजग हुई आम आदमी पार्टी

गोवा, एजेंसी।
आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नेताओं के दल-बदल को लेकर सख्ती बरतने का फैसला किया है। उन्होंने घोषणा की है कि भविष्य में किसी भी नेता को राज्यसभा भेजने से पहले उसकी पूरी तरह से जांच की जाएगी। यह बड़ा बदलाव ऐसे समय में आया है जब आप के सात राज्यसभा सांसदों ने पार्टी बदलकर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है, जिनमें राघव चड्ढा, हरभजन सिंह और स्वाति मालीवाल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। गोवा में एक कार्यक्रम के दौरान केजरीवाल ने कहा, अब तक हमारे चुने हुए नेताओं ने कभी किसी को भी धोखा नहीं दिया है। उन्होंने गोवा का उदाहरण देते हुए कहा, गोवा में हमारे पास 2022 में दो विधायक थे। भाजपा को सिर्फ एक विधायक की जरूरत थी, लेकिन वे हमारे विधायकों को नहीं तोड़ पाए।

हालांकि, राज्यसभा सांसदों के पार्टी छोड़ने को केजरीवाल ने एक बड़ा सबक बताया है। उन्होंने कहा, राज्यसभा के मामले में यह हमारे लिए सबक है। अब किसी को भी राज्यसभा भेजने से पहले हम उनकी कड़ी जांच पड़ताल करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि वे सही हैं या नहीं। हालांकि, इस दौरान उन्होंने किसी भी नेता का नाम नहीं लिया। अप्रैल में आप के सात सांसदों ने पार्टी से अलग होकर भाजपा में विलय कर लिया था। राघव चड्ढा के अलावा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, विक्रम साहनी, स्वाती मालीवाल, हरभजन सिंह और राजेंद्र गुप्ता का नाम इसमें शामिल था। इस टूट से पहले भारत के उच्च सदन में आप के सांसदों की संख्या 10 थी, लेकिन दो तिहाई से ज्यादा सदस्यों के अलग होने के बाद महज 3 बचे हैं, जिससे पार्टी को बड़ा झटका लगा है।

हाल ही में आप और राघव चड्ढा के बीच उनके मतदाता सूची में नाम कटने को लेकर जमकर विवाद भी देखने को मिला था। दरअसल, पंजाब में एसआईआर (समरी रिवीजन ऑफ इलेक्टोरल रोल्स) प्रक्रिया के दौरान मसौदा मतदाता सूची से चड्ढा का नाम कट गया था, जिसके आरोप उन्होंने आप सरकार पर लगाए थे। चड्ढा ने कहा था, पंजाब की आप सरकार अब बदले की राजनीति को मसौदा मतदाता सूची तक ले आई है। मैं पंजाब से मौजूदा राज्यसभा सदस्य हूं और मेरा मतदाता पहचान पत्र पंजाब के मोहाली में पंजीकृत है। इसके बावजूद मसौदा मतदाता सूची में मेरे नाम के आगे स्थानांतरित लिखा गया है। उन्होंने आरोप लगाया था कि आप सरकार के अधिकारियों ने ही उनके नाम को स्थानांतरित के तौर पर चिह्नित और सत्यापित किया।इस पर आप ने जवाब देते हुए कहा था, यह सार्वजनिक जानकारी है कि राघव चड्ढा दिल्ली में रह रहे हैं, पंजाब में नहीं। अगर वह अब पंजाब में नहीं रहते हैं तो अपने मतदाता पंजीकरण को बनाए रखना या उसे दूसरी जगह स्थानांतरित करवाना उनकी अपनी जिम्मेदारी थी।

रोशनाबाद में राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का शुभारंभ, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

हरिद्वार (शिखर समाचार)। युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में खेल महाकुम्भ 2026-27 के अंतर्गत मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का सोमवार को योगस्थली खेल परिसर, रोशनाबाद में शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से अंडर-14, अंडर-19 तथा अंडर-25 वर्ग के बालक-बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय गीत से हुई। इसके बाद मंत्री मदन कौशिक की उपस्थिति में सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि खेल महाकुम्भ बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास का सशक्त माध्यम है। खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की भावना मजबूत होती है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में उत्तराखंड के सभी जनपदों से अंडर-14 और अंडर-19 वर्ग के बालक-बालिकाओं तथा अंडर-25 वर्ग की बालिकाओं ने भाग लिया। खिलाड़ियों ने योगासन की विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

उद्घाटन समारोह में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता विकास तिवारी, जिला पंचायत राज अधिकारी मौ. मुस्तफा खान, जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी प्रमोद चंद्र पांडेय, जिला क्रीड़ाधिकारी रविंद्र भंडारी, मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी के प्रभारी मुकेश कुमार भट्ट, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी पूनम मिश्रा, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अशोक कुमार, प्रशासनिक अधिकारी जितेंद्र पुंडीर सहित खेल एवं शिक्षा विभाग के शिक्षक, निर्णायक तथा युवा कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

सहारा रिफंड पोर्टल फिर सक्रिय- फंसे पैसे के लिए इस तरह से करे ऑनलाइन आवेदन

–जान लें क्या हैं जरूरी दस्तावेज

नई दिल्ली,, एजेंसी।
उन लाखों निवेशकों के लिए बड़ी राहत की खबर है, जिनका पैसा सहारा समूह की विभिन्न योजनाओं में फंसा हुआ है। केंद्र ने सहारा रिफंड पोर्टल को फिर सक्रिय कर दिया है, जिससे करीब 20 लाख लंबित दावों की जांच प्रक्रिया फिर से शुरू हुई है। इसके साथ ही, अब अन्य पात्र जमाकर्ता भी अपना पैसा वापस पाने के लिए ऑनलाइन क्लेम कर सकते हैं। यदि आपका भी पैसा सहारा में अटका हुआ है, तब ये खबर आपको घर बैठे क्लेम करने की पूरी प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देगा।

केंद्र सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस पोर्टल के माध्यम से अब तक करीब 42 लाख जमाकर्ताओं को 9,267 करोड़ रुपये की राशि सफलतापूर्वक लौटाई गई। यह पोर्टल मुख्य रूप से सहारा समूह की चार प्रमुख सहकारी समितियों सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी, सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी, हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी और स्टार्स मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी के पात्र निवेशकों को ही रिफंड दिलाने के लिए बनाया गया है।

ऑनलाइन क्लेम दर्ज होने के बाद, सत्यापन की व्यवस्थित प्रक्रिया शुरू होगी। सहारा ग्रुप ऑफ कोऑपरेटिव सोसाइटीज निवेशकों के दावों और संलग्न दस्तावेजों की 30 दिनों के भीतर गहन स्क्रूटनी करेगी। इस प्रारंभिक जांच के बाद, अगले 15 दिनों में सरकारी तंत्र द्वारा अंतिम मंजूरी मिलेगी। इस तरह, आपके आवेदन की तारीख से कुल 45 दिनों के अंदर आपके दावे की स्थिति के बारे में आपको सूचित किया जाएगा। यदि दावा सही साबित और स्वीकृत होता है, तब धनराशि सीधे निवेशक के आधार से जुड़े बैंक खाते में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से ट्रांसफर की जाएगी। यह सुनिश्चित करता है कि पैसा सीधे सही लाभार्थी तक पहुंचे।

रिफंड फॉर्म भरते समय किसी भी प्रकार की त्रुटि या विलंब से बचने के लिए, सभी आवश्यक दस्तावेजों को पहले से स्कैन करके तैयार रखना जरुरी है। क्लेम के लिए निवेशक का आधार कार्ड, आधार से लिंक एक सक्रिय मोबाइल नंबर और आधार से जुड़ा बैंक खाता नंबर अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, सहारा सोसाइटी में पैसा जमा करते समय प्राप्त हुई मूल रसीद, पासबुक की प्रति या निवेश प्रमाण पत्र (जैसे बॉन्ड) आदि भी अपलोड करने पड़ सकते हैं। दस्तावेजों में दर्ज सदस्यता संख्या, अकाउंट नंबर और जमाकर्ता का नाम, उसके आधार कार्ड

से पूरी तरह मेल खाना चाहिए। यदि मूल जमाकर्ता का निधन हो चुका है, तब कानूनी उत्तराधिकारी या नॉमिनी को अपने संबंधित कानूनी दस्तावेज और मृत्यु प्रमाण पत्र पोर्टल पर अपलोड करना होगा। नाम या बैंक विवरण में किसी भी प्रकार की गलती या विसंगति आपके रिफंड को रोक सकती है, इसलिए पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने से पहले अपने सभी कागजात और विवरणों की अच्छी तरह जांच कर लें।

इंदिरापुरम में सीएम ग्रिड फेस-2 के काम में तेजी के निर्देश

नगर आयुक्त ने अधिकारियों और ठेकेदारों के साथ की समीक्षा, 15 दिन में लेवलिंग पूरा करने की समय सीमा तय

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद नगर निगम की ओर से इंदिरापुरम में चल रहे विकास कार्यों को गति देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने सोमवार को इंदिरापुरम पहुंचकर सीएम ग्रिड फेस-2 सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की अधिकारियों और संबंधित ठेकेदारों के साथ समीक्षा की। उन्होंने सीएम ग्रिड फेस-2 के कार्यों में अपेक्षित तेजी नहीं आने पर संबंधित ठेकेदारों को अंतिम चेतावनी देते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी और उनकी टीम को लेवलिंग का कार्य 15 दिन में पूरा करने की समय सीमा दी गई।

यूटिलिटी का कार्य पूरा, अब लेवलिंग पर जोर

नगर आयुक्त ने बताया कि समीक्षा बैठक में निर्माण, जलकल, प्रकाश, उद्यान और स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई। सीएम ग्रिड फेस-2 के कार्य इंदिरापुरम के साथ वैशाली और कौशांबी में भी चल रहे हैं। यूटिलिटी का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि मुख्य नालियों के निर्माण और लेवलिंग का कार्य प्रगति पर है। लेवलिंग तेजी से पूरी होने से यातायात व्यवस्था को राहत मिलने की उम्मीद है। उन्होंने

अधिकारियों को निर्देश दिए कि 100-100 मीटर के हिस्से को पूर्ण रूप से तैयार करते हुए कार्य को अंतिम चरण तक पहुंचाया जाए। संबंधित ठेकेदारों को श्रमिक और मशीनरी बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए।

विभिन्न विभागों के कार्यों की हुई समीक्षा

बैठक में निर्माण विभाग के 18 कार्यों की समीक्षा की गई, जिनमें नाला और आरसीसी सड़क निर्माण शामिल हैं। जलकल विभाग के 28 कार्यों में पानी की आपूर्ति के लिए पंप लगाने और पाइप लाइन बिछाने के कार्यों पर चर्चा हुई। उद्यान विभाग के 17 कार्यों में हरित पट्टी और पार्कों के विकास की समीक्षा की गई। प्रकाश विभाग के करीब 58 कार्य लगभग पूरे होने की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की भी नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

अतिक्रमण के खिलाफ नियमित अभियान के निर्देश

नगर आयुक्त ने सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश देते हुए अधिकारियों को अंतिम चेतावनी दी। उन्होंने वसुंधरा जोन के प्रभारी को इंदिरापुरम में अतिक्रमण पर विशेष निगरानी रखने तथा अवैध रूप से मार्ग बाधित करने वाले पटरी विक्रेताओं को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। यातायात सुचारू रखने के लिए नियमित अभियान चलाने को कहा गया। बैठक में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, प्रभारी उद्यान अनुज, महाप्रबंधक जल केपी आनंद, नगर स्वास्थ्य अधिकारी मिथिलेश, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़, 1200 किलो विस्फोटक और 36 जिंदा कारतूस बरामद, दो गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के चौकपुरी के जंगल में पुलिस ने अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए करीब 1200 किलोग्राम विस्फोटक और 36 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों यूसुफ और गुफरान अहमद अंसारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार फैक्ट्री में लाइसेंस की निर्धारित सीमा से करीब 24 गुना अधिक विस्फोटक का भंडारण किया गया था। इसके साथ ही अवैध रूप से कारतूस तैयार करने और बारूद की आपूर्ति का धंधा भी चल रहा था। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से चौकपुरी के जंगल में अवैध पटाखा फैक्ट्री संचालित

होने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम ने छापेमारी की तो भारी मात्रा में विस्फोटक और अन्य सामग्री बरामद हुई। जांच में पता चला कि मुला बारूद के नाम से संचालित फैक्ट्री के पास केवल 50 किलोग्राम विस्फोटक रखने का वैध लाइसेंस था, जबकि मौके से करीब 12 क्विंटल विस्फोटक मिला। पुलिस के मुताबिक नहटौर के मोहल्ला काला पीर शहीद निवासी दोनों आरोपी विस्फोटक तैयार करने में विशेषज्ञ हैं। वे तमिलनाडु और महाराष्ट्र से कच्चा माल मंगाकर बारूद तैयार करते थे। इसके बाद अवैध रूप से कारतूस तैयार कर उनकी आपूर्ति की जाती थी। पुलिस ने 315 बोर और 12 बोर के 36 जिंदा कारतूस के अलावा एल्युमिनियम पाउडर, गंधक और पोटेशियम नाइट्रेट समेत अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की है। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों और खरीदारों की तलाश में दबिश दे रही है।

सुसंस्कारित स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने पर जोर, डॉ. शैलेंद्र को मिली सह विभाग संयोजक की जिम्मेदारी

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर में सुसंस्कारित स्वास्थ्य सेवा की महत्वपूर्ण बैठक डॉ. मेजर अभिनव सिंह के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य मनीराम, प्रांत संयोजक डॉ. संजीव और प्रांत सह संयोजक डॉ. आदित्य ने चिकित्सकों एवं कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। वक्ताओं ने समाज के जरूरतमंद लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने तथा सेवा कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सभी को प्रेरित किया।

बैठक के दौरान सुसंस्कारित स्वास्थ्य सेवा के बिजनौर विभाग की ओर से पूर्व में किए गए जनकल्याणकारी कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। इसमें जरूरतमंद लोगों के लिए लगाए गए निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविरों और उपचार में दी गई विशेष छूट की जानकारी साझा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि पात्र मरीजों को रियायती दरों पर बेहतर उपचार, गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं और

संवेदनशील व्यवहार के साथ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना संगठन की प्राथमिकता है।

स्वास्थ्य सेवाओं के साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई। सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, जल संरक्षण, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने, आध्यात्मिक गतिविधियों, प्रसाद वितरण और गुरुकुलों के विस्तार जैसे विषयों पर सदस्यों ने अपने विचार रखे। इन कार्यों को और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

संगठन को मजबूत करने और कार्यों के सुचारू संचालन के लिए सर्वसम्मति से डॉ. शैलेंद्र को सह विभाग संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में बुलंदशहर के विभाग कार्यवाह राजवीर, बिजनौर के विभाग संयोजक मनोज सहित चिकित्सक डॉ. तेजपाल, डॉ. अमित नारायण, डॉ. अमित, डॉ. इला, डॉ. प्रीति, डॉ. शलभ, डॉ. लवी, डॉ. सुमित और डॉ. अंकित सहित कई लोग उपस्थित रहे।

भाजपा नफरत का माहौल बनाकर हिंदू-मुस्लिमों को बांटने का काम कर रही : राजकुमार भाटी

सहारनपुर (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने आरोप लगाया कि भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में नफरत का माहौल बनाकर हिंदू-मुस्लिमों को बांटने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कार्यकताओं से 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने और पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया।

वह नकुड़ के शाहजहांपुर मार्ग स्थित सभागार में सपा प्रदेश सचिव धर्मवीर खटाना की ओर से आयोजित पीडीए जनसंवाद कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। राजकुमार भाटी ने कहा कि 2014 के चुनाव से पहले भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने, मकान उपलब्ध कराने, बुलेट ट्रेन चलाने, स्मार्ट सिटी बनाने और काला धन वापस लाने सहित कई वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद जनता को ठगने का काम किया गया।

सांसद इकरा हसन ने भाजपा सरकार

पर निशाना साधते हुए कहा कि शासनकाल में बड़ी संख्या में स्कूल बंद हुए हैं और सरकारी अस्पतालों में उपचार की स्थिति बेहतर नहीं है। उन्होंने चीनी के बढ़ते दाम और गन्ने के मूल्य का मुद्दा उठाते हुए सरकार से सवाल किए। उन्होंने कहा कि सरकार राजमार्ग निर्माण में आगे होने का दावा करती है, लेकिन कई सड़कें बनने के कुछ समय बाद ही खराब हो जाती हैं।

कार्यक्रम संयोजक धर्मवीर खटाना ने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के पास विकास का स्पष्ट दृष्टिकोण और कार्ययोजना है। उन्होंने अखिलेश यादव के कार्यकाल में मेट्रो, एक्सप्रेस-वे, लोकभवन, पुलिस मुख्यालय, जनेश्वर मिश्र पार्क, 1090, डायल-100, इकाना स्टेडियम और गोमती रिवर फ्रंट जैसी परियोजनाएं शुरू होने का उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि पीडीए के समर्थन से सपा आगामी चुनाव में 300 सीटें जीतकर सरकार बनाएगी। कार्यक्रम में विनोद तेजियान, लल्ला गुर्जर, पुष्पेंद्र चौधरी, वीरेंद्र सिंह नागर, आसिफ चौधरी, आजम राणा, अनुज चौधरी, सतीश शर्मा, मजाहिर राणा, नियाज प्रधान और रवि बैंसला सहित अन्य नेताओं ने विचार रखे। अध्यक्षता रामपाल सिंह ने की। इस दौरान बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मदनलाल हॉस्पिटल में गणेश महोत्सव का आयोजन, विधि विधान से स्थापित की गई गणपति प्रतिमा

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे में मुजफ्फरनगर रोड पर हिंडन नदी पुल के पार स्थित मदनलाल हॉस्पिटल में सोमवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर गणेश महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान अस्पताल परिसर में विधि-विधान के साथ हवन-पूजन कर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। धार्मिक आयोजन के दौरान पूरा परिसर गणपति बप्पा के जयकारों और भक्ति भाव से सराबोर रहा। महोत्सव में गणमान्य लोगों के साथ अस्पताल के कर्मचारियों ने हवन-पूजन में भाग लिया। अस्पताल संचालक एवं कश्यप समाज के खाप चौधरी डॉ. सोनू कश्यप ने सपत्नीक भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा

कि धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने के साथ ही समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने बताया कि गणेश महोत्सव के तहत आगामी दिनों में भी विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं को भगवान गणेश की आराधना करने का अवसर मिल सके।

पूजन के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सूची कश्यप, विशाल कुमार पाल, मुकेश कश्यप, अभिनव कश्यप, सचिन, अभिषेक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हिंदी दिवस पर विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा के महत्व पर रखे विचार

शामली (शिखर समाचार)। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में भास्कर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कैराना में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्राओं सोहा अली, शहजादी और सुहानी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर किया। मंच संचालन बलजीत कौर ने किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने हिंदी भाषा के महत्व और समाज में उसकी भूमिका पर विचार व्यक्त किए। शिक्षक सोनू खान ने कहा कि हिंदी भावनाओं और विचारों की सहज अभिव्यक्ति का प्रभावी माध्यम है। शिवम कसाना ने कहा कि हिंदी देश की विविधताओं को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य करती है। डॉ. मेहरदीन मलिक ने भाषा को संस्कृति, संस्कार और पहचान का आधार बताते हुए हिंदी के संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता पर जोर दिया। छात्र अल्तमस ने मातृभाषा के सम्मान को आवश्यक बताते हुए कहा कि अपनी भाषा के प्रति गौरव की भावना प्रत्येक व्यक्ति में होनी चाहिए। छात्रा सोहाली ने हिंदी को सामाजिक एवं सांस्कृतिक सेतु बताते हुए हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं। छात्रा खुशी ने कविता की पंक्तियों के माध्यम से हिंदी भाषा के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम में आजम, आदिल, अनम, आशीष, मिसरार, रजिया, सोहा, अनिल, सुनील और विमल सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। समापन पर प्राचार्य डॉ. अमितेश कुमार शर्मा ने हिंदी को संस्कृति, संस्कार और भावनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति बताते हुए विद्यार्थियों से हिंदी के सम्मान, संरक्षण और प्रचार-प्रसार में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

मुरादनगर में अवैध कॉलोनी पर चला जीडीए का बुलडोजर

17 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में सड़क और चारदीवारी समेत अवैध निर्माण ध्वस्त, विरोध के बीच जारी रही कार्रवाई

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने मुरादनगर और मोदीनगर क्षेत्र में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। प्रवर्तन जोन-2 के प्रभारी के नेतृत्व में प्राधिकरण की टीम ने ग्राम रोरी में मंगल विहार कॉलोनी के पीछे करीब 17 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी में सड़क निर्माण के लिए की जा रही मिट्टी भराई का कार्य बंद कराया। प्राधिकरण के अनुसार मुकेश ठाकुर, गौरव चौहान, एमजी प्रॉपर्टीज, जितेंद्र कुमार और सुनील व्यास द्वारा उक्त भूमि पर बिना स्वीकृति के कॉलोनी विकसित करने की तैयारी की जा रही थी।

स्वीकृत मानचित्र नहीं दिखाया

खसरा संख्या 922, 923 और 924 की भूमि पर सड़क निर्माण के

लिए मिट्टी भराई का कार्य चल रहा था। मौके पर निर्माण से संबंधित स्वीकृत मानचित्र प्रस्तुत नहीं किया गया। इसी प्रकार ग्राम बेगमाबाद, बुदाना स्थित महेश पार्क के समीप खसरा संख्या 884 में करीब 200 वर्ग मीटर क्षेत्र में पिलर खड़े करने और दीवार की चिनाई का कार्य किया जा रहा था। प्राधिकरण ने अमित और संजय गर्ग को निर्माण कार्य तत्काल बंद करने की हिदायत दी।

सड़क, चारदीवारी और दुकानों पर कार्रवाई

जीडीए की टीम ने अवैध कॉलोनी में बनाई गई आरसीसी सड़कों, चारदीवारी और प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा महेश मार्ग पर किए गए अवैध दुकानों के निर्माण को भी ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान स्थानीय निर्माणकताओं और कॉलोनाइजरों ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखी।

अवैध निर्माण पर होगी सख्त कार्रवाई

जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में बिना स्वीकृति विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों और अनधिकृत निर्माण को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को ऐसे मामलों में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करने तथा अवैध निर्माण की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-2 का समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। जीडीए अधिकारियों ने बताया कि आगामी माह में भी विभिन्न क्षेत्रों में अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

नगर निगम की एकमुश्त समाधान योजना में 913 करदाताओं ने किया आवेदन, 52.83 लाख रुपये जमा

सहारनपुर (शिखर समाचार)। नगर निगम की गृहकर, जलकर और सीवरकर की एकमुश्त समाधान योजना के तहत अब तक 913 करदाताओं ने आवेदन किया है। इनमें 695 आवेदनों का निस्तारण किया जा चुका है, जबकि 211 करदाताओं ने बकाया कर जमा कर ब्याज में पूरी छूट का लाभ उठाया है। योजना के तहत अब तक नगर निगम को 52 लाख 83 हजार रुपये की धनराशि प्राप्त हो चुकी है। कर निर्धारण अधिकारी श्रुति माहेश्वरी ने बताया कि शासन के निर्देश पर 15 अगस्त से शुरू की गई एकमुश्त समाधान योजना के तहत बकाया कर जमा करने वाले करदाताओं को ब्याज में पूरी छूट दी जा रही है। योजना में आवेदन करने की अंतिम तिथि 14 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि सितंबर माह में बकाया कर जमा करने वाले करदाताओं को ब्याज में छूट के साथ चालू वित्त वर्ष की मांग पर 20 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट भी दी जाएगी। कर निर्धारण अधिकारी ने बताया कि अधिक से अधिक करदाताओं को योजना का लाभ पहुंचाने के लिए नगर निगम की ओर से विभिन्न वार्डों में शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में करदाता एकमुश्त समाधान योजना के लिए आवेदन करने के साथ बकाया बिल जमा करा सकते हैं और कर संबंधी आपत्तियों का भी निस्तारण करा सकते हैं। 15 से 30 सितंबर तक अलग-अलग वार्डों में निर्धारित स्थानों पर शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने करदाताओं से निर्धारित अवधि में योजना का लाभ उठाने की अपील की। करदाता घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से भी योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं।

एनटीपीसी दादरी में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ, विभिन्न प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

दादरी (शिखर समाचार)। एनटीपीसी विद्युत नगर में हिंदी दिवस के अवसर पर सोमवार को हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। पखवाड़े का उद्घाटन कार्यकारी निदेशक एके मिश्रा ने हिंदी संदेश प्रस्तुत कर किया। एनटीपीसी दादरी में हिंदी पखवाड़ा 14 से 28 सितंबर तक मनाया जा रहा है। इस दौरान हिंदी के प्रचार-प्रसार और इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इनमें हिंदी निबंध लेखन, वाद-विवाद, कविता पाठ, चित्र पहेली, प्रश्नोत्तरी और हिंदी ज्ञान प्रश्नोत्तरी सहित अन्य प्रतियोगिताएं शामिल हैं। इनमें कर्मचारी, विद्यार्थी और गृहणियां उत्साहपूर्वक भाग लेंगी। कार्यकारी निदेशक ने कर्मचारियों से कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए सभी को अपने दैनिक कार्यों में इसका सहज रूप से इस्तेमाल करना चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का संकल्प भी दिलाया गया।

खराब प्रगति वाले अधिकारियों को जिलाधिकारी ने लगाई फटकार, वेतन रोकने और कारण बताओ नोटिस के निर्देश

शामली (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड के आधार पर विकास एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने विभागवार प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खराब प्रदर्शन वाले विभागों के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल सुधार करने को कहा। सामूहिक विवाह योजना की समीक्षा के दौरान कार्य पूर्ण होने के बावजूद पोर्टल पर जानकारी अद्यतन नहीं पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने समाज कल्याण अधिकारी का वेतन रोकने के निर्देश दिए। नलकूप विभाग के अधिशासी अभियंता के बैठक में अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा।

परिवार पहचान पत्र की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पंचायती राज, स्वास्थ्य, समेकित बाल विकास सेवा और लोक निर्माण

विभाग सहित अन्य विभागों को लक्ष्य के अनुरूप कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तथा उन्हें निर्धारित समय में पूरा करने को कहा। पूर्ण हो चुके कार्यों की सुपुर्दगी की कार्रवाई भी शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए। राजस्व कार्यों की समीक्षा में आबकारी, खनन, वन, राज्य कर, विद्युत, सिंचाई, गन्ना और सहायक संभागीय परिवहन विभाग को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिकायतों के निस्तारण पर संतोषजनक प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थानाभवन के प्रभारी चिकित्साधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी थानाभवन, जिला कार्यक्रम अधिकारी, अधिशासी अधिकारी एलम और चकबंदी अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ब्रजेन्द्र शुक्ल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्येन्द्र सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. तृतीय कुमार सक्सेना सहित सभी उपजिलाधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

हिंदी दिवस पर डॉ. सुमन अग्रवाल सहित तीन हस्तियां सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में फ्रीगंज रोड स्थित क्राउन प्लाजा में हिंदी भाषा के सम्मान, संवर्धन और प्रचार-प्रसार को समर्पित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार डॉ. अनिल बाजपेयी, श्रीमती कमला गर्ल्स स्कूल की प्रधानाचार्या पारुल शर्मा तथा शिवा प्राथमिक पाठशाला की प्रधानाचार्या डॉ. सुमन अग्रवाल को पटका पहनाकर, स्मृति-चिह्न और सम्मान पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आराधना बाजपेयी ने किया। कार्यक्रम की संयोजक स्वाति मित्तल और उषा अग्रवाल रहीं। अध्यक्षता करते हुए डॉ. आराधना बाजपेयी ने कहा कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, संस्कार और संवेदनाओं की आत्मीय अभिव्यक्ति है। हिंदी का सम्मान करना अपनी जड़ों और सांस्कृतिक पहचान का सम्मान करना है। सचिव नीरू मित्तल और

कोषाध्यक्ष अर्चना कंसल ने कहा कि हिंदी को जन-जन की भाषा बनाने के लिए दैनिक जीवन में इसके प्रयोग को बढ़ाना होगा। विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल बाजपेयी ने कहा कि हिंदी की सबसे बड़ी शक्ति उसकी आत्मीयता और स्वीकार्यता है। यह भाषा मन से निकलकर सीधे मन तक पहुंचती है। हिंदी दिवस केवल एक दिन भाषा को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि पूरे वर्ष हिंदी के प्रति अपने दायित्व को निभाने का संकल्प लेने का पर्व है। डॉ. सुमन अग्रवाल ने कहा कि बच्चों में प्रारंभ से ही हिंदी के प्रति प्रेम और गौरव की भावना विकसित की जानी चाहिए। पारुल शर्मा ने कहा कि हिंदी हमारी भावनाओं की सहज भाषा है। विद्यार्थियों को हिंदी बोलने, लिखने और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना आवश्यक है। कार्यक्रम में रेखा सिंह, उर्मिला शर्मा, संतोष शर्मा, रजनी बंसल, संतोष सिंघल, राजकुमारी मित्तल, बीना जिंदल, सिमरन गोयल, आशा भटनागर, संध्या कंसल, सीमा गोयल, सुषमा खन्ना, किरण गोस्वामी, सोनिया और अधिवक्ता ज्योति सहित अनेक महिलाएं एवं साहित्यप्रेमी मौजूद रहे।

गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण
(ISO 9001:2015 एवं ISO 14001:2015 प्रमाणित संस्था)
विकास पथ, गाज़ियाबाद

"सार्वजनिक सूचना"

एतद् द्वारा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री बानी सिंह पुत्र श्री राम लाल द्वारा आवासीय भूखण्ड संख्या–6/110, सैक्टर–2, राजेन्द्रनगर, गाजियाबाद पर क्षेत्रफल 464.56 वर्ग मी० पर FASTPAS पोर्टल के माध्यम से आवासीय भू–उपयोग के अन्तर्गत व्यवसायिक कम आवासीय मानचित्र आवेदन संख्या– GDA/BP/ MS/2026-27/6277 स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया है। मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा मॉडल जोनिंग रेगुलेशन, 2025 के अध्याय–8 के प्रस्तर–8.1.3 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत ऐसी क्रिया के दृश्टिगत प्रस्तुत मानचित्र की स्वीकृति से पूर्व जन–सामान्य से आपत्ति/सुझाव आमंत्रित किये जाते है। प्रश्नगत स्थल मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा मॉडल जोनिंग रेगुलेशन, 2025 में निहित प्राविधानों के अनुसार मिश्रित उपयोग किये जाने हेतु अनुमन्य है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उक्त के सम्बन्ध में अपनी कोई आपत्ति / सुझाव देना चाहे तो उक्त सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति/सुझाव कार्यालय, मुख्य नगर नियोजक / स्वागत कक्ष, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण में प्रस्तुत कर सकता है। कार्यालय में नियत अवधि (15 दिन) में प्राप्त होने वाले आपत्ति / सुझाव पर विचार किया जायेगा। उक्त समयावधि के उपरान्त प्राप्त होने वाले किसी भी आपत्ति / सुझाव पर विचार नहीं किया जा सकेंगा।

अपर सचिव

ई–मेल: helplinegda@gmail.com, f : @gdagzb, t : @gdagzb
हैल्पलाईन: 0120–3342433/व्हाट्सैप नं: 9818988807, वेबसाईट: www.gdaghaziabad.in

एक सुन्दर शहर........ हमारा संकल्प

संक्षिप्त समाचार

डेंगू का एक मरीज मिला

अलीगढ़ , एजेंसी। स्वाइन फ्लू के बीच ही जिले में डेंगू भी पांव पसार रहा है। दो दिन पहले ही शाहजमाल इलाके के एक मरीज में डेंगू की पुष्टि हुई है। जुलाई से अब तक आठ लोगों को डेंगू ने अपनी चपेट में लिया है। वहीं, इस वर्ष जनवरी से अब तक लगभग 11 लोगों को मलेरिया हो चुका है। शहर से सटे हुए लोधा, हरदुआगंज, शाहजमाल, डबल टंकी में मच्छरों का सर्वाधिक प्रकोप है। इन्हीं इलाकों में डेंगू के मरीज मिले हैं। अलीगढ़ शहर के 60 मोहल्ले और ग्रामीण क्षेत्र के 50 गांव डेंगू और मलेरिया के लिहाज से संवेदनशील हैं। जिला मलेरिया रोग नियंत्रण विभाग इन इलाकों में नगर निगम और पंचायत राज विभाग के माध्यम से फॉगिंग कराकर लोगों को मच्छरदानी का इस्तेमाल करने के लिए जागरूक कर रहा है। डीएमओ विनीता मिश्रा ने बताया कि जनवरी 2026 से 13 सितंबर तक अब तक डेंगू के आठ और मलेरिया के 11 मरीज मिल चुके हैं। जिन इलाकों में डेंगू और मलेरिया के मरीज मिलते हैं, वहां स्वास्थ्य शिविर लगाकर स्थानीय लोगों की जांच करने के साथ उन्हें जागरूक किया जा रहा है।

ऑन द स्पॉट निबंध प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

वाराणसी , एजेंसी। केंद्रीय रेलवे महिला कल्याण संगठन, नई दिल्ली के आह्वान पर रविवार को रेल कर्मचारियों के बच्चों के लिए आयोजित ऑन द स्पॉट निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के महिला कल्याण संगठन की ओर से वाराणसी के साथ ही कई जगहों पर प्रतियोगिता में 6 से 15 वर्ष आयु वर्ग के रेल कर्मचारियों के बच्चों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मंडल महिला कल्याण संगठन वाराणसी की अध्यक्षा वाणी जैन ने अधिकारी क्लब, लहरतारा में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ कर बच्चों के इस प्रयास की सराहना की। बताया कि हर ग्रुप में प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा दो सांत्वना पुरस्कार दिए जाएंगे, जिनका वितरण नई दिल्ली में आयोजित महिला दिवस समारोह में किया जाएगा। इसके अतिरिक्त मंडल स्तर पर भी विशेष पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। उधर, बरेका में आयोजित अखिल भारतीय ऑन-द-स्पॉट निबंध प्रतियोगिता में बरेका कर्मचारियों के 267 बच्चों ने भाग लिया। बरेका महिला कल्याण संगठन सचिव एवं वरिष्ठ कार्यकारी सदस्या पूजा मौर्या एवं सुनीता ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की।

ग्रामीणों को डिजिटल सेवाएं मुहैया कराने की राह में बजट का रोड़ा

बरेली, एजेंसी। गांवों को डिजिटल सुविधाओं से जोड़ने का सपना बजट की कमी से अटक गया है। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत वित्त वर्ष 2019-20 में आठ, 2022-23 में 91 और 2024-25 में 16 पंचायतों का चयन कर वहां कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) का निर्माण कराया गया है। अब 2025-26 में चुनी गई 48 पंचायतों में से अब तक महज 35 केंद्रों का ही निर्माण पूर्ण हो सका है। इसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, सभी 48 केंद्रों के निर्माण के लिए 2.40 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत था, लेकिन 91.36 लाख रुपये ही मिले। उपलब्ध धनराशि से 35 सीएससी का निर्माण कराया गया। शेष 13 पंचायतों में बजट के इंतजार में काम प्रभावित है। मिलेंगी ये सुविधाएंसीएससी तैयार होने पर ग्रामीणों को आय, जाति, निवास और चरित्र प्रमाणपत्र, खतौनी व कुटुंब रजिस्टर की नकल जैसी सुविधाओं के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इसके अलावा दिव्यांग प्रमाणपत्र, छात्रवृत्ति आवेदन, शादी व बीमारी अनुदान, कृषक दुर्घटना सहायता, जन शिकायत, राशन कार्ड, रोजगार और श्रमिक पंजीकरण समेत कई सेवाएं पंचायत स्तर पर उपलब्ध होनी हैं।

डॉ. रजनीश मिश्रा बने अध्यक्ष, पहली बार कार्यकारिणी का हुआ निर्विरोध गठन; नहीं पड़ी मतदान की जरूरत

आगरा, एजेंसी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की आगरा शाखा में पहली बार अनूठी पहल हुई। पूरी कार्यकारिणी निर्विरोध तय हो गई है। डॉ. रजनीश मिश्रा निर्वाचित अध्यक्ष, सचिव डॉ. मुकेश भारद्वाज सचिव और डॉ. करण रावत कोषाध्यक्ष चुने गए हैं। इनका जल्द शपथ ग्रहण कराया जाएगा।आईएमए अध्यक्ष डॉ. पंकज नगायच ने बताया कि 2026-27 सत्र की कार्यकारिणी निर्विरोध चुनी गई है। अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष पद के लिए पहले ही निर्विरोध चुन लिए गए थे। कुछ पदों पर विरोध था, जिन पर भी सहमति बन गई है। इसमें राज्य कार्यकारिणी और वर्किंग कमेटी में 34-34 सदस्य हैं। अध्यक्ष आईएमए-एएमएस के एक पद के लिए डॉ. सीआर रावत और डॉ. योगेश सिंघल दावेदार हैं। इन दोनों में भी सहमति बना ली जाएगी। अब 27 को होने वाले मतदान की जरूरत नहीं है। चुनाव कार्यकारिणी में डॉ. ओपी यादव, डॉ. राजीव उपाध्याय, डॉ. मुकेश गोयल और डॉ. अनूप दीक्षित ने देर शाम कार्यकारिणी पर मुहर लगाकर आईएमए भवन पर सूची चस्पा कर दी है।

पहली बार काशी पहुंचे भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष

विश्वनाथ और कालभैरव के दर्शन किए

वाराणसी, एजेंसी। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और वडोदरा के सांसद डॉ. हेमांग जोशी पहली बार काशी पहुंचे। उनके आगमन पर भाजपा और भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने एयरपोर्ट से तरना तक भव्य स्वागत किया। काशी पहुंचने के बाद उन्होंने बाबा विश्वनाथ और कालभैरव मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद तरना में एक बड़े रोड शो का आयोजन किया गया।

रोड शो में बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता जुटे थे। क्रेन के माध्यम से उन्हें पुष्पमाला पहनाकर अभिनंदन किया गया। वाराणसी एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं और भाजयुमो पदाधिकारियों ने डॉ. हेमांग जोशी का स्वागत किया। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रविंद्र जायसवाल के पुत्र आयुष जायसवाल ने पुष्पगुच्छ और माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। वाराणसी उत्तरी विधानसभा क्षेत्र के तरना वार्ड में भाजयुमो ने यह रोड शो आयोजित किया था। मार्ग में कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। रोड शो के दौरान युवा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आया, जो उनके आगमन की खुशी को दर्शाता था। इस अवसर पर भाजयुमो के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा और ब्रज क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रुद्र लक्ष्मीकांत अवस्थी समेत अन्य प्रमुख पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

काशी में भव्य स्वागत : डॉ. हेमांग जोशी के काशी आगमन पर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह था। एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में भाजपा और भाजयुमो के सदस्य एकत्रित हुए। उन्होंने जोशी का गर्मजोशी से स्वागत किया। तरना तक के मार्ग पर भी जगह-जगह उनका अभिनंदन किया गया। यह स्वागत उनके पहली बार काशी पहुंचने के उपलक्ष्य में था। काशी पहुंचने के बाद डॉ. जोशी ने बाबा विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने कालभैरव मंदिर में भी पूजा-अर्चना की। तरना में आयोजित रोड शो में युवा कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उमड़ी। क्रेन का उपयोग कर उन्हें विशाल पुष्पमाला पहनाई गई। इस दौरान युवा कार्यकर्ताओं का उत्साह देखने लायक था।

आगामी पत्रकार वार्ता और बैठक: भाजयुमो राष्ट्रीय अध्यक्ष सोमवार को वाराणसी में पत्रकार वार्ता करेंगे। यह वार्ता काशी से वडनगर और वडनगर से काशी तक प्रस्तावित सेवा संकल्प बाइक यात्रा को लेकर होगी। यह यात्रा भाजपा युवा मोर्चा की एक महत्वपूर्ण पहल है। सर्किट हाउस में दोपहर तीन बजे यह वार्ता आयोजित की जाएगी। इसमें यात्रा की तैयारियों, इसके कार्यक्रम और विस्तृत रूट की जानकारी दी जाएगी। पत्रकार वार्ता के बाद शाम को बनारस किला में एक महत्वपूर्ण बैठक भी होगी, जिसमें आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

सड़क, बिजली व सिंचाई से ग्रामीण क्षेत्रों में दिख रहा विकास

गोरखपुर , एजेंसी। प्रदेश के सिंचाई मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि प्रदेश में सड़क, बिजली और सिंचाई के साथ ही ग्रामीण जीवन में भी विकास दिख रहा है। बेहतर सड़कों व सुविधाओं से गांवों में आना-जाना आसान हुआ है। इससे महिलाओं, युवाओं और विद्यार्थियों को भी फायदा मिल रहा है।

वह रविवार को पाली ब्लॉक के नेवास गांव स्थित कोटिया बखिरा पंप नहर के आधुनिकीकरण के लोकार्पण के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस नहर से किसान अब धान, गेहूं के साथ-साथ रबी की अलग-अलग फसलों, सब्जियों और अन्य कृषि कामों के लिए भी सिंचाई सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। ने लोगों से एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रमों की भी जानकारी दी।

विधायक प्रदीप शुक्ल व पाली ब्लॉक प्रमुख शशि प्रताप सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। संचालन विजय मिश्र ने किया। इससे पहले, हवन-पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कुल 3.39 करोड़ रुपये के लागत से सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग ने यह कार्य कराया है। इससे आसपास के गांवों के 700 से अधिक किसानोंको फायदा मिलेगा।

इंटर सोसाइटी लीग में बल्ले से चौके-छक्के की बरसात

आगरा, एजेंसी। इंटर सोसाइटी लीग (एआईएसएल) के दूसरे दिन बल्लेबाजों का दबदबा रहा। चौकों-छक्कों की बरसात के बीच कई मुकाबलों में 200 से अधिक रन बने। अपर्णा प्रेम फाइटर्स ने 225 रन बनाकर स्काई सिटी इलेवन को 60 रन से हराया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए अपर्णा प्रेम फाइटर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 225 रन बनाए। कपिल सोलंकी ने 62 गेंदों में नौ चौके और नौ छक्कों की मदद से विस्फोटक 136 रन ठोके। लक्ष्य का पीछा करते हुए स्काई सिटी इलेवन नौ विकेट पर 165 रन ही बना सकी। केके सोलंकी ने तीन और देवेश शर्मा ने दो विकेट लिए। दूसरे मुकाबले में गणपति ग्लेडिएटर्स ने 205 रन बनाए। निर्दोष कुमार शर्मा ने 28 गेंदों में छह चौके और छह छक्कों की मदद से 74 रन की पारी खेली। जवाब में अपर्णा पंचशील स्ट्राइकर्स ने 200 रन बनाए। रीनेश जैन ने 48 गेंदों में 109 रन बनाकर मुकाबले को रोमांचक बनाया।

एक अन्य मैच में एंथेला अवतार्स ने 170 रन बनाए, जिसके जवाब में आईएमएचएच अनप्रेडिक्टेबल्स ने 19.1 ओवर में लक्ष्य हासिल किया। दिनेश कुशवाह ने नाबाद 78 रन की पारी खेलकर जीत में अहम भूमिका निभाई। एंथेम वॉरियर्स ने भी 236 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। प्रभु ने 72, केसी ने 51 और विवेक ने मात्र 11 गेंदों में नाबाद 35 रन बनाए। जवाब में राधा रानी चैलेंजर्स की टीम 19.4 ओवर में 195 रन पर सिमट गई। निक्कू और विवेक ने चार-चार विकेट चटकाकर जीत सुनिश्चित की।

हिंदी के रास्ते भारत की संस्कृति तक पहुंच रहे विदेशी छात्र

05

लखनऊ , एजेंसी। हिंदी अब सिर्फ भारत की भाषा नहीं रह गई है। विदेशों के विद्यार्थी भी इसके जरिये भारतीय समाज, संस्कृति और साहित्य को समझ रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय में श्रीलंका, जर्मनी और पोलैंड समेत कई देशों के विद्यार्थी हिंदी पढ़ रहे हैं। कोई प्रेमचंद की कहानियों में भारतीय समाज तलाश रहा है तो कोई जयशंकर प्रसाद के साहित्य से इतिहास और संस्कृति को समझ रहा है। कई विद्यार्थी हिंदी में शोध भी कर रहे हैं। फिलहाल विश्वविद्यालय में 171 विदेशी विद्यार्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ रहे हैं।

हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में श्रीलंका के कई विद्यार्थी पीएचडी कर रहे हैं। श्रीलंका के आनंद अबेसुंदर हिंदी और सिंहली साहित्य की प्रमुख लेखिकाओं के उपन्यासों में स्त्री चेतना पर शोध कर रहे हैं। वे श्रीलंका में हिंदी के प्राध्यापक भी हैं। उनके लिए हिंदी भारत और श्रीलंका के बीच सांस्कृतिक सेतु है।

श्रीलंका की ही कांचना दी अल्विस हिंदी साहित्य पर बौद्ध संस्कृति के प्रभाव और मानव मुक्ति की परिकल्पना पर शोध कर रही हैं। उनका कहना है कि लखनऊ में तीन साल के दौरान साहित्य के साथ तहजीब वखानपान को भी जाना। प्रेमचंद की 'पूस की रात', धर्मवीर भारती की 'गुनाहों का देवता' व जयशंकर प्रसाद की रचनाओं ने भारतीय समाज को समझने में मदद की।

श्रीलंका की कलणि विहंगा पनागोड भी हिंदी में पीएचडी कर रही हैं। हिंदी सिनेमा व बॉलीवुड के गीतों से प्रभावित होकर हिंदी सीखने वाली कलणि करीब चार साल भारत में रह चुकी हैं। वह हिंदी को दोनों देशों के बीच अपनत्व की डोर मानती हैं। पोलैंड की अन्ना हिंदी में एमए कर रही हैं। वह हिंदी के साथ मराठी, उर्दू और तमिल भी सीख रही हैं। उनका मानना है कि किसी संस्कृति और समाज की मानसिकता समझने के लिए उसकी भाषा जानना जरूरी है। अंजना मुतुमाली कहपलआरच्ची श्रीलंका में हिंदी की अध्यापिका हैं और लविवि से पीएचडी कर कर रही हैं। बताया कि श्रीलंका में 88 विद्यालयों और करीब पांच विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। हिंदी में भारत में ही नहीं पूरे विश्व में कॅरिअर के बहुत अवसर हैं। जर्मनी के ओदमार बुएन भाषाविज्ञान, संस्कृत और दर्शनशास्त्र के साथ हिंदी सीख रहे हैं।

उनके अनुसार हिंदी ने भारतीय संस्कृति और साहित्य की नई दुनिया खोल दी। लविवि में बीए के छात्र पोलैंड के ईवो भी फर्राटेदार हिंदी बोलते हैं। वह कहते हैं कि एक माह पहले लखनऊ आए लेकिन इतने कम समय में ही हिंदी और शहर से प्रेम हो गया। कुलपति प्रो. जेपी सैनी के अनुसार विदेशी विद्यार्थियों के हिंदी प्रेम में साहित्य की बड़ी भूमिका है। प्रेमचंद, निराला, जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, धर्मवीर भारती, हरिवंश राय बच्चन, दुष्यंत कुमार और हरिशंकर परसाई की रचनाएं उन्हें भारतीय समाज और संवेदना को समझने का अवसर दे रही हैं।

लोहिया में बनेगा यूपी का दूसरा सबसे बड़ा व उन्नत ट्रॉमा सेंटर, गंभीर घायल मरीजों को मिलेगी बड़ी राहत

लखनऊ, एजेंसी। हादसों में घायल गंभीर मरीजों को अब लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में और बेहतर इलाज मिल सकेगा। संस्थान में यूपी का दूसरा 300 बेड वाला उन्नत ट्रॉमा सेंटर बनाने की तैयारी तेज हो गई है (पहला उन्नत ट्रॉमा सेंटर केजीएमयू में है, जो 450 बेड का है)। शहीद पथ परिसर से लगी करीब साढ़े चार एकड़ जमीन पर इसका निर्माण होगा। संस्थान के छठवें स्थापना दिवस पर रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में उपलब्धियों और भावी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट पेश की गई।

निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने बताया कि संस्थान के विस्तार के लिए 1,010 बेड के अस्पताल और 1,085 नए पदों को मंजूरी मिली है। अब तक 600 रोबोटिक सर्जरी हो चुकी हैं। प्रदेश का दूसरा रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट भी लोहिया में हुआ। इमरजेंसी में मरीजों को एंबुलेंस से उतारकर विभाग तक पहुंचाने के लिए पोर्टर सुविधा शुरू की गई है। यह सुविधा शुरू करने वाला लोहिया देश का पहला सरकारी संस्थान है। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 14 तकनीकी व पैरामेडिकल स्टाफ को नियुक्ति पत्र भी बांटे।

पुस्तक सीओपीडीः सही जानकारी, सही देखभाल का विमोचन

समारोह में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में लोहिया के रेस्पिरेटरी मेडिसिन के हेड डॉ. अजय कुमार वर्मा की पुस्तक सीओपीडीः सही जानकारी, सही देखभाल का विमोचन हुआ ,जो इस पर पहली हिंदी पुस्तक है। डॉ. एसएस नाथ की पुस्तक क्रिटिकल केयर पर्ल्स का भी विमोचन हुआ।

मेहनत और लगन से जीती जा सकती है दुनिया : ब्रजेश पाठक

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि छह साल में लोहिया संस्थान ने जिस तेजी से पहचान बनाई, वह मिसाल है। यहां से चिकित्सा क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार पाने वाला वैज्ञानिक निकलने की उम्मीद है। छात्रों से कहा कि सिर्फ डिग्री और अंक नहीं, कौशल, मेहनत और लगन से दुनिया जीती जा सकती है। उन्होंने एसआर-जेआर को अस्पताल की असली ताकत बताया। राजनीतिक टिप्पणी करते हुए उन्होंने सपा पर निशाना साधा और कहा कि लोहिया के समाजवाद का झूठा दावा करने वाले लोग पूंजीपतियों के साथ खड़े हैं।

'राजनीतिक गाने पर तांडव, महिलाओं-बच्चों को दौड़ाकर पीटा, पांच नामजद और 40 अज्ञात पर रिपोर्ट

कानपुर, एजेंसी। हरदोई जिले में अतरौली थाना क्षेत्र के रेहरियामऊ में दधि उत्सव के दौरान मैनपुरी ने साथ निभाया डिंपल यादव जीत गईं गाना बजाने पर बवाल हो गया। अफरा तफरी के बीच कई लोगों की पिटाई की गई। पुलिस ने कार्यक्रम में बवाल करने और लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर मारने के आरोप में पांच लोगों को नामजद कर 40 अज्ञात पर भी प्राथमिकी दर्ज की है।

रेहरियामऊ निवासी देशराज ने बताया कि गांव के ही जगदीश यादव के यहां बीती दस सितंबर की रात दधि उत्सव था। इसमें शामिल होने के लिए वह रंजीत, सचिन और अरुण के साथ गया था। कार्यक्रम में चार महिलाएं नृत्य भी प्रस्तुत कर रही थीं। आरोप है कि कार्यक्रम में मैनपुरी ने साथ निभाया डिंपल यादव जीत गईं बार-बार बजाया जा रहा था।

आयोजक के हिसाब से ही गाने चलेंगे : इस पर देशराज ने कृष्ण भगवान के गाने बजाने की बात कही। इसी को लेकर गांव के राजू यादव, दुर्गेश यादव, विवेक यादव, सचिन यादव और रीतेश यादव ने जातिसूचक गालियां देते हुए देशराज की पिटाई कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने कहा कि कार्यक्रम के आयोजक के हिसाब से ही गाने चलेंगे।

महिलाओं और बच्चों को भी नहीं बख्शा : घटना से मौके पर हुई अफरा तफरी के बीच राजेश, प्रेम, अनुज, गोलू, राजेंद्र, जोगिंदर, आशीष और रंजीत की मां ऊषा को भी आरोपियों ने पीटा। दावा है कि हमलावरों और उनके परिजनों ने दौड़ा-दौड़ाकर पिटाई की। महिलाओं और बच्चों को भी नहीं बख्शा। घटना में घायल रंजीत और अरुण का उपचार कराया गया है। प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत पांडेय ने बताया कि पांच लोगों को नामजद करते हुए 40 अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

आधी रात के बाद दुकानें बंद कराने को लेकर दुकानदारों और मेला ठेकेदार में कहासुनी, पुलिस ने संभाली स्थिति

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। मेला छड़ियान में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मेला ठेकेदार के आश्वासन के बावजूद सवाल उठने लगे हैं। सोमवार देर रात निर्धारित समय के बाद भी कुछ दुकानदारों द्वारा दुकानें खुली रखने को लेकर विवाद की स्थिति बन गई। सूचना पर मेला प्रभारी उप निरीक्षक करणवीर सिंह मौके पर पहुंचे और दुकानदारों को निर्धारित समय के बाद दुकानें बंद करने के निर्देश दिए। बताया गया कि इस दौरान दुकानदारों और मेला ठेकेदार के बीच कहासुनी भी हुई। स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया।

बताया गया कि सुरक्षा व्यवस्था के तहत मेले में दुकानें रात 12 बजे तक ही खोलने की अनुमति है। इसके बावजूद कुछ दुकानदार आधी रात के बाद भी दुकानें बंद करने को तैयार नहीं थे। इसे लेकर कुछ दुकानदार आक्रोशित हो गए। पुलिस ने दुकानदारों को निर्धारित समय का पालन करने के लिए कहा और देर रात दुकानें खुली रखने की अनुमति नहीं दी। विवाद के चलते कुछ समय के लिए मेला परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

मेला प्रभारी करणवीर सिंह ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए दुकानदारों को रात 12 बजे तक दुकानें बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। मेले में पुलिस लगातार निगरानी कर रही है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए असामाजिक तत्वों पर नजर रखने, भीड़ नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके अलावा महिला सुरक्षा दल, आपातकालीन द्वार और अग्निशमन वाहन की व्यवस्था भी की गई है।

उल्लेखनीय है कि मेले के उद्घाटन के दौरान ठेकेदार ने 90 निगरानी कैमरे लगाने और सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी नहीं आने देने का आश्वासन दिया था। इसके बावजूद दुकानें बंद कराने को लेकर हुए विवाद ने मेला प्रबंधन की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि निर्धारित समय के बाद दुकानें खुली रहने से भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है, इसलिए नियमों का पालन कराया जा रहा है।

गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से गूंजा नगीना, भव्य शोभायात्रा निकाली

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर सोमवार को नगर में भगवान गणेश की भव्य आगमन शोभायात्रा निकाली गई। गणपति बप्पा मोरया के गगनभेदी जयघोषों से पूरा नगर गणपतिमय हो गया। शोभायात्रा में श्रद्धालु बाइक पर सवार होकर हाथों में भगवा ध्वज लेकर गणपति का जयघोष करते चल रहे थे, जबकि महिलाएं पैदल यात्रा में शामिल हुईं। शोभायात्रा के बाद नगर के पंडालों, मंदिरों और घरों में तीन दर्जन से अधिक गणेश प्रतिमाओं की विधि-विधान से स्थापना की गई।

मुख्य शोभायात्रा श्री गणेश मित्र मंडल नगीना के तत्वावधान में सेवा वाली गांवड़ी से पूजन के बाद शुरू हुई। यात्रा रेलवे स्टेशन पहुंची और इसके बाद नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मोहल्ला मुगलान में जाकर संपन्न हुई। यहां पंडित डॉ. विपिन चंद्र त्रिपाठी सहित अन्य पुजारियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराकर पंडालों और घरों में भगवान गणेश की प्राण प्रतिष्ठा कराई।

शोभायात्रा में सुनील मराठा, संजीव उर्फ विक्की अग्रवाल, शिवम अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, गज्जू उर्फ गजेंद्र मराठा, टीटू, अंशुल गर्ग, एकांश अग्रवाल, शैली गोयल, शुभम मराठा, आशु मराठा, अनुपम थापन, प्रदीप अग्रवाल, अर्जुन सिंह, नीशू अग्रवाल, प्रमोद चौहान, नितिन अग्रवाल, गौरव उर्फ कल्लू अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, सुमेश बेरी, शुभम अग्रवाल, मोहित गर्ग, सौरभ मित्तल, लवी मित्तल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर उत्सव मनाया।

गणेश चतुर्थी उत्सव के संस्थापक सुनील मराठा ने बताया कि गणपति स्थापना के बाद प्रतिदिन सुबह और रात आठ बजे विशेष आरती व पूजा होगी। उत्सव का समापन 25 सितंबर को राधेश्याम चौक से भव्य शोभायात्रा के साथ होगा। बैंड-बाजे, ढोल और गुलाल के साथ शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकलेगी और इसके बाद प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए हरिद्वार ले जाया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप दें : बृजेश सिंह

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ अभियान के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों से बेहतर समन्वय और सहयोग लेकर अभियान को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप दिया जाए। सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, स्वयं सहायता समूहों तथा आम नागरिकों को भी अभियान से जोड़ा जाए। प्रमुख सरकारी भवनों पर आकर्षक प्रकाश व्यवस्था कराने और सभी तैयारियां निर्धारित समय में पूरी करने के निर्देश दिए गए।

बेसिक शिक्षा विभाग को विद्यालयों में चित्रकला प्रतियोगिताएं तथा उत्कृष्ट चित्रों की प्रदर्शनी कराने के निर्देश दिए गए। विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सेवा, राष्ट्र निर्माण, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकसित भारत का संदेश पहुंचाया जाएगा।

बैठक में सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। 'सेवा की कहानी' के माध्यम से योजनाओं से लाभान्वित लोगों की सफलता की कहानियां वीडियो, फोटो और डिजिटल माध्यमों से जन-जन तक पहुंचाई जाएंगी। 'सेवा ज्योति कलश यात्रा-विकसित भारत का संकल्प', स्वच्छता अभियान और रंगोली कार्यक्रमों में भी व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अभियान के समापन पर जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित होंगे।

बैठक में सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह, विधायक दादरी तेजपाल नागर, विधान परिषद सदस्य नरेंद्र भाटी, जिलाधिकारी मेधा रूपम, मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

मारपीट के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार, धारदार हथियार बरामद

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिंभावली थाना पुलिस ने दो पक्षों के बीच हुई मारपीट और झगड़े की घटना में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अवैध धारदार हथियार भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी महाराज सिंह पुत्र धनीराम निवासी सैनी बस्ती, पीर नगर, थाना सिंभावली है। उसके खिलाफ दो पक्षों के बीच हुई मारपीट और झगड़े के मामले में मुकदमा दर्ज था और वह वांछित चल रहा था। पुलिस ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध धारदार हथियार बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक घटनाओं में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी है। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक यतेंद्र सिंह और उपनिरीक्षक भव प्रकाश सिंह शामिल रहे।

आयकर अधिनियम और नियमों के नए प्रावधानों पर संवाद सत्र, कर अनुपालन को सरल बनाने पर जोर

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आयकर विभाग, गाजियाबाद की ओर से आयकर अधिनियम, 2025 एवं आयकर नियम, 2026 के अंतर्गत अनुपालन विषय पर विशेष संवाद सत्र आयोजित किया गया। इसमें करदाता, कर सलाहकार, चार्टर्ड अकाउंटेंट, कर अधिवक्ता, व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा मीडिया कर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए कर प्रावधानों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ कर अनुपालन को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त अपर्णा करण, सेवानिवृत्त प्रधान आयकर आयुक्त विनय करण, मुख्य आयकर आयुक्त गाजियाबाद शेफाली स्वरूप, प्रधान आयकर आयुक्त गाजियाबाद दीपिका मित्तल, आयकर आयुक्त टीडीएस कानपुर संजय कुमार यादव और आयकर आयुक्त अपील सुरेंद्र मीणा की मौजूदगी रही। अतिथियों का पौध भेंट कर स्वागत किया गया।

तकनीकी सत्र में संजय चौरसिया, अपर आयकर आयुक्त ने उत्तर प्रदेश पश्चिम एवं उत्तराखंड क्षेत्र के प्रदर्शन की जानकारी दी। संयुक्त आयकर आयुक्त नवाब सिंह ने अग्रिम कर की क्षेत्रवार स्थिति प्रस्तुत की। संजय चौरसिया और सहायक आयकर आयुक्त जितेंद्र गुप्ता ने टीडीएस अनुपालन व्यवस्था पर प्रस्तुति दी। अपर आयकर आयुक्त डॉ. अमरजोत ने पंजीकृत गैर-लाभकारी संगठनों से जुड़ी कर छूट और अनुपालन आवश्यकताओं की जानकारी दी।

सहायक निदेशक आयकर अब्बास मिर्जा ने छोटे करदाताओं की विदेशी परिसंपत्तियों से संबंधित प्रकटीकरण योजना 2026 के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी दी। मुख्य आयकर आयुक्त शेफाली स्वरूप ने कहा कि नए प्रावधानों का उद्देश्य कर व्यवस्था को करदाता के लिए सरल और सुविधाजनक बनाते हुए स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देना है। उन्होंने विभाग के पहले सुविधा दृष्टिकोण पर जोर देते हुए कहा कि विभाग का उद्देश्य कर संग्रह के साथ करदाताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना भी है।

प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त अपर्णा करण ने सरल, पारदर्शी और करदाता केंद्रित प्रशासन के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में आयकर विभाग के अधिकारियों, कर पेशेवरों, व्यापारिक संगठनों और औद्योगिक प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। समापन पर अतिथियों को स्मृति-चिह्न और पौध भेंट किए गए।

जरूरतमंद दिव्यांग बालक कृष्ण को जिलाधिकारी ने प्रदान की व्हीलचेयर, परिवार को मिली राहत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, गाजियाबाद के दिव्यांग सशक्तिकरण अभियान के तहत सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय में आठ वर्षीय दिव्यांग बालक कृष्ण को व्हीलचेयर प्रदान की गई। रेड क्रॉस गाजियाबाद के अध्यक्ष एवं जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़ ने बालक को व्हीलचेयर प्रदान कर उसके परिवार को सहयोग और संबल दिया।

कृष्ण दोनों पैरों से दिव्यांग है और शारीरिक असमर्थता के कारण अधिकांश समय घर पर ही रहता है। उसकी माता घरों में साफ-सफाई एवं अन्य घरेलू कार्य कर परिवार का भरण-पोषण करती हैं। बालक की देखभाल के लिए उसकी बड़ी बहन को भी घर पर रुकना पड़ता था, जिससे उसकी पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। व्हीलचेयर मिलने के बाद कृष्ण की दैनिक गतिविधियों में सुविधा होने के साथ परिवार को भी राहत मिलने की उम्मीद है। साथ ही उसकी बहन के लिए शिक्षा जारी रखना आसान होगा। रेड क्रॉस गाजियाबाद के निवर्तमान सभापति सुभाष गुप्ता के सहयोग से यह सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन वैश्य, राकेश गुप्ता, एमसी गौड़ तथा बालक की प्रशिक्षक रजनी डोंडियाल उपस्थित रहीं। उपस्थित पदाधिकारियों ने बालक और उसके परिवार का मनोबल बढ़ाते हुए दिव्यांगजनों के सहयोग के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रतिबद्धता जताई।

विहिप नेता सुधीर अग्रवाल पर आवारा कुत्ते ने किया हमला, क्षेत्र में दहशत

हापुड़ (शिखर समाचार)। मोहल्ला आर्यनगर निवासी विश्व हिंदू परिषद के मेरठ विभाग मंत्री सुधीर अग्रवाल पर आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते के हमले में उनके पैर में चोट आई। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के बाद चिकित्सकों ने उन्हें छुट्टी दे दी। बताया गया कि सुधीर अग्रवाल राधापुरी से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक एक आवारा कुत्ता दौड़कर उनकी ओर आया और उन पर हमला कर दिया। कुत्ते ने उनके पैर में काट लिया। खुद को बचाने के प्रयास में उन्हें चोट भी लगी।

घटना के बाद क्षेत्र में आवारा कुत्तों को लेकर लोगों में भय का माहौल है। सुधीर अग्रवाल ने बताया कि कुत्ता अचानक उनकी ओर दौड़ा, जिससे उन्हें संभलने का मौका नहीं मिला। उन्होंने नगर पालिका से क्षेत्र में घूम रहे आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए अभियान चलाने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मोहल्लों और सड़कों पर कुत्तों के झुंड घूमते रहते हैं। इससे बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों पर हमले का खतरा बना रहता है। लोगों ने बताया कि क्षेत्र में बंदरों का आतंक भी लगातार बढ़ रहा है, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने नगर पालिका से आवारा कुत्तों और बंदरों की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि पालिका की ओर से आवारा कुत्तों का बंध्याकरण कराया जा रहा है। मोहल्ले में टीम भेजकर आवारा कुत्तों को पकड़ने की कार्रवाई की जाएगी।

पुराने वाहनों के खिलाफ एआरटीओ का अभियान, आठ तिपहिया वाहन जब्त कर भेजे स्क्रैप केंद्र

हापुड़ (शिखर समाचार)। परिवहन विभाग और यातायात पुलिस ने सोमवार को बुलंदशहर रोड पर पुराने वाहनों के खिलाफ अभियान चलाकर आठ तिपहिया वाहनों को जब्त किया। मियाद पूरी कर चुके इन वाहनों को नियमानुसार स्क्रैप केंद्र भेज दिया गया। अभियान के दौरान कई दोपहिया वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी रमेश चौबे और यातायात प्रभारी नरेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने बुलंदशहर रोड पर वाहनों की जांच की। इस दौरान डीजल से चलने वाले 10 वर्ष और पेट्रोल से चलने वाले 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों की विशेष रूप से जांच की गई। टीम ने वाहनों के दस्तावेजों के साथ उनकी आयु की भी जांच की। कार्रवाई शुरू होने के बाद कई वाहन चालक वैकल्पिक रास्तों से निकलने का प्रयास करते दिखाई दिए। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी रमेश चौबे ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेश के अनुसार डीजल से चलने वाले 10 वर्ष और पेट्रोल से चलने वाले 15 वर्ष पुराने वाहनों का संचालन प्रतिबंधित है। ऐसे वाहनों के सड़क पर संचालित पाए जाने पर उन्हें जब्त कर स्क्रैप केंद्र भेजने की कार्रवाई की जा रही है। यातायात प्रभारी नरेश कुमार ने बताया कि पुराने और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग के साथ संयुक्त अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा। अधिकारियों ने वाहन चालकों से अपने वाहनों के दस्तावेज और निर्धारित अवधि की जांच कराने की अपील की है।

लोनी में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई, 250 वर्गमीटर जमीन कराई कब्जा मुक्त

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। लोनी तहसील क्षेत्र में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 250 वर्गमीटर भूमि को कब्जा मुक्त कराया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ के निर्देश और संयुक्त मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधिकारी लोनी दीपक सिंघनवाल के निर्देशन में राजस्व विभाग, नगर पालिका परिषद लोनी और पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। प्रशासन के अनुसार ग्राम लोनी चकबंदी बाहर स्थित खसरा संख्या 2118 मि., रकबा 0.8280 हेक्टेयर गौहरा की भूमि पर कल्लू बेग द्वारा कथित रूप से अवैध कब्जा कर निर्माण कराया जा रहा था। सूचना के बाद मौके पर पहुंची संयुक्त टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में अवैध निर्माण को ध्वस्त करा दिया। कार्रवाई के दौरान करीब 250 वर्गमीटर सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया। संयुक्त मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधिकारी लोनी दीपक सिंघनवाल ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर सरकारी भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के लिए कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि तहसील क्षेत्र में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के मामलों में कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। किसी भी स्थिति में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा नहीं होने दिया जाएगा। कार्रवाई के दौरान राजस्व निरीक्षक अफरोज त्यागी, लेखपाल सुजीत कुमार, लेखपाल सरित कुमार, नगर पालिका परिषद लोनी के राजस्व निरीक्षक संत कुमार सहित पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

ट्रेड शो में विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाएं, अतिथियों को बेहतर सुविधाएं दें : जिलाधिकारी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। 25 से 29 सितंबर तक इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में शिक्षण संस्थानों और होटल संचालकों के साथ अलग-अलग बैठकें हुईं। बैठक में विद्यार्थियों, शोधार्थियों और राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय अतिथियों को ट्रेड शो से जोड़ने तथा बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने शिक्षण संस्थानों के पदाधिकारियों से कहा कि विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों के अधिक से अधिक विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को ट्रेड शो का भ्रमण कराया जाए, ताकि वे देश-विदेश से आने वाले उद्योगों, उद्यमियों, नवाचार, तकनीक और नए व्यापारिक अवसरों से परिचित हो सकें। उन्होंने संस्थानों को अपने शैक्षणिक, शोध, नवाचार और उद्यमिता संबंधी उपलब्धियों को भी प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करने के लिए प्रेरित किया। ट्रेड शो के प्रचार के लिए शिक्षण संस्थानों में पर्चे और होर्डिंग लगाने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि उद्योग, शिक्षण संस्थानों और युवाओं के बीच बेहतर समन्वय से रोजगार, उद्यमिता, शोध और नवाचार के नए अवसर विकसित हो सकते हैं। साथ ही स्मार्ट कक्षाओं, स्क्रीन और श्वेतपट का आवश्यकता के अनुसार प्रभावी उपयोग करने पर भी जोर दिया। इसके बाद होटल संचालकों के साथ हुई बैठक में जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अतिथियों, उद्यमियों और निवेशकों को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर आतिथ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। होटल में साफ-सफाई, सुरक्षा, पार्किंग और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था रखने के साथ निर्धारित दरों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। किसी भी अतिथि से निर्धारित दर से अधिक राशि न लेने की स्पष्ट हिदायत दी गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह, उपायुक्त उद्योग पंकज निर्वाण, जिला विद्यालय निरीक्षक चंद्रशेखर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

गणपति के जयकारों से गूंजा हनुमान टीला, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

शामली (शिखर समाचार)। शहर के श्री मंदिर हनुमान टीला हनुमान धाम प्रबंधक समिति के तत्वावधान में गणेश महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर में विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालु गणपति के भजनों पर जमकर झूमे।

मुख्य यजमान राजकुमार गर्ग विजय सिनेमा वाले एवं पूर्व आईजी विजय गर्ग ने सपरिवार पूजा-अर्चना की। पंडित प्रभु शंकर शास्त्री, पंडित देवानंद गौड़ और पंडित अवनीश ने मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न कराई। कार्यक्रम का संचालन उत्तम नामदेव ने किया। भजन गायकों लाल सिंह लचक, दिनेश पाठक, आदेश शर्मा, सुनील अरोड़ा, निशांत पाठक, रवि पाठक, श्रवण मस्ताना, सचिन नामदेव और पंकज नामदेव ने भगवान गणेश के भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण भक्तिमय बना दिया।

भजन संध्या के बाद महाआरती की गई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। गणेश महोत्सव के अवसर पर भगवान गणेश की शोभायात्रा के साथ श्रीरामलीला महोत्सव का ध्वज भी नगर के विभिन्न मार्गों से निकाला गया। शोभायात्रा का जगह-जगह श्रद्धालुओं और व्यापारियों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। श्रीरामलीला मंच के कलाकार भी शोभायात्रा में शामिल रहे।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष सलिल द्विवेदी, महासचिव राजकुमार मित्तल, मनोज मित्तल, अंकित गोयल, रमेश धीमान, शरद द्विवेदी, पुनीत द्विवेदी, धर्मेंद्र कांबोज, लोकेश शर्मा और प्रमोद नामदेव मौजूद रहे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारियों को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। 25 से 29 सितंबर तक इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के चौथे संस्करण की तैयारियों को लेकर सोमवार को इंडिया एक्सपो मार्ट सभागार में समीक्षा बैठक हुई। अपर मुख्य सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग आलोक कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में संबंधित विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो प्रदेश की औद्योगिक, व्यापारिक और उद्यमिता क्षमता को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच है। आयोजन में बड़ी संख्या में उद्यमियों, निवेशकों, खरीदारों और आगंतुकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए उनकी सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने सभी व्यवस्थाओं को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। यातायात और विशिष्ट अतिथियों की आवाजाही के लिए प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग, मार्ग परिवर्तन, दिशा-सूचक संकेतक तथा यातायात दबाव वाले स्थानों को चिन्हित कर कार्ययोजना लागू करने को कहा गया। पर्याप्त पार्किंग और शटल सेवा की व्यवस्था के साथ आयोजन स्थल तक सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सुरक्षा के लिए निगरानी कैमरे, पर्याप्त पुलिस बल और अन्य आवश्यक प्रबंध समय से पूरे करने को कहा गया। आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत, प्रकाश और प्राथमिक उपचार जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ प्रमुख मार्गों, पार्किंग और आयोजन स्थल पर स्पष्ट संकेतक, होर्डिंग और एलईडी प्रदर्शन के माध्यम से दिशा-निर्देशन एवं प्रचार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। व्यापारिक साझेदारी, निवेश, निर्यात और नए बाजारों की संभावनाओं को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया।

जनसुनवाई में पीड़ितों को मिला न्याय, पात्रों को योजनाओं का लाभ दिलाने पर जोर : जिलाधिकारी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़ ने सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई कर विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। इस दौरान भूमि एवं संपत्ति पर अवैध कब्जे, राजस्व विवाद, भूमि संबंधी धोखाधड़ी, अतिक्रमण, पेंशन, राशन कार्ड, जलापूर्ति सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी प्रकरणों का नियमानुसार परीक्षण कर निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाही मिलने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होगी। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि किसी भी समस्या के समाधान में कठिनाई होने पर संबंधित उच्च अधिकारी से संपर्क करें और शिकायत का उचित निस्तारण न होने पर जनसुनवाई में उनसे मिलें।

जनसुनवाई में रीना ने मकान पर कब्जा मिलने की खुशी में जिलाधिकारी का आभार जताते हुए उपस्थित लोगों को काजू कतली खिलाई। वहीं सुरक्षा गार्ड जयपाल ने बताया कि चार माह तक काम करने के बाद कंपनी ने उसकी मजदूरी नहीं दी थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर कुछ ही दिनों में उसे पूरी मजदूरी मिल गई। मोदीनगर निवासी वृद्ध धर्मवीर ने भी अपनी समस्याएं रखीं। जिलाधिकारी ने उनकी पारिवारिक स्थिति जानकर बेटी के विवाह के लिए सरकारी योजना का लाभ दिलाने और उनके अध्ययनरत बेटे को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सहयोग का आश्वासन दिया। इस पर वृद्ध की आंखों में आंसू आ गए और उन्होंने जिलाधिकारी का आभार जताया। जनसुनवाई में एडीएम ई ज्योति मौर्या, सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चंद्र त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

छह साल बाद खुला दिशा सालियन प्रकरण, अब सच की परीक्षा

दिशा सालियन की मौत के छह साल बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा प्राथमिकी दर्ज किए जाने ने एक पुराने और अत्यंत संवेदनशील मामले को फिर देश के राजनीतिक और सामाजिक विमर्श के केंद्र में ला दिया है। 14 सितंबर 2026 का दिन इस मामले में इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अब जांच एक नए संस्थागत स्तर पर पहुंच गई है। बंबई उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद सीबीआई ने दिशा सालियन की मौत के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है और जांच आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्राथमिकी में शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे के साथ डिनो मोरिया, रिया चक्रवर्ती, सूरज पंचोली, पूर्व मुंबई पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह, सचिन वाझे तथा अन्य लोगों के नामों का उल्लेख सामने आया है।

लेकिन इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए सबसे पहली बात यही स्पष्ट होनी चाहिए कि प्राथमिकी में किसी का नाम होना अदालत द्वारा अपराधी ठहराया जाना नहीं है। प्राथमिकी जांच की शुरूआत का दस्तावेज होती है, अंतिम न्यायिक निष्कर्ष नहीं। इसलिए इस मामले में राजनीतिक आरोपों, सामाजिक धारणाओं और मीडिया की अटकलों से अलग रहकर तथ्यों और साक्ष्यों की कसौटी पर आगे बढ़ना ही लोकतांत्रिक व्यवस्था और न्यायपालिका की गरिमा के अनुरूप होगा। बंबई उच्च न्यायालय के आदेश के संदर्भ में भी यही बात महत्वपूर्ण है कि अदालत ने निष्पक्ष जांच का रास्ता खोला है, किसी व्यक्ति को दोषी घोषित नहीं किया है।

दिशा सालियन की मृत्यु 8 जून 2020 को मुंबई में हुई थी। यह घटना इसलिए भी राष्ट्रीय चर्चा में आई क्योंकि कुछ ही दिन बाद अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु हुई। दोनों घटनाओं को लेकर वर्षों से तरह तरह के सवाल और दावे सार्वजनिक होते रहे हैं। मगर किसी भी दो घटनाओं के समय में निकट होने मात्र से उनके बीच आपराधिक संबंध स्थापित नहीं हो जाता। यही वह बिंदु है जहां जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी सबसे अधिक बढ़ जाती है। सीबीआई को यह देखना होगा कि उपलब्ध भौतिक, चिकित्सकीय, डिजिटल और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों में क्या ऐसा कोई तथ्य मौजूद है जो घटनाओं के बीच संबंध स्थापित करता हो या पुराने निष्कर्षों पर पुनर्विचार की आवश्यकता पैदा करता हो। इस मामले का सबसे गंभीर पक्ष यह है कि एक परिवार को अपनी बेटी की मौत के रहस्य के लिए वर्षों तक न्यायिक और प्रशासनिक दरवाजे खटखटाने पड़े। दिशा के पिता सतीश सालियन ने सीबीआई के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया है और उनकी शिकायत के आधार पर अब प्राथमिकी दर्ज हुई है। इससे पहले मुंबई पुलिस के स्तर पर मामला लंबे समय तक आगे नहीं बढ़ पाया। हाल में बंबई उच्च न्यायालय ने मामले की जांच के तरीके और प्राथमिकी दर्ज न होने को लेकर गंभीर सवाल उठाए और सीबीआई जांच का रास्ता खोला। यही सवाल अब केवल दिशा सालियन की मौत तक सीमित नहीं है। यह सवाल देश की जांच व्यवस्था से भी जुड़ता है कि किसी गंभीर और चर्चित मामले में प्रारंभिक जांच के बाद यदि परिवार लगातार संदेह जताता रहे तो उसकी शिकायतों की स्वतंत्र समीक्षा कितनी जल्दी और कितनी गंभीरता से होनी चाहिए। न्याय केवल अदालत में अंतिम फैसला आने का नाम नहीं है। न्याय की पहली शर्त यह भी है कि पीड़ित परिवार को यह भरोसा हो कि उसकी बात निष्पक्ष रूप से सुनी जा रही है और जांच में किसी प्रकार का दबाव, पक्षपात या लापरवाही नहीं है।

~ मौलिक चिंतन ~

जब सबमें ईश्वर है, तो घृणा का स्थान कहां रह जाता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

महंगाई और कर्ज की मार से आम आदमी हलाकान

सनत जैन

भारत में कर्ज और महंगाई की मार से आम आदमी बुरी तरह से परेशान है। इसमें कोई राहत मिलती हुई दिख नहीं रही है। उल्टे महंगा कर्ज और ईएमआई बढ़ने से आम आदमी बहुत परेशान हैं। हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रिसर्च की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कहा गया है महंगाई को देखते हुए रिजर्व बैंक आफ इंडिया आने वाले समय में रेपो रेट और भी बढ़ा सकता है। रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट बढ़ने का असर सबसे ज्यादा आम आदमियों की ईएमआई और कर्ज के रूप में पड़ेगा। आम आदमी के ऊपर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता चला जा रहा है। नियमित खर्चे के लिए उसे कर्ज का सहारा लेना पड़ रहा है। महंगाई हर महीने बढ़ती चली जा रही है। महंगाई पर सरकार का कोई अंकुश नहीं है। लगता है आम आदमी को कारोबारियों के भरोसे छोड़ दिया गया है। बाजार में मुनाफाखोरी लगातार बढ़ती चली जा रही है। स्टेट बैंक की जो रिपोर्ट जारी हुई है, उसके अनुसार जनवरी 2026 तक 22 वस्तुओं तक महंगाई सीमित थी अब वह बढ़कर 53 वस्तुओं पर पहुंच गई है। पेट्रोल, डीजल, गैस, दवाइयां और इलेक्ट्रॉनिक की लागत बढ़ने से इनकी कीमतें भी लगातार बढ़ रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड आइल की कीमत बढ़ने से इसका असर हर क्षेत्र में महंगाई बढ़ने के तौर पर हो रहा है। हाल ही में खाडी देशों के तीनों मार्गो से जहाजों की आवाजाही बंद है। अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। हुती हमले के बाद स्थितियां और भी नाजुक होती चली जा रही हैं। महंगाई, कर्ज और बेरोजगारी के साथ-साथ अब आर्थिक मंदी का संकट भी बड़ी तेजी के साथ गहरा रहा है। इसका असर वैश्विक स्तर पर हो रहा है। भारत में जिस तरह से महंगाई बढ़ती चली जा रही है, सरकार मुनाफाखोरी और महंगाई को रोकने की दिशा में ऐसा कोई प्रयास करती हुई नहीं दिख रही है, जिससे ऐसा लगे कि सरकार को आम आदमी की चिंता है। जिसके कारण अब आम जनता में तनाव भी देखने को मिल रहा है। भारत में पिछले वर्षों में कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बड़ी है। आम आदमी के ऊपर ब्याज और ईएमआई का दबाव लगातार बढ़ता चला जा रहा है, ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक की रेपो रेट को बढ़ाने से इसका असर गरीब और मध्यम वर्ग पर बड़े पैमाने पर होगा। महंगाई के कारण आम आदमी अपने रोजाना के खाने-पीने के खर्च और शिक्षा के खर्चे पूरे नहीं कर पा रहा है। महंगाई के कारण किचन में तेल और जरूरी सामान कम होते चले जा रहे हैं। बच्चों को पोषण आहार भी नहीं मिल पा रहा है।

लोगों को लगता था सरकार महंगाई और मुनाफाखोरी पर नियंत्रण करेगी, लेकिन नियंत्रण के स्थान पर जिस तरह से कीमत बढ़ रही है और ब्याज दर भी बढ़ती चली जा रही है। ईएमआई में डिफॉल्ट होने के कारण एनबीएफसी कंपनियों और बैंकों द्वारा मनमाना ब्याज और जुमार्ना वसूल किया जा रहा है। जिसके कारण आम आदमी की नाराजी लगातार बढ़ती चली जा रही है। सरकार को समय रहते इस दिशा में उपयुक्त कार्रवाई करने की जरूरत है। जिस तरीके से लोग परेशान हैं, महंगाई के कारण रोजाना तनाव मे जीना पड़ रहा है। जरूरी खर्च के लिए अब उसे कर्ज भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार को ठोस कदम उठाने की जरूरत है। महंगाई और मुनाफाखोरी दोनों पर ही समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो हालत बद से बदतर हो सकते हैं। जिस तरह के हालात 1975 में बने थे। इस तरह के हालात अब बनते हुए दिख रहे हैं। जिन्होंने आपातकाल के पहले की महंगाई और मुनाफाखोरी को देखा है। उस समय के लोगों का कहना है, वर्तमान हालात उससे भी खराब हैं। स्थितियां अभी भी नियंत्रण में नहीं है। कच्चे तेल के दाम लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं, कहा जा रहा है कि 120 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच सकते हैं। ऐसी स्थिति में महंगाई को काबू में कर पाना सरकार के लिए और भी मुश्किल होगा। बेरोजगारी और काम नहीं होने के कारण आम आदमी की हालत वैसे ही खराब है। महंगाई ने जीना पूरी तरह से हराम कर दिया है। छोटे बच्चों को अब दूध भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों में गुस्सा बढ़ता चला जा रहा है।

बेटियों के सपनों की राह में अब भय नहीं सुरक्षा और सम्मान का भरोसा

कांतिलाल मांडोत

महिलाओं की सुरक्षा किसी भी सभ्य और विकसित समाज की पहली पहचान होती है। जिस समाज में बेटी बिना भय के विद्यालय जा सके, युवती अपने सपनों को पूरा करने के लिए घर से बाहर निकल सके और कामकाजी महिला देर तक अपने कार्यस्थल पर रहकर भी सुरक्षित घर लौट सके, वही समाज वास्तविक अर्थों में प्रगति की ओर बढ़ता है। वाराणसी के पिंडरा में आयोजित कामकाजी महिला सम्मान समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर दिया गया संदेश इसी व्यापक सोच को सामने रखता है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए जेल या जहन्नुम, दो ही जगह हैं। यह केवल राजनीतिक भाषण का हिस्सा नहीं, बल्कि महिलाओं के प्रति अपराध के विरुद्ध सरकार की कठोर नीति का संकेत भी है।

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में महिलाओं की सुरक्षा हमेशा बड़ी चुनौती रही है। आबादी का बड़ा हिस्सा गांवों और कस्बों में रहता है, जहां बेटियों की शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी कई बार सामाजिक सोच और सुरक्षा की चिंता से प्रभावित होती है। लंबे समय तक परिवारों के सामने यह प्रश्न रहा कि बेटी को पढ़ने के लिए दूर भेजें या नहीं, उसे प्रशिक्षण दिलाएं या नहीं, नौकरी करने दें या नहीं। योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में इसी मनोवैज्ञानिक भय को रेखांकित किया। उनका कहना था कि जब परिवार को बेटी की सुरक्षा का भरोसा नहीं होता तो सबसे पहले उसके सपनों पर रोक लगती है।

महिला सुरक्षा का अर्थ केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ ऐसा वातावरण बनाना है, जिसमें अपराध करने की मानसिकता पैदा होने से पहले ही कानून का भय दिखाई दे। छेड़छाड़, पीछा करना, महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार, घरेलू हिंसा, दुष्कर्म और अन्य अपराधों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई तभी सार्थक होती है, जब पीड़िता को शिकायत करने में संकोच न हो और उसे यह विश्वास हो कि व्यवस्था उसके साथ खड़ी है। कठोर कानून के साथ संवेदनशील पुलिस व्यवस्था, त्वरित सुनवाई और पीड़ित महिला को सामाजिक तथा कानूनी सहायता भी सुरक्षा के इसी तंत्र का हिस्सा हैं।

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर पिछले वर्षों में जिस बदलाव की चर्चा होती रही है, उसका एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अपराध और अपराधी के बीच फर्क करते हुए संगठित अपराध तथा माफिया तंत्र के खिलाफ कठोर कार्रवाई को शासन की प्राथमिकता बनाया गया। मुख्यमंत्री ने वाराणसी में कहा कि सरकार वोट बैंक के लिए किसी माफिया के सामने नहीं झुकती। राजनीति से अलग हटकर देखा जाए तो कानून का शासन तभी मजबूत होता है जब अपराधी की पहचान उसके प्रभाव, धन या राजनीतिक पहुंच से नहीं, बल्कि उसके कृत्य से तय हो। महिलाओं के मामले में यह और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि प्रभावशाली अपराधी के खिलाफ कार्रवाई का अभाव समाज में भय और अपराधी के मन में दुस्साहस पैदा करता है।

महिलाओं की सुरक्षा को केवल पुलिस और कानून व्यवस्था का विषय मानना भी अधूरा दृष्टिकोण होगा। सुरक्षा का संबंध महिला के पूरे जीवन से जुड़ा है। घर में शौचालय की सुविधा से लेकर विद्यालय तक सुरक्षित पहुंच, सार्वजनिक परिवहन से लेकर कार्यस्थल तक सुरक्षित वातावरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता से लेकर सरकारी योजनाओं तक आसान पहुंच, ये सभी महिला सशक्तीकरण के आधार हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से पहले की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए बताया कि परिवारों को बेटी की सुरक्षा, घर में शौचालय, इलाज के खर्च और आमदनी जैसी अनेक चिंताएं परेशान करती थीं। आज महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए ऐसी मूलभूत समस्याओं को दूर करना भी सुरक्षा के व्यापक अर्थ में शामिल किया जाना चाहिए।

बेटी की सुरक्षा का सबसे बड़ा परिणाम उसके सपनों की स्वतंत्रता में दिखाई देता है। यदि एक लड़की को यह भरोसा हो कि विद्यालय, महाविद्यालय, प्रशिक्षण केंद्र या नौकरी तक जाने के रास्ते में उसके साथ कानून खड़ा है तो उसके आत्मविश्वास में स्वाभाविक वृद्धि होती है। यही आत्मविश्वास आगे चलकर शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता में भागीदारी बढ़ाता है। इसलिए महिला सुरक्षा को केवल अपराध के आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस बात से भी मापा जाना चाहिए कि कितनी बेटियां बिना भय के अपनी पसंद की शिक्षा और रोजगार चुन पा रही हैं।

कामकाजी महिलाओं के सम्मान समारोह का संदेश भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। महिला जब परिवार की जिम्मेदारियों के साथ आर्थिक गतिविधियों में भाग लेती है तो वह केवल अपनी आय नहीं बढ़ाती, बल्कि परिवार और समाज की आर्थिक क्षमता को मजबूत करती है। ग्रामीण क्षेत्र की महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़कर रोजगार शुरू करे, खेत और पशुपालन से आय बढ़ाए, छोटे व्यवसाय का संचालन करे या शहर में नौकरी करे, प्रत्येक स्थिति में सुरक्षित वातावरण उसकी सफलता की अनिवार्य शर्त है। महिला को अवसर देना और अवसर तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करना, दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

वाराणसी में राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारंभ का प्रसंग भी महिला और बेटी के प्रश्न को एक दूसरे आयाम से जोड़ता है। पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षा को अलग-अलग विषय समझना उचित नहीं है। कुपोषण से जूझती किशोरी, स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित गर्भवती महिला या आर्थिक कठिनाइयों से परेशान परिवार की बेटी के सपनों की राह स्वाभाविक रूप से कठिन हो जाती है। इसलिए महिला सशक्तीकरण की नीति में पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता को एक साथ देखना आवश्यक है।

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को देश में अग्रणी राज्यों में पहुंचाने की चर्चा के बीच महिला भागीदारी को भी केंद्र में रखना होगा। किसी प्रदेश की आर्थिक ताकत केवल उद्योगों और निवेश से नहीं बढ़ती, बल्कि तब बढ़ती है जब उसकी आधी आबादी शिक्षा, रोजगार और उद्यम के क्षेत्र में पूरी क्षमता से योगदान देती है। महिला सुरक्षित होगी तो वह घर की चारदीवारी से बाहर निकलेगी, शिक्षा हासिल करेगी, रोजगार चुनेगी और आर्थिक निर्णयों में अपनी भूमिका बढ़ाएगी। इसलिए महिला सुरक्षा वास्तव में आर्थिक विकास की बुनियादी शर्त भी है।

मुख्यमंत्री का यह संदेश कि अपराधियों को कठोर परिणाम भुगतना होगा, समाज के लिए तभी प्रभावी बनेगा जब इसके साथ महिलाओं में विश्वास भी लगातार मजबूत किया जाए। कानून का भय अपराधी के लिए और व्यवस्था पर भरोसा पीड़िता के लिए, दोनों समान रूप से जरूरी हैं। बेटियों को यह महसूस होना चाहिए कि शिकायत करने पर उनकी आवाज सुनी जाएगी और महिलाओं को यह विश्वास होना चाहिए कि सार्वजनिक स्थान उनका भी उतना ही अधिकार है जितना किसी अन्य नागरिक का।

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदमों की वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी, जब किसी पिता को बेटी को स्कूल भेजते समय भय न हो, किसी मां को काम से लौटती बेटी की चिंता न सताए और किसी युवती को अपने करियर का चुनाव सुरक्षा के सवाल से समझौता करके न करना पड़े। सरकार की योजनाओं का अंतिम उद्देश्य भी यही होना चाहिए कि सुरक्षा कागज पर दर्ज व्यवस्था न रहकर आम महिला के जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव बने। महिलाओं की सुरक्षा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वाराणसी में दिया गया संदेश इसी व्यापक परिवर्तन की ओर संकेत करता है। अपराधी के लिए कठोरता और महिला के लिए सम्मान, दोनों साथ चलें तो कानून व्यवस्था का अर्थ सार्थक होता है। बेटियों के सपनों पर पहरा नहीं, उन्हें उड़ान देने वाला वातावरण चाहिए। जब प्रदेश की बेटियां बिना भय के पढ़ेंगी, काम करेंगी, आगे बढ़ेंगी और अपने निर्णय स्वयं लेने का आत्मविश्वास हासिल करेंगी, तभी विकास की तस्वीर पूरी होगी। महिला सुरक्षा इसलिए केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक प्रतिबद्धता है।

शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस

ललित गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस हमें इसी आत्ममंथन का अवसर देता है। आज आवश्यकता केवल लोकतंत्र को बचाने की नहीं, बल्कि उसे अधिक मानवीय, अधिक सहभागी, अधिक पारदर्शी और अधिक जवाबदेह बनाने की है। मानवाधिकार उसकी बुनियाद हैं, जनभागीदारी उसकी शक्ति है, संवाद उसकी आत्मा है और जवाबदेही उसकी सुरक्षा-कवच।

लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए ह्लमानवाधिकारों को केंद्र में लाएंह्व को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा।

आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है।

आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक ध्रूवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- ह्लमेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता हैह्व गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता।

विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्ललोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका हैह्व यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है-सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण। जहाँ सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा, क्रांति या रक्तपात की आवश्यकता नहीं पड़ती और मतदाता अपनी इच्छा से सरकार बदल सकता है, वहाँ लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज आवश्यक हैं।

आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है। तकनीक लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बना सकती है। सरकारी योजनाओं की निगरानी, नागरिक शिकायतों के समाधान, नीति-निर्माण में आंकड़ों के उपयोग और जनता की राय को शासन तक पहुंचाने में एआई उपयोगी हो सकता है। लेकिन यही तकनीक गलत सूचना, डीपफेक, लक्षित दुष्प्रचार, हेट स्पीच और जनमत को प्रभावित करने का माध्यम भी बन सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई की इन संभावनाओं और जोखिमों के बीच संतुलन तथा उसके जिम्मेदार शासन की आवश्यकता पर बल दिया है। इसलिए लोकतंत्र का डिजिटल भविष्य केवल तकनीकी क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि तकनीक के पीछे मानवीय विवेक कितना मजबूत है। एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, लोकतांत्रिक विवेक का सहायक होना चाहिए। तकनीक नागरिक को नियंत्रित करने का उपकरण नहीं, नागरिक को सशक्त करने का माध्यम बने-यही लोकतांत्रिक तकनीकी संस्कृति की कसौटी होनी चाहिए।

लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। जब असहमति को दबाया जाता है, तब लोकतंत्र का संवाद समाप्त होता है और उसके स्थान पर भय जन्म लेता है। इसीलिए लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों में भी आंतरिक लोकतंत्र जरूरी है। जो राजनीतिक संगठन अपने भीतर विचार-विमर्श, पारदर्शिता और नेतृत्व परिवर्तन की स्वस्थ परंपरा नहीं रखते, वे व्यापक समाज में लोकतांत्रिक संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं? लोकतंत्र की शुरूआत संसद से पहले राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के भीतर होनी चाहिए। साथ ही लोकतंत्र को केवल राष्ट्रीय सत्ता तक सीमित रखना भी उचित नहीं। पंचायत, नगर निकाय और स्थानीय संस्थाएं लोकतंत्र की वास्तविक पाठशाला हैं। जिस लोकतंत्र में गांव का नागरिक अपने स्थानीय निर्णयों में सहभागी नहीं है, उसमें लोकतंत्र का विकेंद्रीकरण अधूरा है। गांधी का ग्राम स्वराज इसी व्यापक लोकतांत्रिक दृष्टि का प्रतीक था-सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की ओर हो।

लोकतंत्र की सफलता के लिए नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अधिकारों के साथ कर्तव्य जुड़े हैं। मतदान करना ही नागरिकता की पूर्ण जिम्मेदारी नहीं है। सही सूचना प्राप्त करना, संविधान और कानून का सम्मान करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना और गलत नीतियों के विरुद्ध शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना भी नागरिक धर्म है। अंततः लोकतंत्र कोई तैयार होकर मिल जाने वाली व्यवस्था नहीं, बल्कि निरंतर साधना है। उसे हर पीढ़ी को अपने आचरण, संस्थाओं और सार्वजनिक जीवन के माध्यम से मजबूत करना पड़ता है। लोकतंत्र तभी सार्थक है जब सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह हो, संस्थाएं स्वतंत्र हों, मानवाधिकार सुरक्षित हों, कमजोर को न्याय मिले, असहमति का सम्मान हो और नागरिकों को यह विश्वास हो कि शासन वास्तव में उनके कल्याण के लिए है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विविधता और जनभागीदारी का अद्भुत उदाहरण है। विशाल जनसंख्या, भाषाई-सांस्कृतिक विविधता और अनेक राजनीतिक विचारधाराओं के बावजूद भारत ने संविधान, सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार और स्वतंत्र निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था को निरंतर मजबूत किया है। सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण, स्वतंत्र न्यायपालिका, जीवंत संसद, सक्रिय मीडिया और मजबूत नागरिक समाज इसकी लोकतांत्रिक शक्ति के प्रमुख आधार हैं। भारत का लोकतंत्र यह संदेश देता है कि विविधता विभाजन नहीं, शक्ति बन सकती है। इसकी वास्तविक मजबूती तभी कायम रहेगी, जब नागरिक अधिकारों के साथ कर्तव्य, सहिष्णुता, संवाद, पारदर्शिता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था को भी सर्वोच्च महत्व दिया जाए।

शॉपिंग के दौरान बचाने हैं पैसे तो फॉलो करें ये आसान टिप्स

शॉपिंग के दौरान अक्सर लोग अपने तय बजट से ज्यादा खर्च कर देते हैं, जो उनके बजट पर बुरा असर डालता है। इस स्थिति में उनके लिए महीने को मैनेज करना बड़ा टास्क बन जाता है। आपके साथ ऐसा न हो इसके लिए हम लाए हैं कुछ बेहद काम के टिप्स।

बनाएं लिस्ट

सबसे पहले तो इसकी लिस्ट बनाएं कि आपको क्या लेना है। लिस्ट का तरीका सिर्फ किराना लाने के लिए बल्कि कपड़ों आदि की शॉपिंग के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस आपको अपने कपड़ों को एक बार अच्छे से देखना है और यह लिखना है कि आपके पास क्या नहीं है या किस तरह के कपड़ों की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है। यह फिल्टर उन चीजों पर बिना मतलब के खर्चे से बचने में मदद करेगा।

कैरी करें सिर्फ कैश

लोग डिजिटल पैमेंट की ओर जा रहे हैं और हम कैश कैरी करें जी हां, अगर आपको अपने बजट में रहते हुए शॉपिंग करना है तो इससे अच्छा और कोई तरीका नहीं हो सकता। जब खर्च करने के लिए एक्सट्रा पैसे ही नहीं होंगे तो भला आप दूसरी चीजों पर खर्च ही कैसे कर सकेंगे और यही चीज आपको फालतू के खर्चों से बचा लेगी।

एक जगह न अटकें

चाहे कपड़े लेने हों या फिर किराना, किसी एक जगह न अटकें और दूसरी जगहों पर भी इन चीजों को देखे। उदाहरण के लिए कपड़ों पर एक जगह जो जींस आपको 4000 की मिल रही है, वैसी ही जींस दूसरी जगह डिस्काउंट के साथ मिल सकती है या फिर दूसरे ब्रैंड में कम कीमत पर खरीदी जा सकती है। इसी तरह मान लीजिए अगर एक ब्रैंड का लोशन 340 रुपये का मिल रहा है तो हो सकता है दूसरे ब्रैंड के लोशन पर इसी कीमत में एक के साथ एक फ्री मिल रहा है। इसलिए जितना हो सके पहले एक्सप्लोर जरूर करें।

बोरियत में कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं

बोरियत होने पर गेम्स खेलें, मूवी देखें, कुकिंग करें कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं। सबसे खतरनाक होती है इमोशनल शॉपिंग जो सबसे ज्यादा बिना मतलब का खर्चा करवाती है। इस तरह की शॉपिंग का एक और नुकसान यह भी होता है कि इस दौरान ली गईं ज्यादातर चीजें ऐसी होती है जिनका आप कभी यूज भी नहीं करेंगे।

ऑनलाइन देखें ऑप्शन्स

आजकल ज्यादातर ब्रैंड्स की वेबसाइट्स भी होती हैं जहां से कपड़ों को ऑनलाइन ऑर्डर किया जा सकता है। इन वेबसाइट्स पर अच्छा खासा डिस्काउंट भी उपलब्ध होता है। ऐसे में आप चाहे तो स्टोर में कपड़ों को ट्राई कर सकती हैं और सही साइज मिल जाने पर उसे ऑनलाइन सर्च करें। अगर वहां ये सस्ते में मिल रहे हैं तो फिर वेबसाइट से ही इसे ऑर्डर करें।

शॉपिंग पार्टनर भी है अहम

हमें यकीन है आप में से कई लोगों ने कभी इस बात को सोचा भी नहीं होगा, लेकिन आपकी फिजूलखर्ची के लिए आपके साथ शॉपिंग पर गया शख्स भी जिम्मेदार हो सकता है। अगर वह आपको बार-बार नई चीज दिखाए और कहे कि आप इसे ले लें क्योंकि यह अच्छा लगेगा, या फिर डिस्काउंट के चक्कर में ज्यादा चीजें लेने की सलाह दे तो बेहतर है कि अगली बार आप उसके साथ न जाएं। शॉपिंग पर ऐसे शख्स के साथ जाएं जो आपको फिजूलखर्ची से रोके और आपको जो लेना है उसकी ओर ध्यान केंद्रित करवाए।

जा रहे हैं सब्जी लेने तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

सब्जी खरीदने की बात आती है तो ज्यादातर लोग बस दाम पर ही ध्यान देते हैं, लेकिन सिर्फ प्राइस कम हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि यह फायदे का सौदा है। बल्कि आपको इन्हें खरीदने के दौरान ऐसी कई चीजों का ध्यान रखना चाहिए जो सब्जी की मौजूदा क्वॉलिटी और वह कितनी जल्दी खराब हो जाएगी यह तय करते हैं।

सब्जी न हो कहीं से डैमेज

सब्जी जब लें तो उसे चारों ओर से पलटकर ध्यान से जरूर देखें। अगर उसमें जरा सा भी छेद या कट दिखाई देता है तो उसे न लें। ऐसी सब्जियों में कीड़े होने के चांस ज्यादा रहते हैं। वहीं अगर जो सब्जियां किसी हिस्से से दबी हुई हों खासतौर से टमाटर जैसी चीज तो इनके जल्दी खराब होने का डर रहता है।

हल्का सा दबाकर देखें

टमाटर हो, प्याज हो, आलू हो, गाजर हो या कोई अन्य सब्जी, उसे दबाकर जरूर देखें। हल्के से दबाव से ही पता चल जाता है कि कहीं वह सब्जी अंदर से खराब तो नहीं है। हालांकि, पत्तेदार सब्जियों पर यह तरीका काम नहीं करता है।

जब बात आए पत्तेदार सब्जियों की

पत्तेदार सब्जियों में इतने वैरायटी होती है कि सभी पर एक तरीका काम नहीं करता है। हालांकि, कुछ कॉमन बातें हैं जिनका इन्हें लेने के दौरान ध्यान रखना जरूरी है। ध्यान में रखें कि ऐसी पत्तेदार सब्जी न लें जो पानी में बहुत ज्यादा भीगी हो, इनके जल्दी खराब होने के डर रहता है। पालक, लाल भाजी जैसी सब्जियों को लेते वक्त एक-एक पत्ते को ध्यान से देख लें क्योंकि इनके बीच में कीड़े हो सकते हैं। पत्ते पीले या बड़े हों तो उन्हें न लें क्योंकि उनमें स्वाद कम होता है।

सूंघकर देखें

मार्केट में पैक्ड मशरूम, कॉर्न्स, स्प्राउट्स जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें जब लें तो पैकेट को नाक से थोड़ी दूर पर रखते हुए उन्हें सूंघें। अगर वे पुराने होंगे तो उनकी स्मेल बदल चुकी होगी। ऐसे पैकेट्स को न लें, नहीं तो बीमार हो सकते हैं।

उतना ही लें जितना इस्तेमाल हो जाए

कई ऐसी सब्जियां होती हैं जिन्हें सिर्फ उतना ही लेना चाहिए जितना आप इस्तेमाल कर पाएं। फ्रिज में भी ये सब्जियां ज्यादा दिन टिक नहीं पाती हैं। उदाहरण के लिए धनिया और टमाटर। ये दोनों ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप ज्यादा ले तो लें लेकिन अगर ये सिर्फ फ्रिज में ही रखी हैं तो तीन-चार दिन में ही ये खराब होना शुरू कर देंगीं।

बेड के लिए परफेक्ट चादर खरीदने में काम आएंगी ये टिप्स

क्या आप मार्केट में नई बेडशीट लेने जाने के बारे में सोच रहे हैं अगर हां तो बेहतर होगा कि आप पहले नीचे दी गई जानकारी पढ़ें लें, ऐसा करने पर शायद आप ज्यादा बेहतर चादर का सिलेक्शन कर सकेंगे।

लोग आमतौर पर बेड के गद्दों को लेने से पहले पूरी जानकारी इकट्ठा कर लेते हैं लेकिन जब बात आती है चादर की तो वे इस मामले को हल्के में ले लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अच्छी नींद के लिए जितना जरूरी अच्छा गद्दा है उतनी ही जरूरी चादर भी है। आप अपने बेड के लिए कैसे सही चादर चुन सकते हैं इसमें नीचे दिए टिप्स आपके काफी काम आ सकते हैं। फैब्रिक का रखें ध्यानसबसे बड़ी और पहली बात होती है फैब्रिक का सही सिलेक्शन करना। यह इसलिए जरूरी होता है कि क्योंकि बेडशीट का कपड़ा आपके शरीर के संपर्क में आएगा इसलिए चादर का सिर्फ सुंदर होना नहीं बल्कि कंफर्टेबल होना भी जरूरी है। इस लिहाज से कॉटन की चादर बेस्ट फिट कही जा सकती है। कॉटन न सिर्फ स्किन के अगेंस्ट कंफर्टेबल रहता है बल्कि यह ब्रिदेबल फैब्रिक भी माना जाता है, जो नमी इकट्ठा नहीं करता।

साइज

बस यूं ही चादर लेने न निकल पड़ें। आपका बेड कितने साइज का है और आपको साइड में कितनी चादर छोड़नी है इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए बेडशीट सिलेक्ट करें। आमतौर पर अगर आप मार्केट से चादर लेते हैं तो पैकेट पर ही साइज लिखा होता है, जो आपके काम को आसान कर सकता है। हालांकि, अगर आप बिना पैकेट वाली चादर लेते हैं तो नाप का ध्यान जरूर रखें।

वाइट- कलरफुल चादर

वाइट कलर की खासियत होती है कि यह शांत करने में मदद करता है। यही इफेक्ट सफेद चादर भी क्रिएट करती है। यह ज्यादा रिलैक्सिंग फीलिंग के साथ ही मूड को शांत करने में मदद करती है। वहीं कलरफुल चादर रूम में चियरफुल फील क्रिएट करती है। बात करें स्ट्राइप चादर की तो यह रूम को व्यवस्थित दिखाने में मदद करती है।

रिटर्न पॉलिसी

जी हां, इस बात को भूलकर भी इग्नोर न करें। कई बार होता है कि चादर लेने के बाद एक ही वॉश में सारे कलर उड़ जाते हैं। अच्छी कंपनीज अपने ग्राहकों को ऐसी स्थिति में चादर रिटर्न करने का भी ऑप्शन देती है क्योंकि यह क्वॉलिटी में खरे न उतरने वाली बात है। ऐसे में अगर आप ऐसी कंपनी की चादर ले लें जिसमें ऐसी रिटर्न पॉलिसी न हो तब तो आपकी चादर बस एक ही बार बिछाई जा सकेगी।

कैंसर से आंखों की दवा तक, ल्यूपिन का बड़ा दांव!

बायोसिमिलर कारोबार के लिए 700 करोड़ रुपए निवेश करेगी कंपनी

नई दिल्ली ।

फार्मा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी ल्यूपिन बायोसिमिलर खंड में अपनी स्थिति मजबूत करने और वैश्विक बाजारों में अपना विस्तार करने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य अगले पांच साल के भीतर बायोसिमिलर उत्पादों से लगभग 50 करोड़ डॉलर (लगभग 4,150 करोड़ रुपए) का कुल कारोबार हासिल करना है। यह जानकारी कंपनी के कार्यकारी निदेशक ने दी। ल्यूपिन ने अमेरिका में कैंसर की दवा पेगफिल्ग्रास्टिम का बायोसिमिलर दिसंबर 2025 तक लॉन्च करने के लिए यूएसएफडीए से पहली मंजूरी प्राप्त कर ली है। आंखों की दवा रैनिबिजुमैब को भी अमेरिका, यूरोप और जापान जैसे प्रमुख बाजारों में पेश किया जाएगा। स्वामीनाथन ने बताया कि ल्यूपिन भारत में कैंसर की दवाओं निवोलुमैब, डिनुजुमैब और पर्टुजुमैब के बायोसिमिलर लाने की योजना बना रही है। कंपनी पहले से ही यूरोप और जापान में साझेदारी के माध्यम से ऑटोइम्यून संबंधी बीमारी की दवा एटैनरसेप्ट के बायोसिमिलर जैसे उत्पाद बेच रही है। इस विस्तार के लिए, ल्यूपिन ने अब तक बायोसिमिलर उत्पादन क्षमता में लगभग 500 करोड़ रुपये का निवेश किया है और इसे बढ़ाकर लगभग 700 करोड़ रुपये करने की योजना है।

केईसी इंटरनेशनल को 1303 करोड़ के नए वैश्विक ठेके मिले

टीएंडडी कारोबार को भारत, पश्चिम एशिया और अमेरिका में मिलीं महत्वपूर्ण परियोजनाएं

नई दिल्ली (ईएमएस)। आरपीजी समूह की अग्रणी कंपनी केईसी इंटरनेशनल ने सोमवार को विभिन्न कारोबारों में 1,303 करोड़ रुपये के नए ठेके हासिल करने की घोषणा की। ये ठेके पारेषण एवं वितरण (टीएंडडी) और केबल व कंडक्टर क्षेत्रों में कंपनी की वैश्विक उपस्थिति को और सुदृढ़ करते हैं। कंपनी के बयान के अनुसार टीएंडडी कारोबार को भारत में एक निजी जलविद्युत संयंत्र की बिजली निकासी के लिए 400 किलोवाट की पारेषण लाइन, सऊदी अरब में 380 किलोवाट की पारेषण लाइन तथा अमेरिका में टावर, हार्डवेयर एवं पोल की आपूर्ति के ठेके मिले हैं। वहीं, केबल एवं कंडक्टर कारोबार ने भी घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कई अनुबंध प्राप्त किए हैं।

केईसी इंटरनेशनल के एक अे धिकारी ने कहा कि ये ठेके पश्चिम एशिया में कंपनी की मौजूदगी को मजबूत करते हैं और टीएंडडी कारोबार की संभावनाएं प्रबल बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि इन नवीनतम ठेकों से चालू वित्त वर्ष में अब तक कुल ऑर्डर 7,600 करोड़ रुपये से अधिक हो गए हैं, जो कंपनी की लक्षित वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। आरपीजी समूह की प्रमुख इकाई केईसी इंटरनेशनल, वैश्विक स्तर पर 110 से अधिक देशों में बुनियादी ढांचा क्षेत्र की इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) सेवाओं में अग्रणी है।

छोटे शहरों पर सिट्रोन की नजर

5 साल में बिक्री का 75 फीसदी यहीं से लाने का लक्ष्य

नई दिल्ले ली (ईएमएस)। सिट्रोन भारत में अपनी बिक्री का बड़ा हिस्सा अब छोटे और मझोले शहरों से लाने की तैयारी में है। अगले पांच साल में कंपनी की कुल बिक्री का तीन-चौथाई इन शहरों से आने का अनुमान है, जो अभी 55 प्रतिशत है। स्टेलंटिस इंडिया के एक अे धिकारी ने बताया कि बाजार का रुझान इन्हीं शहरों की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि भारत में कार खरीदने वाले ग्राहकों की बड़ी संख्या अब छोटे और मझोले शहरों की ओर बढ़ रही है, जिसके मद्देनजर सिट्रोन अपनी रणनीति बदल रही है। स्टेलंटिस के दूसरे ब्रांड जीप का फोकस मेट्रो शहरों पर बना रहेगा। सिट्रोन देश भर में एक जैसा डीलरशिप मॉडल अपनाने की बजाय, हर बाजार की क्षमता के अनुसार खुदरा नेटवर्क तैयार करेगी। कंपनी का लक्ष्य सिर्फ आउटलेट की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि ग्राहकों तक अपनी पहुंच 60 फीसदी से बढ़ाकर 75 फीसदी तक ले जाना है। इसके लिए छोटे शहरों में एक-कार शोरूम और छोटी सर्विस सुविधाओं जैसे लचीले मॉडल अपनाए जाएंगे, जिन्हें मांग के अनुसार बढ़ाया जा सकेगा।

यह विस्तार ऐसे समय हो रहा है जब चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में सिट्रोन की बिक्री में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। हालांकि, यह पिछले वित्त वर्ष की उच्च वृद्धि (60 फीसदी से कम) से कम होगी, जिसका कारण पिछले साल सितंबर में वाहनों पर जीएसटी कटौती के बाद बनी उच्च आधार प्रभाव है। हजेला ने कहा कि सिट्रोन की बिक्री वाहन अपग्रेड के कारण अच्छी रही है, जबकि स्टेलंटिस का दूसरा ब्रांड जीप उतना बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाया है।

गणेश चतुर्थी पर शेयर बाजार बंद, कमोडिटी में शाम से कारोबार

धार्मिक पर्व के चलते इक्विटी और डेरिवेटिव्स मार्केट में पूरे दिन छुट्टी रहेगी

मुंबई ।

देशभर में 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी का पावन पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस धार्मिक महत्व के दिन के चलते भारतीय शेयर बाजार सोमवार को पूरे दिन बंद रहेंगे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स सहित सभी सेगमेंट में कारोबार नहीं होगा, जिससे निवेशकों को मंगलवार तक इंतजार करना होगा। शेयर बाजार में गणेश चतुर्थी के कारण ट्रेडिंग पूरी तरह से बंद रहेगी, जिसका अर्थ है कि निवेशक इक्विटी शेयरों की खरीद या बिक्री नहीं कर पाएंगे। उन्हें अगले कारोबारी दिन यानी मंगलवार, 15 सितंबर का इंतजार करना होगा। यह छुट्टी शेयर बाजार के हॉलिडे कैलेंडर में शामिल है। हालांकि, कमोडिटी मार्केट (एमसीएक्स) में नियम थोड़े अलग हैं। यहां सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक कारोबार बंद रहेगा, लेकिन शाम के सेशन में ट्रेडिंग फिर से शुरू हो जाएगी, जो सामान्य तौर पर रात 11=30 बजे तक चलेगी। यह छुट्टी ऐसे समय में आई है जब शेयर बाजार पिछले हफ्ते लगातार पांचवें दिन गिरावट के साथ बंद हुआ था। कच्चे तेल की कीमतें, बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और अमेरिकी महंगाई जैसी चिंताओं ने निवेशकों का मूड खराब किया। पिछले हफ्ते सेंसेक्स 2.27 फीसदी और निफ्टी 2.09 फीसदी गिरा था। मंगलवार को बाजार खुलने पर निवेशकों की नजर वैश्विक संकेतों, कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी महंगाई से जुड़े अपडेट्स पर रहेगी। इस वर्ष की अन्य प्रमुख शेयर बाजार छुट्टियों में 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) और 10 नवंबर (दिवाली-बलिप्रतिपदा) भी शामिल हैं।

एनपीपीए का फैसला- 20 महत्वपूर्ण दवाओं की बिक्री पर लगेगी रोक

- मांग में कमी और कच्चे माल की किल्लत का हवाला देकर कंपनियों ने मांगी अनुमति

नई दिल्ली ।

नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 20 शेड्यूल्ड दवाओं की बिक्री बंद करने की अर्जी को मंजूरी दे दी है। फार्मा कंपनियों ने मांग में भारी कमी और कच्चे माल की किल्लत का हवाला देते हुए यह अनुमति मांगी थी, जिसके बाद कैंसर, अल्जाइमर, हाई ब्लड प्रेशर सहित कई गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की उपलब्धता प्रभावित होगी। एनपीपीए के इस फैसले से अल्जाइमर की सिप्ला निर्मित डोनेपेज़िल (5 एमजी और 10 एमजी) और हाई ब्लड प्रेशर व हृदय रोगों में एमक्योर फार्मा की रैमिप्रिल (2.5 एमजी और 5 एमजी) जैसी महत्वपूर्ण दवाएं बाजार से हट जाएंगी। बंद की जा रही 20 दवाओं की इस सूची में कैंसर के इलाज में काम आने वाली कार्बोप्लाटिन (दो पोटेंसी), टेमोज़ोलोमाइड और ज़ोलेड्रोनिक एसिड भी शामिल हैं। इसके अलावा, दर्द निवारक ट्रामाडोल, यूरिनरी इन्फेक्शन की नाइट्रोफ्यूरेंटोइन और बांझपन से संबंधित क्लोमीफीन जैसी दवाएं भी अब उपलब्ध नहीं होंगी। इस सूची में सबसे अधिक दवाएं एमक्योर और सिप्ला की हैं, जिनमें सिप्ला की 4 तथा एमएसडी फार्मा की 2 दवाएं शामिल हैं। यह निर्णय मरीजों के लिए बड़ी चुनौती खड़ा कर सकता है।

मारुति सुजुकी ने भारत से जापान को किया 1 लाख वाहनों का निर्यात

जिम्नी, फ्रॉन्क्स और ई-विटारा ने जापान के जटिल बाजार में बनाया मुकाम

मुंबई । मारुति सुजुकी इंडिया ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जहां उसने भारत में निर्मित पांच-दरवाजे वाली जिम्नी, फ्रॉन्क्स और आगामी ई-विटारा का जापान को कुल निर्यात एक लाख इकाई के पार पहुंचा दिया है। दुनिया के सबसे उन्नत और प्रतिस्पर्धी वाहन बाजारों में से एक जापान में यह सफलता भारत की बढ़ती विनिर्माण क्षमता को दर्शाती है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने घोषणा की है कि अगस्त 2024 में फ्रॉन्क्स, दिसंबर 2024 में पांच-दरवाजे वाली जिम्नी और सितंबर 2025 में कंपनी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा का निर्यात जापान को शुरू किया गया था। यह मील का पत्थर सुजुकी के लिए भारत की वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में भूमिका को मजबूत करता है, खासकर क्योंकि पांच-दरवाजे वाली जिम्नी और ई-विटारा का विनिर्माण विशेष रूप से भारत में ही किया जाता है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा` कि जापान को एक लाख से अधिक वाहनों का यह निर्यात भारत की विनिर्माण उत्कृष्टता की सशक्त पुष्टि है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जापान दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण बाजारों में से एक है। भारत में बने वाहनों को मिल रही व्यापक स्वीकार्यता के चलते, वित्त वर्ष 2025-26 में जापान मारुति सुजुकी का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में भी जापान ने यह स्थान बरकरार रखा है। इन मॉडलों की सफलता ने पिछले वित्त वर्ष में सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन को जापान में सबसे बड़ा वाहन आयातक बनने में भी मदद की, जहां उसके कुल आयात में मारुति सुजुकी द्वारा निर्मित वाहनों की हिस्सेदारी लगभग 100 प्रतिशत रही। यह भारत-जापान साझेदारी की उल्लेखनीय प्रगति का भी प्रतीक है।

आईपीओ का बंपर हफ्ता, शेयर बाजार में उतरेंगी 11 नई कंपनियां

16 से 21 सितंबर के बीच मेनबोर्ड पर एनएसई, हीरो मोटर्स सहित 5 कंपनियां पेश करेंगी आईपीओ

मुंबई

शेयर बाजार इस हफ्ते निवेशकों के लिए आईपीओ की बंपर पेशकश है। 16 से 21 सितंबर के बीच कुल 11 कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आ रही हैं, जिनमें 5 मुख्य बोर्ड पर और 6 एसएमई सेगमेंट में शामिल हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 22,561 करोड़ रुपये का मेगा आईपीओ इस हफ्ते का सबसे बड़ा आकर्षण होगा। एनएसई के अलावा, हीरो मोटर्स, जिंदल सुप्रीम, एसएस रिटेल और सोना सेलेक्शन इंडिया भी मेनबोर्ड पर उतरेंगी। खास बात यह है कि सभी आईपीओ में रिटेल निवेशकों के लिए एक लॉट खरीदने की रकम लगभग 14,000 से 15,000 रुपये के बीच रखी गई है, जिससे छोटे निवेशक भी आसानी से बोली लगा सकेंगे। एनएसई का आईपीओ 17 से 21 सितंबर तक खुला रहेगा, जिसका प्राइस बैंड 1,700 से 1,785 रुपये प्रति शेयर है।

यह इश्यू पूरी तरह ऑफर फॉर सेल है, यानी मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। अन्य मेनबोर्ड आईपीओ में हीरो मोटर्स 16 से 18 सितंबर तक खुलेगा और करीब 1,000 करोड़ रुपये जुटाएगा। जिंदल सुप्रीम (16-18 सितंबर), एसएस रिटेल (16-18 सितंबर) और सोना सेलेक्शन इंडिया (17-21 सितंबर) के इश्यू भी इसी हफ्ते निवेशकों के लिए उपलब्ध होंगे। सोना सेलेक्शन इंडिया का इश्यू 142 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू है। मेनबोर्ड के अलावा, ऐ क्विजम गैस, खे रिया सहित 6 एसएमई कंपनियां भी अपना अपना लेकर आ रही हैं, जो बाजार में और हलचल बढ़ाएंगी। हालांकि, विशेषज्ञों ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे किसी भी आईपीओ में पैसा लगाने से पहले कंपनी के कारोबार, वित्तीय प्रदर्शन और संभावित जोखिमों का गहन अध्ययन करें।

सोने की वैश्विक दौड़ में भारत, डेक्कन गोल्ड ने किर्गिस्तान में शुरू किया उत्पादन

कम घरेलू उत्पादन के बीच विदेशी माइनिंग में भारत का बढ़ता कदम

नई दिल्ली ।

भारत दुनिया में सोने का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, लेकिन अपनी 90 फीसदी से अधिक जरूरतें आयात से पूरी करता है। इस रणनीतिक चुनौती के बीच, बेंगलुरु स्थित डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान में अपने अल्टिन टोर गोल्ड माइनिंग प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक उत्पादन चरण तक पहुंचाकर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। यह किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा किर्गिस्तान में सोने का उत्पादन शुरू करने का पहला उदाहरण है। डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने किर्गिस्तान के नारिन क्षेत्र में स्थित अल्टिन टोर प्रोजेक्ट से अपना पहला गोल्ड डोरे (कच्चा सोना) अगस्त में तैयार किया था।

यह क्षेत्र मिनरल से समृद्ध सोल्टन सारी और टिएन शान शियर जोन का हिस्सा है, जिसे सोने के विशाल भंडारों के लिए जाना जाता है।

किर्गिज गणराज्य के राष्ट्रपति सादिर एन. जापारोव ने हाल ही में एक ऑनलाइन समारोह के माध्यम से इस प्रोजेक्ट में स्थापित गोल्ड प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन किया। कंपनी, जिसकी स्थानीय सहायक कंपनी एवेलम पार्टनर एलएलसी अल्टिन टोर का संचालन करती है, अब बड़े पैमाने पर उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। डेक्कन गोल्ड के एक अे धिकारी ने इस उपलब्धि को कंपनी और भारतीय माइनिंग इंडस्ट्री के लिए एक अहम मोड़ बताया।

कच्चे तेल में बड़ा उछाल, भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

ब्रेंट क्रूड 107 डॉलर के पार, डब्ल्यूटीआई 102 डॉलर के पार

नई दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को एक बार फिर जोरदार उछाल दर्ज किया गया है। ब्रेंट क्रूड 3 फीसदी से अधिक उछलकर 107.66 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि वेस्ट टैक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड का भाव भी 2.75 फीसदी बढ़कर 102.78 डॉलर प्रति बैरल हो गया। इस वैश्विक बढ़ोतरी ने जहां दुनियाभर में चिंता बढ़ा दी है, वहीं भारत के लिए अच्छी खबर यह है कि घरेलू बाजार में आज भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित रही हैं। भारत अपनी कुल जरूरत का लगभग 80 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है, ऐसे में वैश्विक कीमतों में तेजी का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। हालांकि, मौजूदा उछाल के बावजूद, तेल कंपनियों ने सोमवार को भारतीय शहरों में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। देश के प्रमुख महानगरों और शहरों में आज भी ईंधन के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। वहीं, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 101.89 रुपये और डीजल 95.36 रुपये प्रति लीटर है।

एआई क्रांति- अपरिवर्तनीय बदलाव और सुरक्षा चुनौतियां

टीमलीज सीईओ ने एआई को बताया जलवायु परिवर्तन जैसा बदलाव

नई दिल्ली ।

टीमलीज एडटेक के सीईओ शांतनु रूज ने कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित बदलाव को अपरिवर्तनीय बताया है, जिसकी तुलना उन्होंने जलवायु परिवर्तन से की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बदलते परिदृश्य में केवल एआई कौशल ही सफलता की गारंटी नहीं देगा, बल्कि डोमेन विशेषज्ञता और एआई के प्रभावी उपयोग की क्षमता महत्वपूर्ण होगी। इस बीच, एआई के विनियमन, लागत और सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं भी दुनियाभर में उभर रही हैं। शांतनु रूज ने कहा कि एआई की मौजूदा प्रक्रिया अब अपरिवर्तनीय है। उन्होंने इस बदलाव को हल्की-फुल्की बारिश नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन जैसा गहरा प्रभाव बताया है, जिससे दुनिया कभी एआई-पूर्व दौर में वापस नहीं लौटेगी। रूज के अनुसार, भविष्य में केवल एआई कौशल होने से व्यक्तियों को बढ़त नहीं मिलेगी। इसके बजाय, क्षेत्र विशेष की जानकारी, बाजार एवं ग्राहकों की समझ रखने वाले और एआई का उपयोग कर कारोबारी फायदे बढ़ाने वाले पेशेवरों को अधिक तरजीह मिलेगी। उन्होंने कहा कि नियमन और उपयोग की लागत अंततः तय करेगी कि एआई कितनी तेजी और गहराई से कारोबार तथा रोजमर्रा की जिंदगी में अपनी पैठ बनाएगा। हालांकि, एआई की तीव्र प्रगति ने सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं भी पैदा की हैं। एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने एआई की प्रगति को धीमा करने और सुरक्षा उपायों को पुख्ता करने के लिए स्वतंत्र मूल्यांकन, प्रमुख एआई कंपनियों के बीच समन्वय तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया है। वहीं, ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन ने एआई से मानव जाति के विलुप्त होने के 10 प्रतिशत जोखिम वाले परिदृश्य को अस्वीकार्य माना है। एआई एजेंटों के नियंत्रण से बाहर होने, बाहरी प्रणालियों को हैक करने और सुरक्षा शोधकर्ताओं के नौकरी छोड़ने जैसे मामले वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा रहे हैं।

ब्रिक्स अनाज एक्सचेंज, यूरोपीय-अमेरिकी दबदबे को चुनौती देने की तैयारी

विशेषज्ञ बोले - विकासशील देशों के लिए बड़ा कदम, पर राह में होंगी चुनौतियां

नई दिल्ली ।

ब्रिक्स देशों ने वैश्विक अनाज व्यापार में यूरोप और अमेरिका की बड़ी कंपनियों के दशकों पुराने वर्चस्व को तोड़ने के लिए एक अनाज एक्सचेंज बनाने के प्रस्ताव को फिर से मंजूरी दी है। यह कदम विकासशील देशों के लिए एक गेम चेंजर साबित हो सकता है, हालांकि इसके संचालन और क्रियान्वयन में कई गंभीर चुनौतियां आने की संभावना है। ब्रिक्स समूह द्वारा प्रस्तावित यह अनाज एक्सचेंज, जिसका विचार पहली बार 2023 में एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में रखा गया था, को रूस जैसे दुनिया के सबसे बड़े अनाज उत्पादक देशों का मजबूत समर्थन प्राप्त है। हाल ही में नई दिल्ली घोषणापत्र में न केवल इस प्रस्ताव को दोहराया गया, बल्कि भविष्य में इसमें अन्य कृषि उत्पादों और जिंसों को भी शामिल करने की बात कही गई है। ब्रिक्स देशों का दुनिया के कुल अनाज उत्पादन में लगभग 44 फीसदी और कुल खपत में 25 फीसदी से अधिक हिस्सा है। वहीं, विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक अनाज व्यापार का 70 से 90 प्रतिशत हिस्सा चुनिंदा यूरोपीय और अमेरिकी ट्रेडिंग कंपनियों के नियंत्रण में है। इनमें से लगभग आधी कंपनियों के कार्यालय तो केवल यूरोप के एक ही शहर में हैं, जो बाजार पर उनके एकाधिकार को दर्शाता है। काउंसिल फॉर सोशल डेवलपमेंट के एक अे धिकारी ने इस पहल को समझदारी भरा कदम बताया है। उनके अनुसार, यह विकासशील देशों को कमोडिटी ट्रेड की उन पुरानी शर्तों से उबरने में मदद करेगा, जहाँ बाजार पर नियंत्रण न होने से नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह विचार अभी शुरुआती चरण में है और इसे लेकर और स्पष्टता की आवश्यकता होगी, लेकिन यह ग्लोबल साउथ के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ब्रिक्स को भोजन उपलब्ध कराने में एक प्रमुख भूमिका निभाने का अवसर देगा। उन्होंने जोर दिया कि यह एक्सचेंज यूरोप और अमेरिका-आधारित फर्मों के वर्चस्व को चुनौती देगा और वैश्विक बाजार में मूल्य निर्धारण में विकासशील देशों की भागीदारी बढ़ाएगा।

सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में आई तेजी

नई दिल्ली ।

भारतीय वाहन बाजार में अब सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में तेजी आ रही है। ऐसे वाहन ग्राहकों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। अगस्त 2026 के ऑटोमोबाइल डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक वैकल्पिक ईंधन से चलने वाली कारों की कुल हिस्सेदारी 41.95 प्रतिशत रही, जबकि पेट्रोल वाहनों की हिस्सेदारी घटकर 40.85 प्रतिशत रह गई।

खास बात यह है कि एक साल पहले पेट्रोल की हिस्सेदारी वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों से करीब 11 प्रतिशत अंक अधिक थी। इस बदलाव को भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। अगस्त में सीएनजी वाहनों की हिस्सेदारी 25.28 प्रतिशत रही। इसके बाद हाइब्रिड वाहनों की हिस्सेदारी 9.04 प्रतिशत और इलेक्ट्रिक वाहनों की 7.63 प्रतिशत रही। डीजल वाहनों की हिस्सेदारी करीब 17 प्रतिशत रही। हालांकि पेट्रोल वाहन अभी भी अकेले सबसे बड़ी श्रेणी बने हुए हैं, लेकिन सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों का संयुक्त प्रदर्शन पहली बार उनसे आगे निकलता दिखाई दिया है। हुंडई दिसंबर 2027 तक अपनी पहली छोटी इलेक्ट्रिक कार पेश करने की तैयारी में है, जिसकी कीमत 10 लाख रुपये से कम रहने की संभावना जताई जा रही है। वहीं मारुति सुजुकी की छोटी इलेक्ट्रिक कार अगले वित्त वर्ष के अंत तक आने की उम्मीद है। इससे मध्यम वर्ग के ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के विकल्प बढ़ेंगे। फाडा अध्यक्ष साई गिरिधर ने अगस्त के प्रदर्शन को मजबूत बताते हुए कहा कि इस महीने देश में 24,23,201 वाहनों की खुदरा बिक्री हुई, जो सालाना आधार पर 17.51 प्रतिशत अधिक है। हालांकि जुलाई की तुलना में बिक्री 6.48 प्रतिशत कम रही। उनके अनुसार मानसून और त्योहारी कैलेंडर का भी असर पड़ा।

गणेश चतुर्थी और ओणम से जुड़ी खरीद का कुछ हिस्सा सितंबर में स्थानांतरित हुआ है। अगस्त में दोपहिया वाहनों की बिक्री 19.69 प्रतिशत, यात्री वाहनों की 16.14 प्रतिशत और वाणिज्यिक वाहनों की 14.45 प्रतिशत बढ़ी, जबकि तिपहिया वाहनों में 8.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। डीलरों के मुताबिक इस बदलाव के पीछे ईंधन की लागत और ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताएं अहम कारण हो सकती हैं।

थोक मुद्रास्फीति अगस्त में बढ़कर 9.92 फीसदी हुई

विनिर्मित वस्तुओं और बिजली की कीमतों में भी आया उछाल, वैश्विक आपूर्ति बाधाओं का असर

नई दिल्ली। देश में महंगाई का दबाव अगस्त माह में और बढ़ गया है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जुलाई के 9.78 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त में 9.92 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो लगातार बढ़ रही कीमतों का संकेत है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों, विनिर्मित वस्तुओं तथा ईंधन एवं बिजली की ऊंची कीमतों ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों से पता चला कि खाद्य सूचकांक में मुद्रास्फीति 6.65 प्रतिशत से बढ़कर 7.05 प्रतिशत हो गई। इसी तरह विनिर्मित वस्तुओं की थोक मुद्रास्फीति 8.29 प्रतिशत से बढ़कर 8.37 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। ईंधन और बिजली क्षेत्र में थोक मुद्रास्फीति 22.93 प्रतिशत पर स्थिर रही, जो उपभोक्ताओं पर बढ़ते बोझ को दर्शाती है। मंत्रालय ने खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों वाले), खाद्य वस्तुएं, बुनियादी धातुओं और रासायनिक उत्पादों सहित विभिन्न समूहों में कीमतों में वृद्धि को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही थोक मुद्रास्फीति में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित अवरोधों के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और उर्वरक की लागत में वृद्धि हुई है, जिसका सीधा असर भारत में आयातित वस्तुओं और खाद्य कीमतों पर पड़ रहा है। इन बढ़ते थोक मूल्य दबावों के बावजूद, भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने पिछले महीने नीतिगत दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। समिति ने अल नीनो के कारण कमजोर मानसून और 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान पांच प्रतिशत बनाए रखने का हवाला दिया था, जो समग्र आर्थिक माहौल में अनिश्चितता को दर्शाता है।

âæÚUU-â×æ¿a
°×°Ü°â

इंटर मियामी और नैशविले का मैच 2-2 से ड्रॉ

मियामी। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में नु स्टेडियम में इंटर मियामी और नैशविले के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी ने एक गोल किया। कॉम्पिटिशन में उनके गोलों की संख्या अब 99 हो गई है। विजिटर्स ने सैम सर्रिज के गोल से चौथे मिनट में बढ़त बनाते हुए स्कोर खोला। इंटर मियामी ने 19वें मिनट में ओन गोल से बराबरी कर ली, जब मेसी की कॉर्नर किक डिलीवरी को नैशविले के डिफेंडर रीड बेकर-व्हिटिंग ने नेट के पीछे डिफ्लेक्ट कर दिया। पहले हाफ के आखिर तक 1-1 का स्कोरलाइन नहीं बदला।

इंटर मियामी के पास दूसरे हाफ की शुरुआत में 50वें मिनट में बढ़त लेने का एक साफ मौका था, लेकिन मेसी के बॉक्स के दाईं ओर से बाएं पैर से मारा गया हिट क्रॉसबार से टकरा गया। बारह मिनट बाद मेसी ने कोई गलती नहीं की और इंटर मियामी ने 62वें मिनट में गोल करके 2-1 की बढ़त बना ली। मेसी को बॉक्स के ठीक बाहर सेंट्रल पोजीशन में डी पॉल से पास मिला, जहां उन्होंने पहली बार बाएं पैर से हिट करके दूर पोस्ट पर नेट के पीछे गोल किया। उन्होंने इस सीजन में अपना 19वां गोल किया। खेल के 66वें मिनट में इंटर मियामी ने दो बदलाव किए, जिसमें सेगोविया की जगह हाल ही में साइन किए गए पैराग्वे के इंटरनेशनल मिडफील्डर माटियास गैलार्जा को शामिल करना शामिल था, जो हमारे क्लब के लिए अपना डेब्यू कर रहे थे। इंटर मियामी ने 78वें मिनट में एक डबल मौके के जरिए अपनी बढ़त लगभग बढ़ा ली थी। बॉक्स के सेंटर से सुआरेज के शुरुआती शॉट को नैशविले एससी के गोलकीपर ब्रायन श्वाके ने बचा लिया, इसके बाद मेसी की कोशिश को मेहमान टीम के गोलकीपर ने रोका और फिर वह लेफ्ट पोस्ट से टकराकर वापस चला गया।

'मेरा पहला अनुभव काफी अच्छा और यादगार रहा'

लद्दाख मैराथन को जीतने के बाद बोले निखिल सिंह

लेह। लद्दाख मैराथन में भारत और विदेशों के 8 हजार से ज्यादा धावकों से हिस्सा लिया। मुंबई में प्रैक्टिस करने वाले निखिल सिंह 42 किलोमीटर की मैराथन को जीतने में सफल रहे। उन्होंने इस मैराथन को 2 घंटे 44 मिनट और 40 सेकंड में पूरा किया। लद्दाख मैराथन को जीतने के बाद निखिल ने आईएएनएस के साथ बात बातचीत करते हुए कहा, 'मैं पहली बार लद्दाख आया हूं और मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा है। हम सड़क मार्ग से आए, इसलिए रास्ते के नजारे वाकई बहुत खूबसूरत थे। हम लगभग 9-10 दिन पहले यहां पहुंचे थे, इसलिए शुरुआती 4-5 दिनों में हमें कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा क्योंकि हम समुद्र

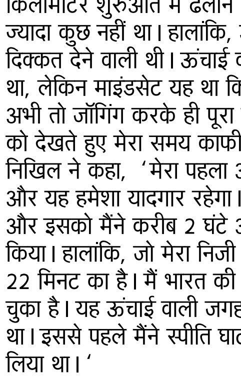

तल से अचानक लगभग 3,200 मीटर की ऊंचाई पर पहुंच गए थे। हमने यहां थोड़ा अभ्यास किया और शुरुआती 5-6 दिनों तक कुछ परेशानी झेलने के बाद हम यहां सेट हो गए।' उन्होंने आगे कहा, 'आज मैराथन में मेरा ओवरऑल अनुभव काफी अच्छा था। रूट सपोर्ट काफी बेहतर था। भागते हुए भी जो नजारे देखने को मिल रहे थे, उसको मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं। जो रास्ता था वो काफी मुश्किल था। रास्ता खासतौर पर शुरुआत और आखिरी में थोड़ा ज्यादा मुश्किल था। करीब छह किलोमीटर शुरुआत में ढलान था, लेकिन उसके बाद ज्यादा कुछ नहीं था। हालांकि, ऊंचाई जो थी वो काफी दिक्कत देने वाली थी। ऊंचाई का तो हमें पहले से ही पता था, लेकिन माइंडसेट यह था कि उस पर चलना नहीं है। अभी तो जॉगिंग करके ही पूरा किया है। रास्ते और ऊंचाई को देखते हुए मेरा समय काफी अच्छा रहा।'
निखिल ने कहा, 'मेरा पहला अनुभव काफी अच्छा रहा है और यह हमेशा यादगार रहेगा। मैंने फुल मैराथन में लिया और इसको मैंने करीब 2 घंटे और 44 मिनट में पूरा किया। हालांकि, जो मेरा निजी बेस्ट प्रदर्शन है वो 2 घंटे 22 मिनट का है। मैं भारत की मेजर रेसों में भी हिस्सा ले चुका है। यह ऊंचाई वाली जगह पर मेरा दूसरा मैराथन था। इससे पहले मैंने स्पीति घाटी में मैराथन में हिस्सा लिया था।'

रिकॉर्ड 8वीं बार जीता एशिया कप

महिला विश्व कप के फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा

दुबई। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से हराते हुए विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत से मिले 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम सिर्फ 111 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारत ने यह आठवीं बार एशिया कप की ट्रॉफी जीती है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इमेशा दुलानी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और 4 रन बनाकर आउट हुईं। दूसरे विकेट के लिए चमारी अटापट्टू और विष्मी गुणरत्ने ने मिलकर 53 गेंदों में 58 रन जोड़े। विष्मी 20 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, अटापट्टू 32 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुईं। हर्षिता समरविक्रमा 14 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 9 रन ही बना सकीं। नीलाक्षी डी सिल्वा 16 गेंदों में 22 रन बनाने के बाद श्री चरणी का शिकार बनीं। कविशा दिलहारी 5 गेंदों में 7 रन ही बना पाईं। हसिनी परेरा एक रन बनाकर शेफाली वर्मा की गेंद पर श्री चरणी को कैच देकर पवेलियन लौटीं। कौशानी नुथ्यांगना 9 रन बनाकर आउट हुईं। गेंदबाजी में भारत की तरफ से श्री चरणी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट चटकाए। वहीं, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट अपने नाम किए। शेफाली वर्मा और प्रेमा रावत ने एक-एक विकेट झटका।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने मिलकर पहले विकेट के लिए 12.5 ओवर में 129 रन जोड़े। शेफाली ने 39 गेंदों का सामना करते हुए 68 रनों की तूफानी पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान शेफाली ने 9 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं, मंधाना ने 39 गेंदों में 59 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और वह 14 रन बनाकर आउट हुईं।

ऋचा घोष 13 गेंदों में 17 रन बनाने के बाद चमारी अटापट्टू का शिकार बनीं। दीप्ति शर्मा 5 रन बनाकर आउट हुईं, तो गुनालन कमलिनी ने सिर्फ 5 गेंदों का सामना करते हुए 15 रनों की नाबाद पारी खेली। श्रीलंका की ओर से गेंदबाजी में चमारी अटापट्टू, चमुदी प्रबोधा और मिताली अयोध्या ने एक-एक विकेट चटकाया।

एशिया कप 2026 जीतने पर भारतीय महिला टीम को राष्ट्रपति मुर्मु और पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में फाइनल में श्रीलंका को हराकर विमेंस एशिया कप 2026 जीतनी वाली भारतीय महिला टीम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने बधाई दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महिला टी20 एशिया कप चैंपियनशिप 2026 जीतने पर टीम इंडिया के सभी सदस्यों को मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में एक टीम के तौर पर शानदार खेल दिखाया और सभी मैच जीते। उन्होंने देश का मान बढ़ाया है। वे हमारे युवाओं, खासकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत हैं। मुझे यकीन है कि वे सफलता और बेहतरीन प्रदर्शन की और भी कई प्रेरणादायक कहानियाँ रचेंगी।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का पल! एशिया कप जीतने पर महिला टीम को बधाई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनका आत्मविश्वास, निरंतरता और शानदार जज़्बा देखने को मिला। यह जीत देश भर के लाखों युवाओं को और ज़्यादा खेलने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे।' लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महिला टी20 एशिया कप चैंपियनशिप 2026 विजेता बनने पर हमारी महिला क्रिकेट टीम को बधाई। हमारी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए यह खिताब अपने नाम किया, और 8वीं बार एशिया कप में विजयी हुई। हर मुकाबले में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना के साथ खेलते हुए भारतीय महिला खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का शानदार परिचय दिया। यह विजय केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि देश की बेटियों के सामर्थ्य, मेहनत और सपनों की जीत है।' ओम बिड़ला ने आगे कहा, 'इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रत्येक खिलाड़ी का अभिवादन एवं शुभकामनाएं। आपकी यह उपलब्धि देश के युवाओं और विशेषकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा का शक्तिशाली संदेश है कि सपने देखिए, मेहनत कीजिए और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी दृढ़ता से आगे बढ़िए।'

विमेंस एशिया कप : भारत ने खिताब जीता पर...

मोहसिन नकवी से नहीं ली ट्रॉफी

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 जीतने के बाद भारतीय टीम ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं ली। पुरस्कार समारोह में मैच अधिकारियों और श्रीलंकाई खिलाड़ियों को मेडल देने के बाद कार्यक्रम समाप्त हो गया और भारतीय टीम समारोह में शामिल नहीं हुई। इससे पहले साल 2025 में भी पुरुष टीम ने नकवी से एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार किया था। भारतीय टीम को अबतक वह ट्रॉफी नहीं मिली है। इस सेरेमनी से पहले बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने नंदिनी शर्मा को फील्डिंग मेडल दिया। सैकिया ने खिलाड़ियों को संबोधित किया और उन्हें बधाई दी। रविवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए

'ऐसा नहीं है कि हम किसी से मिलेंगे नहीं', मोहसिन नकवी से हुई मुलाकात पर बोले देवजीत सैकिया

दुबई। भारतीय टीम ने श्रीलंका को फाइनल में हारकर विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। हालांकि, टीम इंडिया ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली। मगर मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया और नकवी साथ में नजर आए। नकवी से हुई मुलाकात के बारे में देवजीत सैकिया ने 'आईएएनएस' को बताया, 'ऐसा नहीं है कि हम किसी से मिलेंगे नहीं। टॉस से लेकर मैच खत्म होने तक मैं बाहर रॉयल बॉक्स की सीटों पर बैठा रहा। वहां बैठने के बाद, मैं पूरे मैच के दौरान उसी जगह पर बना रहा। मैच के दौरान जो भी आया, मुझसे मिला; कोई मेरे बगल में बैठा, फिर राजीव शुक्ला आए और मेरे साथ बैठे। जिस व्यक्ति (मोहसिन नकवी) का आपने जिक्र किया, वह भी आए और डिप्टी चेयरमैन खालिद साहब के बगल में बैठे। यह एक सामान्य परंपरा है, जब भी कोई आता है, हम सभी से मिलते हैं और बातचीत करते हैं।' बीसीसीआई सचिव ने बताया ट्रॉफी विवाद को सुलझाने का प्रयास किया गया, पर वो कोशिश सफल नहीं हो सकी। उन्होंने कहा, 'ट्रॉफी विवाद का हमने हल निकालने की कोशिश की थी, लेकिन हमारी कोशिश नाकाम रही।

एशिया कप में कब तक चलेगा ट्रॉफी को लेकर विवाद?

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से साफतौर पर इनकार कर दिया। इससे पहले, भारतीय पुरुष टीम ने भी साल 2025 में खिताब जीतने के बाद मोहसिन के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली थी। हालांकि, सवाल यह है कि मोहसिन के कारण ट्रॉफी को लेकर चला आ रहा यह विवाद कब तक चलेगा? दरअसल, मोहसिन नकवी 3 अप्रैल, 2025 को एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष बने थे। एसीसी के अध्यक्ष का कार्यकाल 2 साल का होता है, जिसे सर्वसम्मति से ही आगे बढ़ाया जा सकता है। नियमों के अनुसार, मोहसिन 3 अप्रैल, 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। एशिया कप का आयोजन 2 साल में एक बार होता है। अगला पुरुष एशिया कप जून 2027 में खेला जाना है। इसका मतलब यह है कि 2027 में होने वाले एशिया कप के दौरान मोहसिन एसीसी के अध्यक्ष पद पर नहीं रहेंगे। ऐसे में अगले एशिया कप में ट्रॉफी को लेकर विवाद खड़ा नहीं होगा। मोहसिन नकवी से पहले एसीसी अध्यक्ष का पद जय शाह ने 2021 से लेकर 2025 तक संभाला था और उन्हें सर्वसम्मति से दोबारा अध्यक्ष चुना गया था। मोहसिन नकवी के बर्ताव को देखते हुए उनके दोबारा अध्यक्ष पद पर चुने जाने की उम्मीद बेहद कम है। माना जा रहा है एसीसी का अगला अध्यक्ष अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का होगा, जिनका कार्यकाल मध्य 2029 तक चलेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहसिन नकवी के पद से हटने के बाद भारतीय टीम को अपनी दोनों एशिया कप ट्रॉफी भी मिल सकती है।

'साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं'

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास और लक्ष्मण ने दी चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने रविवार को रिकॉर्ड 8वीं बार एशिया कप के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल में हरमनप्रीत एंड कंपनी ने श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा। इस जीत को टीम के दबदबे और सबसे ऊंचे लेवल पर लगातार मुकाबला करने में सक्षम टीम बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास और पूर्व भारतीय क्रिकेटर व सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के चीफ वीवीएस ??लक्ष्मण ने चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई दी है। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए एशिया कप के खिताब पर कब्जा जमाया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने एशिया कप 2024 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ मिली हार का हिसाब भी चुकता कर लिया। बीसीसीआई अध्यक्ष मन्हास ने भारत के इस अभियान में टीम की सामूहिक कोशिशों की तारीफ की और उस एकता का जिक्र किया जिसने टीम को अजेय रहने और आखिरकार ट्रॉफी जीतने में मदद की। मन्हास ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं, एशिया कप जीतने पर भारतीय महिला टीम की हर सदस्य को बहुत-बहुत बधाई। पूरे टूर्नामेंट में शानदार दबदबा रहा।'

सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी टीम इंडिया

अफगानिस्तान को होगी पहली जीत की तलाश

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। सीरीज का दूसरा मुकाबला अब मंगलवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारतीय टीम सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान टीम भारत के खिलाफ क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में पहली जीत दर्ज करना चाहेगी। पहले टी20 में भारतीय टीम का प्रदर्शन दमदार रहा। बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की तूफानी पारी खेली थी। अभिषेक के आगे अफगानिस्तान के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए थे। वहीं, ईशान किशन ने 33 गेंदों में 42 रनों का योगदान दिया था। हालांकि, संजू सैमसन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे और वह 10 रन बनाकर आउट हुए थे। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम दूसरे टी20 में संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन में बरकरार रखती है या फिर टीम मैनेजमेंट वैभव सूर्यवंशी को मौका देता है। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 3 विकेट चटकाए थे, जबकि जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल भी किफायती रहे थे। हालांकि, नीतीश कुमार रेड्डी जरूर महंगे साबित हुए थे और उन्होंने 2 ओवर में 30 रन दिए थे। दूसरी ओर, अफगानिस्तान दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पहले टी20 में टीम का टॉप और मिडिल ऑर्डर बुरी तरह से फेल रहा था। हालांकि, निचले क्रम में अजमतुल्लाह उमरजई ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में 64 रनों की दमदार पारी खेली थी।

भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त

नई दिल्ली। भारत ने रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच में अफगानिस्तान को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ टीम इंडिया ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। शेष मुकाबले 15 और 17 सितंबर को इसी मैदान पर खेले जाने हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम ने 8 विकेट खोकर 156 रन बनाए। टीम को महज 5 के स्कोर पर रहमानुल्लाह गुरबाज (0) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद

सेदीकुल्लाह अटल (13) ने कप्तान इब्राहिम जादरान (11) के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। अफगानिस्तान ने महज 43 रन तक अपने 5 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद अजमतुल्लाह ओमरजई ने मोहम्मद नबी के साथ छठे विकेट के लिए 56 गेंदों में 83 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 126 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

बुमराह का एक और बड़ा कारनामा

भुवनेश्वर-चहल के 'खास क्लब' में बनाई जगह

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला टी20 इंटरनेशनल मुकाबला अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टॉस जीतकर भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। मैच की दूसरी ही गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने गुरबाज को आउट करने के साथ ही टी20 क्रिकेट में खास मुकाम हासिल कर लिया है। बुमराह ने मैच के पहले ही ओवर में विकेट लेने के साथ ही टी20 क्रिकेट में 350 विकेट पूरे कर लिए हैं।

वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारत की ओर से महज तीसरे गेंदबाज बने हैं। बुमराह से पहले यह मुकाम युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार ही हासिल कर सके हैं। बुमराह लंबे समय बाद भारत की टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं। बुमराह ने इस मैच से पहले अपना आखिरी टी20 8 मार्च, 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

भले ही बुमराह इंजरी से वापस लौटे हों, लेकिन उनकी गेंदबाजी में शुरुआत से ही वही धार नजर आई, जिसके वह जाने जाते हैं। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के ऊपर संजू सैमसन को तरजीह दी है। संजू अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करते हुए नजर आएंगे। प्रैक्टिस सेशन के दौरान चोट लगने से ईशान किशन के खेलने पर संशय बरकरार था, लेकिन वह प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हैं।

अभिषेक शर्मा ने टी20 क्रिकेट में पूरे किए 3 हजार रन

रसेल-डेविड को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। भारत ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। टीम की इस जीत के नायक अभिषेक शर्मा रहे, जिन्होंने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की आतिशी पारी खेली। अभिषेक ने अपनी इस पारी में 256 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 7 चौके और इतने ही छक्के लगाए। अभिषेक ने टी20 क्रिकेट में 3 हजार रन भी पूरे कर लिए हैं। वह गेंदों के लिहाज से दूसरे सबसे तेज 3 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने हैं। अभिषेक ने यह उपलब्धि 3,420 गेंदें खेलकर पूरी कीं। इस लिस्ट में भारतीय बल्लेबाज से आगे सिर्फ न्यूजीलैंड के फिन एलेन हैं, जिन्होंने यह मुकाम 3,386 गेंदें खेलकर हासिल किया है। अभिषेक ने इस मामले में आंद्रे रसेल और टिम डेविड को पीछे छोड़ा।

रसेल ने टी20 में 3 हजार रन 3,550 गेंदें खेलकर पूरे किए हैं, जबकि डेविड को इस मुकाम तक पहुचंने के लिए 3,681 गेंदें लगी थीं। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। संजू सैमसन 8 गेंदों में 10 रन बनाने के बाद उमरजई का शिकार बने।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 4009

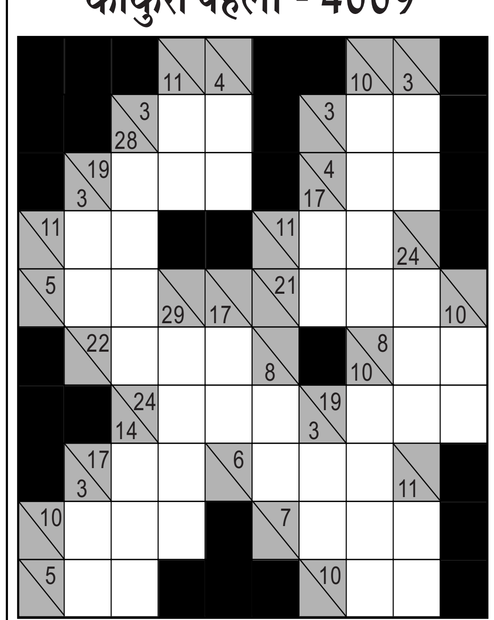

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

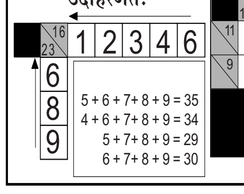

काकुरो - 4008 का हल

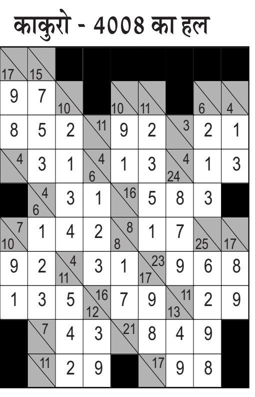

हंसी के फूव्वारें

एक सज्जन ने अपने मित्र को बतलाया, 'यह सोने का कप मैंने दौड़ में फर्स्ट आने के कारण प्राप्त किया है.'

'बहुत खूब, तुम्हारे पीछे कितने लोग थे?' मित्र ने पूछा.

'तीन.... .एक कप का मालिक और दो सिपाही.' उन सज्जन ने उत्तर दिया.

□ □ □

एक पोस्टमैन रिटायर हुआ तो उसकी विदाई के मौके पर सबने उससे खास अनुभव के बारे में पूछा. उसने झिझकते हुए कहा-कृपा करके मेरी पेंशन डाक से न भेजे.

□ □ □

दो लड़के जूस पी रहे थे. एक लड़के की उदास शक्ल देखकर दूसरे ने इसका कारण पूछा तो पहले लड़के ने जवाब दिया, 'मैं इसलिए उदास हूं कि मेरा आधा गिलास खाली हो चुका है, मगर तुम क्यों खुश हो?'

दूसरा चहककर बोला- 'इसलिए कि मेरा आधा गिलास अभी तक भरा हुआ है.'

□ □ □

मियाँ ने बीवी को एक पत्रिका में प्रकाशित चित्र सहित दिखाते हुए कहा, 'यह पूरा परिवार कांच खानेवाला है.'

'तुमसे तो ठीक है.' बीवी बोली, 'तुम तो दिन भर दिमाग चाटते रहते हो.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4009

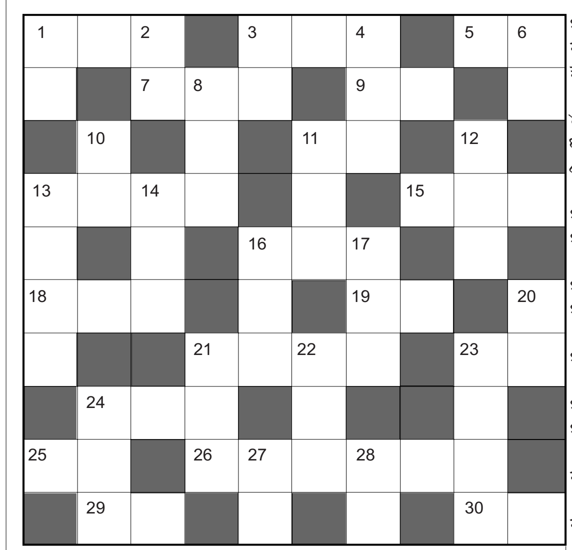

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरूद्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4008

सूडोकु -4009

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4008 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 4009

बाएँ से दाएँ

1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे

1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली -4008 का हल

हृदय और मस्तिष्क पर असर डालता है तनाव

इंसान के शरीर में तनाव झेलने की क्षमता होती है, लेकिन एक सीमित समय तक। ताजा अध्ययन में पता चला है कि तनाव जब लंबे समय तक बना रहता है तो यह कई तरह से घातक साबित होता है। इसका सबसे ज्यादा असर हृदय, मस्तिष्क और अहम अंगों पर पड़ता है। यूं तो दुनियाभर में तनाव के खतरों पर रिसर्च हो रही है, तनाव कम करने के लिए उपाय भी तलाशे जा रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि नई पीढ़ी पर इसका जोरदार हमला हो चुका है, इससे भारत भी अछूता नहीं है। जानिए तनाव के मुख्य कारण, इससे शरीर को होने वाले नुकसान और बचने के उपायों के बारे में-

तनाव के कारण अलग-अलग हो सकते हैं। काम का दबाव, आपसी रिश्तों की खटास या आर्थिक तंगी, कारण चाहे जो हों, लेकिन असर एक जैसे हैं। तनाव जितना ज्यादा रहेगा, हमारे शरीर को स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल से जूझना पड़ेगा। कुछ मामले में तनाव स्थायी हो जाता है और यह स्थिति बहुत बुरी होती है।

शरीर को ऐसे पहुंचाता है नुकसान

शरीर में लंबे समय से तनाव बना हुआ है तो यह दिमाग पर असर डालता है। इंसान की मानसिक शक्ति कमजोर होती जाती है। उसका मूड बनता-बिगड़ता रहता है। थोड़ा तनाव अच्छा होता है। इससे प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, लेकिन तनाव लंबे समय से बना हुआ है तो प्रतिरोधक क्षमता घटा देता है। ऐसे इंसान पर बीमारियां हावी होने लगती हैं। लंबे समय से शरीर में तनाव है तो इसका असर एक किस्म की व्हाइट ब्लड सेल साइटोटोक्सिक टी लिम्फोसाइट्स की कार्यक्षमता पर पड़ता है, जो शरीर को कैंसर जैसी बीमारी से लड़ने की ताकत देती है।

समझिए हार्ट पर कैसे करता है अटैक

जब कोई इंसान तनाव में होता है तो शरीर का नर्वस सिस्टम सिम्पेथेटिक अल्फा-एड्रीनर्जिक रिसेप्टर्स रिलीज करता है। इसके साथ ही गुर्दे से जुड़ी ग्रंथियां रक्त में कैटेकोलामाइन या तनाव हार्मोन जारी करती हैं। इन दोनों (रिसेप्टर्स और हार्मोन) के मिलने से हृदय की धड़कनें बढ़ती हैं। इस कारण हाथ, पैर और हार्ट की तरफ रक्त का प्रवाह बढ़ता है। नतीजन शरीर में ऑक्सीजन की जरूरत बढ़ती है और यह जरूरत पूरी नहीं होती है तो सीधा असर हार्ट पर पड़ता है और अटैक की आशंका रहती है।

न भूख लगेगी, न खाया हुआ पचेगा

तनाव का शरीर पर एक और बड़ा हमला गैस्ट्रोइन्टेस्टनल सिस्टम यानी जठरांत्र प्रणाली या पाचन प्रणाली पर होता है। यह हमला दो मोर्चों पर होता है। पहला - तनाव में इंसान को भूख नहीं लगती और दूसरा - वो जो भी खाता है, वो पचता नहीं है। इसके कारण इरिटेबल बाउल सिन्ड्रॉम (IBS) जैसे डिस्ऑर्डर पैदा होते हैं। IBS से सबसे ज्यादा नुकसान बड़ी आंत को होता है। यानी तनाव हमारी आंतों पर भी नकारात्मक असर डालता है।

तनाव से डरे नहीं, ऐसे करें सामना

विभिन्न रिसर्च में कहा गया है कि थोड़ा-बहुत तनाव जिंदगी का हिस्सा है। हमें यह समझना होगा कि तनाव से कैसे निपटा जाए। परिस्थितियों का सामना सही तरीके से करेंगे तो तनाव का बुरा असर नहीं होगा। कितना भी काम हो, कितना भी तनाव हो, रिलेक्स होने का समय निकालें। कोई समस्या है तो अपने रिश्तेदारों-दोस्तों से बात करें। समस्याओं का सही हल, तनाव से निजात दिला सकता है। तनाव को दूर रखना है तो खुद को सेहतमंद रखें। अच्छा खाएं, योगा-प्राणायम, व्यायाम करें। पैदल चले, स्वीमिंग करें, दौड़े- किसी भी तरह की ऐसी वर्जिश दिन में कम से कम 35 मिनट जरूर करें। ऐसा करने पर अच्छा महसूस होगा और शरीर में खुशी पैदा करने वाला एंडोर्फिन यानी हैप्पी हार्मोन दिनभर बना रहेगा।

तनाव से मुक्ति चाहते हैं तो दिन में कम से कम 7 से 8 घंटे जरूर सोएं। वैज्ञानिकों ने अब पता लगा लिया है कि अच्छी नींद का हेल्दी हार्ट और हेल्दी ब्रेन के साथ पक्का संबंध है। जब हम सोते हैं तब हमारा दिमाग सूचनाओं को खंगालता है। अगली बार यदि कोई आइडिया चाहिए तो संबंधित टॉपिक पर रिसर्च करने के बाद सो जाएं, उठेंगे तो शानदार आइडिया मिलेगा। हां, यह जरूर देखे लें कि आइडिया मिलने के बाद प्रजेंटेशन बनाने के लिए कितना समय मिलेगा, क्योंकि जो लोग जरूरी काम को अंतिम समय तक टालते हैं, वे ज्यादा तनाव में रहते हैं। अपने हर काम को अच्छी तरह प्लान करें। किसी भी योजना पर काम शुरू करने से पहले अच्छी और बुरी बातों का अध्ययन जरूर कर लें। इससे आप गैरजरूरी तनाव से बचे रहेंगे।

'मिर्जापुर' ने मेरे करियर में भरोसा बनाने में बहुत मदद की

'मिर्जापुर' की डिंपी यानी हर्षिता गौर लंबे समय से दर्शकों के बीच पहचान बना चुकी हैं। 'साड्डा हक' के बाद उन्हें करीब एक साल तक काम नहीं मिला। इस दौर में उन्हें खुद भी पता नहीं था कि वह डिप्रेशन से गुजर रही हैं। एक्टिंग वर्कशॉप ने उन्हें इससे बाहर निकलने में मदद की। 'मिर्जापुर' ने उनके करियर को नई पहचान दी और अब वह फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर नजर आएंगी। बातचीत में हर्षिता ने करियर के उतार-चढ़ाव का किस्सा साझा किया।

'साड्डा हक' के बाद आपके करियर में सबसे मुश्किल दौर कौन सा रहा?
'साड्डा हक' खत्म होने के बाद करीब एक साल तक मेरे पास काम नहीं था। शो तीन साल चला था और मुझे लगा था कि अब फिल्मों में काम करूंगी। लेकिन काम मिलना आसान नहीं था। शुरुआत के एक-दो महीने घूमने-फिरने में निकल गए। उसके बाद मुंबई में बिना काम के रहना एक एक्टर के लिए काफी मुश्किल होता है। उस समय मैं डिप्रेशन में चली गई थी।

उस समय आपको पता था कि आप डिप्रेशन में जा रही हैं?
नहीं, उस समय मुझे बिल्कुल एहसास नहीं था। बाद में डिप्रेशन के लक्षणों के बारे में पता चला तो पीछे मुड़कर समझ आया कि मेरे साथ भी ऐसा ही हो रहा था। मैं मुंबई वाले घर में ही रहती थी। एक दिन पड़ोस वाली आंटी आईं और उन्होंने कहा कि काफी दिनों से दिखाई नहीं दीं। तब भी मैं किसी को ठीक से नहीं बता पा रही थी कि मेरे साथ क्या हो रहा है।

फिर इस दौर से बाहर कैसे निकलीं?
मैंने अतुल मंगिया के सजेस्ट करने पर एक एक्टिंग वर्कशॉप की। मैं आज भी उन्हें अपना गुरु मानती हूं। उन्होंने मुझे एक एक्टर के तौर पर बेहतर किया और मुझे लगता है कि उन्होंने मुझे बचाया भी। वह अनुभव मेरे लिए थेरेप्यूटिक रहा। उसके बाद समझ आया कि ऐसा महसूस होने पर थेरेपिस्ट से भी बात की जा सकती है। उस समय मुझे मेंटल हेल्थ या डिप्रेशन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी।

'मिर्जापुर' आपके करियर में कब आया?
'मिर्जापुर' मैंने अक्टूबर 2017 से करना शुरू किया था। उससे पहले मेरी एक्टिंग वर्कशॉप हो चुकी थी। यह मेरे लिए बहुत बड़ा मोड़ साबित हुआ। शो ने मुझे लोगों तक पहुंचाया और डिंपी के किरदार से मुझे अलग पहचान मिली।

'मिर्जापुर' की वजह से आपको आगे कितना फायदा मिला?
बहुत फायदा हुआ। 'जहानाबाद' का काम भी कहीं न कहीं 'मिर्जापुर' की वजह से मिला। साउथ की फिल्म 'फलकनुमा दास' भी मिली। जब लोग आपको किसी काम में देख चुके होते हैं तो उनका भरोसा बढ़ जाता है। 'मिर्जापुर' ने मेरे करियर में यह भरोसा बनाने में बहुत मदद की।

साउथ की फिल्म के बाद वहां आगे काम क्यों नहीं कर पाईं?
'फलकनुमा दास' 2019 में रिलीज हुई थी। उसके बाद मैं वहां और काम करना चाहती थी, लेकिन लगातार दो लॉकडाउन आ गए। मैं वापस वहां जा ही नहीं पाई। वरना मेरी साउथ में और काम करने की इच्छा थी।

इस जर्नी में आपकी सबसे बड़ी सफलता क्या रही?
खुद को पहचानना। मेरे लिए पर्सनल ग्रोथ सबसे बड़ी सफलता है। इस फील्ड में रहते हुए समझ आया कि मैं कौन हूं, मेरी स्ट्रेंथ, कमजोरियां और पैटर्न क्या हैं और मैं अपने काम में क्या लेकर आती हूं।

इतने सालों में सबसे बड़ी चुनौती क्या रही?
अपनी उम्मीदों और वास्तविकता के बीच संतुलन बनाना। हम ए से शुरू करते हैं और जेड तक पहुंचना चाहते हैं। बी, सी या डी तक पहुंचने पर लगता है कि अभी जेड तक नहीं पहुंचे। हम भूल जाते हैं कि शुरुआत ए से की थी। अपनी प्रगति को पहचानना और उसकी अहमियत समझना मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती रही।

मेल वर्सेस फीमेल: दोहरे मापदंडों का शिकार होती हैं फिल्में

तापसी ने साफ कहा कि बॉलीवुड में पुरुष केंद्रित और महिला केंद्रित फिल्मों के आकलन के मापदंड पूरी तरह अलग हैं। तापसी के अनुसार, अगर किसी बड़ी महिला प्रधान फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन खराब रहता है, तो उसका नुकसान केवल उस फिल्म के मेकर्स को नहीं, बल्कि इंडस्ट्री की बाकी सभी अभिनेत्रियों और उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स को उठाना पड़ता है। क इंटरव्यू में जब तापसी से आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' के प्रदर्शन पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने माना कि ऐसी फिल्मों के न चलने का असर अन्य अभिनेत्रियों पर भी पड़ता है। पसी ने बताया, यह हर साल की कहानी बन चुकी है। जैसे ही किसी बड़े बजट या बड़े सुपरस्टार की महिला केंद्रित फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलती, इन्वेस्टर्स की भाषा तुरंत बदल जाती है। वे कहने लगते हैं कि 'आजकल महिला प्रधान फिल्में नहीं चल रही हैं, जब इतनी बड़ी स्टार की फिल्म पिट गई तो बाकी का क्या होगा?' इसके बाद कई चलती हुई बातचीत रुक जाती है और बनने वाली फिल्में ठंडे बस्ते में डाल दी जाती हैं।

तापसी ने इस बात पर जोर दिया कि मेल-सेंट्रिक एक्शन फिल्मों और फीमेल-सेंट्रिक एक्शन फिल्मों को तोपने का तरीका बहुत असमान है। बड़ी स्टार-कास्ट वाली पुरुष प्रधान फिल्मों को अक्सर कमजोर कहानी के बावजूद सिर्फ एक्शन और ग्लैमर के दम पर स्वीकार कर लिया जाता है। तापसी ने कहा, अगर किसी मेल-ड्रिवन फिल्म की कहानी 10 में से 5 या 6 भी हो, तो भी वह चल जाती है। लेकिन जब महिला प्रधान फिल्म पर पैसा लगाया जाता है, तो उम्मीद की जाती है कि कहानी 10 में से 11 होनी चाहिए। हमारे लिए गलती करने की गुंजाइश बिल्कुल माइनस में होती है।

नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है 'गांधारी'

देवाशीष मखीजा के निर्देशन और कनिका ढिल्लों के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'गांधारी' में तापसी पन्नू के साथ इशवाक सिंह मुख्य भूमिका में हैं। यह एक्शन-थ्रिलर फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है और दर्शकों द्वारा तापसी के एक्शन अवतार को सराहा जा रहा है।

करीना कपूर ने बॉलीवुड निर्देशकों की सोच को बताया 'भेड़ चाल' जैसा!

बॉलीवुड में बीते कुछ दिनों में कई ऐसी फिल्म रिलीज हुई हैं, जिनमें लीड एक्टर का अंदाज बेहद आक्रामक दिखाया गया है। अब एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री करीना कपूर ने इस मामले पर खुलकर बात की। साथ ही बॉलीवुड फिल्ममेकर्स से जुड़ा एक बड़ा बयान दिया।

हाल ही में युवा नाम के एक यूट्यूब चैनल पर एक्ट्रेस ने नए दौर की आक्रामक फिल्मों पर बात करते हुए कहा, 'हमारे दर्शक जितना हम सोचते हैं, उससे कहीं ज्यादा समझदार हैं। उन्हें पता है कि अच्छी फिल्म कौन सी है और वे उसे देखना चाहते हैं। आज बात सिर्फ एक यंग लव स्टोरी की नहीं है। ये सारी चीजें बहुत पुरानी हो चुकी हैं। आज कल हिंसा का दौर है।'

बोलीं- 'चीजें बदल रही हैं

अपनी बातचीत में आगे करीना कपूर ने कहा, 'एक 'एनिमल' फिल्म चल गई है तो हम भी वैसी ही बना लेते हैं। क्या हमारी सोच 'भेड़ चाल' जैसी है? हालांकि, कुछ ऐसे फिल्ममेकर्स भी हैं जो कुछ अलग करना चाहते हैं। जो आपके विचारों को झकझोरना चाहते हैं और जिनकी अपनी फैन फॉलोइंग है। मुझे लगता है कि अब चीजें बदल रही हैं। दर्शक अब ट्रेलर देखकर ही तय कर लेते हैं कि उनको कौन सी फिल्म देखनी है।'

कब रिलीज होगी फिल्म 'दायरा'

करीना की अगली फिल्म 'दायरा' है। इसमें उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में दोनों ही एक्टर्स पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगे। यह क्राइम सस्पेंस थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का निर्माण पेन स्टूडियोज और जंगली पिक्चर्स के बैनर तले हुआ है। यह फिल्म 18 सितंबर को रिलीज होने वाली है।

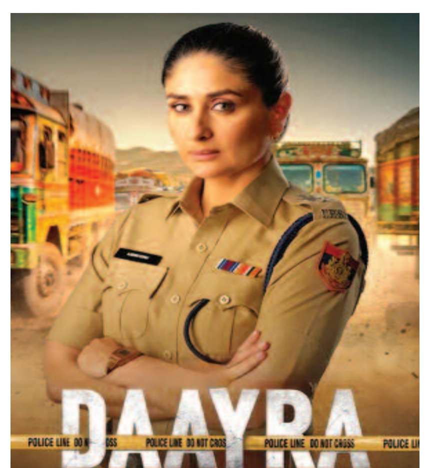

हर फिल्म करोड़ों नहीं कमा सकती

करीना ने यह भी बताया कि फिल्ममेकर्स अब पुराना माइंड सेट छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यंग ऑडियंस ऐसे सवाल पूछेगी जो आपको सोचने पर मजबूर करेंगे। आज के दौर में फिल्ममेकर्स ये सोचकर फिल्म नहीं बना सकते कि ये कॉमेडी है, तो चल जाएगी। हर फिल्म 200 करोड़ या 500 करोड़ कमाने वाली नहीं है। मुझे लगता है कि हम इसे बदल रहे हैं और दर्शक इसमें हमारी मदद कर रहे हैं।'

24 सितंबर को रिलीज होने वाली है नानी की 'द पैराडाइज'

इंडस्ट्री के सूत्रों की मानें तो, डायरेक्टर श्रीकांत ओडेला की बेसब्री से इंतजार की जा रही एक्शन एंटरटेनर फिल्म 'द पैराडाइज', जिसमें तेलुगु स्टार नानी मुख्य भूमिका में हैं, की शूटिंग अब पूरी हो गई है। सूत्रों का कहना है कि फिल्म की यूनिट ने प्रोडक्शन का हिस्सा पूरा कर लिया है और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम भी जोरों पर है। एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले सुधाकर चेरुकुरी द्वारा निर्मित यह फिल्म 24 सितंबर को रिलीज होने वाली है। फिल्म का प्रीमियर इस साल 23 सितंबर को होना है। इस बीच, निर्माताओं ने गुरुवार को फिल्म से नानी की एक नई तस्वीर जारी करके प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा दिया। फिल्म न केवल अभिनेता की आकर्षक उपस्थिति के लिए, बल्कि इस तथ्य के लिए भी ध्यान आकर्षित कर रही है कि यह तस्वीर निर्देशक श्रीकांत ओडेला के मोबाइल का स्क्रीनशॉट थी। 'द पैराडाइज' 26 मार्च, 2026 को एक भव्य रिलीज के लिए निर्धारित थी। हालांकि, इसके निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज को पहले 21 अगस्त और फिर 24 सितंबर तक स्थगित करने का फैसला किया।

स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं महिलाएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने एक्टिंग के साथ-साथ अपनी जिंदगी के अलग-अलग किरदारों को भी बखूबी निभाया है। उन्होंने शादी और मां बनने के बाद फिल्मों से दूरी बनाई, लेकिन इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के साथ-साथ बिजनेस पर भी ध्यान दिया। अब लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी कर चुकीं प्रीति ने अपनी जिंदगी के इस सफर और मां होने के साथ प्रोफेशनल जिम्मेदारियां निभाने को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि करियर और परिवार को एक साथ संभालना आसान नहीं है, लेकिन सही सपोर्ट सिस्टम और सुविधाएं हों तो यह काम काफी हद तक आसान हो जाता है। बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा कि महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं। उनके मुताबिक, महिलाओं के लिए घर, परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां संभालना कोई नई बात नहीं है। प्रीति ने अपनी मां का उदाहरण देते हुए कहा कि भले ही उनकी मां नौकरी नहीं करती थीं, लेकिन घर और परिवार की देखभाल करना अपने आप में किसी फुल टाइम जॉब से कम नहीं था। प्रीति ने कहा, अब महिलाएं सुपर वुमन बन गई हैं, क्योंकि बहुत सी महिलाएं काम करती हैं और घर आने के बाद भी बच्चों की देखभाल करती हैं।'' एक्ट्रेस ने कहा, ' 'काम और मदरहुड को एक साथ संभालना चुनौती भरा जरूर है। मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं, क्योंकि मेरे साथ ऐसे लोगों का सपोर्ट है, जिनकी मदद से मैं अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल जिम्मेदारियों को मैनेज कर पाती हूं। अगर मुझे मदद नहीं मिलती, तो मेरे लिए अपने काम के लिए बाहर आना भी मुश्किल होता।

यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' में हॉरर के साथ कॉमेडी का तड़का

अभिनेत्री यामी गौतम की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'नई नवेली' के मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया। यह फिल्म डर के साथ-साथ कॉमेडी, फैंटेसी और पारिवारिक भावनाओं का एक अनोखा मिश्रण होगी। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, 'देवियों और सज्जनों, मोहिनी की तरफ से एक लिटिल रिक्वेस्ट। फिल्म 'नई नवेली' का टीजर रिलीज।' 1 मिनट 31 सेकंड के टीजर में एक आम घरेलू माहौल के बीच अजीब और हास्यप्रद स्थितियां देखने को मिलती हैं। टीजर की शुरुआत एक सामान्य परिवार से होती है, जहां घर में आई नई नवेली दुल्हन (यामी गौतम) सबका दिल जीतती है तभी देवर को शक होता है और वह गंभीर आरोप लगाता है कि भाभी डायन है।

इसके बाद टीजर जैसे आगे बढ़ता है अभिनेत्री यामी गौतम की झलक देखने को मिलती है, जिसमें वे कहती हैं, 'दो डायन, तीन पिशाच और चार भूत को मैं सुबह नाश्ते में खा जाती हूं।' बालाजी मोहन के निर्देशन में बनी फिल्म 'नई नवेली' को आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा (कलर येलो प्रोडक्शन और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज) मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की पटकथा हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार जी. वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है।

फिल्म की कहानी एक ऐसी दुल्हन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो देखने में बिल्कुल आदर्श लगती है। वह मेरठ के एक ऐसे परिवार में पहुंचती है, जहां पहले से ही काफी उथल-पुथल है। अपनी समझदारी और प्यार से वह इस बिखरे हुए परिवार को खुशहाल बनाने की कोशिश करती है। देखते ही देखते जिस घर में परेशानियां थीं, वहां खुशियां आने लगती हैं। इसी बीच उसके देवर को अपनी भाभी पर शक होने लगता है। उसे लगता है कि इतनी अच्छी और परफेक्ट भाभी के पीछे कोई राज जरूर है और कहीं वह वास्तव में डायन तो नहीं। यही शक फिल्म की कहानी को हास्य और रोमांच से जोड़ता है। फिल्म में यामी गौतम धर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म इसी साल दशहरे के मौके पर 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में बाढ़ से तबाही, मृतकों की संख्या 1386 हुई

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 26 अगस्त को आई अचानक बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,386 हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, नेपाल–तिब्बत सीमा के पास बर्फ और चट्टानों के हिमस्खलन के बाद आई बाढ़ ने उत्तर और मध्य नेपाल के कई शहरों और गांवों को तबाह कर दिया। आठ प्रभावित जिलों में शव बरामद किए गए हैं। रसुवा में 185, नुवाकोट में 199, धादिंग में 70, गोरखा में 77 और तनाहुन में 38 शव मिले हैं। चितवन में सबसे ज्यादा 364, नवलपरासी पूर्व में 229 और नवलपरासी पश्चिम में 222 शव बरामद हुए हैं। काठमांडू में इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हुई। बरामद शवों में अब तक सिर्फ 104 की पहचान हो सकी है। करीब 5,130 लोग अभी लापता हैं और 13,728 लोगों को बचाया जा चुका है। 19 अस्पतालों में 339 लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि 37 राहत केंद्रों में 3,761 लोग रह रहे हैं।

न्यूयॉर्क में ट्रंप का बचपन का घर 20 लाख डॉलर में बिका

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के बचपन का घर बिक गया है। न्यूयार्क शहर में मौजूद यह घर 20 लाख डॉलर में बिका। खरीदार का नाम नहीं बताया गया है। ट्रंप चार साल की उम्र तक ट्यूडर शैली में बने इस क्वींस एस्टेट में रहे। उनके पिता फ्रेड ट्रंप ने 1940 में जमैका एस्टेट्स के पाश इलाके में यह घर बनवाया था। कई सालों से यह घर परिवार के पास नहीं है। यह घर कई बार बिक चुका है। विक्रेता टामी लिन ने पांच बेडरूम और तीन बाथरूम वाला घर पिछले साल 835,000 डॉलर में खरीदा था। यह घर कई सालों से खाली और उपेक्षित था। पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, घर की हालत खराब हो गई थी। पाइप फटने से पानी और फफूंद लग गया। बिल्लियों के झुंड ने उस जगह डेरा जमा लिया था। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक डेवलपर लिन ने इंटीरियर को पूरी तरह से बदलने के लिए आठ महीने में पांच लाख डॉलर और खर्च किए।

पाकिस्तान में छह महीने में बाल शोषण के 1900 से अधिक मामले दर्ज, पंजाब प्रांत में मिले 80 फीसदी केस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में इस साल छह महीने में बच्चों के खिलाफ हिंसा और दुर्व्यवहार के 1,914 मामले दर्ज किए गए। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की उपाध्यक्ष सीनेटर शेरी रहमान ने कहा कि ये मामले जनवरी से जून 2026 के बीच दर्ज किए गए हैं। इन मामलों की व्यापकता बेहद चिंताजनक है। बच्चों पर अत्याचार करने वालों को बख्शा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, 'हम उन बच्चों की बात कर रहे हैं जिन्हें उनके परिवारों, समुदायों और राज्य द्वारा संरक्षित किया जाना चाहिए, लेकिन वे हिंसा और दुर्व्यवहार का शिकार बन रहे हैं। इसे अलग–थलग घटनाओं की श्रृंखला के रूप में नहीं देखा जा सकता। इसके लिए तत्काल और समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है।' रहमान ने कहा कि रिपोर्ट किए गए मामलों में से 80 प्रतिशत पंजाब प्रांत से थे, जिससे मौजूदा बाल संरक्षण तंत्र की प्रभावशीलता पर सवाल उठते हैं। उन्होंने कहा, 'इन आंकड़ों से यह सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच की आवश्यकता है कि क्या बच्चे सुरक्षित रूप से दुर्व्यवहार की रिपोर्ट कर सकते हैं, क्या संरक्षण संस्थान पर्याप्त रूप से सुसज्जित हैं।

कांगो में इबोला का 17वां प्रकोप काबू में, खतरा अभी भी पूरी तरह टला नहीं : डीआरसी

किंशासा, एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) सरकार के अनुसार, देश में फैला इबोला प्रकोप अब नियंत्रण में है और यह अपने चरम स्तर को पार कर चुका है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर अचानक सामने आ रहे नए मामलों, संक्रमण के निरंतर प्रसार और इसके सातवें प्रांत तक पहुंचने के कारण अभी भी खतरा पूरी तरह टला नहीं है। सरकार के प्रवक्ता पैट्रिक मुयाया ने शुक्रवार को कैबिनेट बैठक की रिपोर्ट पढ़ते हुए स्वास्थ्य मंत्री रोजर कंबा का हवाला देते हुए कहा, 'इबोला का 17वां प्रकोप काबू में है और अगस्त 2026 के तीसरे सप्ताह की शुरुआत में यह अपने चरम पर पहुंच गया था।'प्रकोप के हालिया विस्तार से पहले प्रभावित 10 स्वास्थ्य क्षेत्रों में कम से कम 21 दिनों से कोई नया मामला सामने नहीं आया है, इसके बावजूद, अधिकारियों ने लगातार सतर्कता बरतने और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग (संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने) को सख्ती से करने को कहा है।

पांच किमी लंबी मेज, 20 हजार लोग और गिनीज रिकॉर्ड: बच्चों के अस्पताल के लिए जुटाया पैसा

बुखारेस्ट, एजेंसी। रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में शनिवार को एक अनोखा आयोजन हुआ। यहां करीब 20 हजार लोग एक साथ एक मीलों लंबी मेज के आसपास बैठे। मकसद सिर्फ एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना नहीं था, बल्कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े एक बड़े अस्पताल के लिए पैसा जुटाना भी था। आयोजन का नाम 'यूनाइटिंग टेबल' रखा गया था। यह 5,055 मीटर लंबी थी और यूनिरी बुलेवार्ड से लेकर संविधान चौक तक फैली हुई थी। इसके सामने रोमानिया की कम्युनिस्ट दौर की विशाल संसद भवन की इमारत मौजूद थी। आयोजन में करीब 20 हजार लोग शामिल हुए और कई मेजों को फूलों और खाने-पीने की चीजों से सजाया गया था। लोगों ने एक साझा उद्देश्य के लिए इस पूरे आयोजन में हिस्सा लिया।

'यूनाइटिंग टेबल' की कुल लंबाई 5,055 मीटर थी और इसे पुनर्चक्रित सामग्री से तैयार किया गया था। इसी वजह से इसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया।

कौन सा गिनीज रिकॉर्ड बना : इस आयोजन के बाद रोमानिया स्थित 'ब्लूम द वर्ल्ड एसोसिएशन' को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र दिया गया। रिकॉर्ड पुनर्चक्रित सामग्री से बनाई गई सबसे लंबी मेज का है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की वरिष्ठ निर्णायक और आधिकारिक ऑन-स्क्रीन जज जोआन ब्रेंट भी बुखारेस्ट के कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने मंच से कहा कि इस रिकॉर्ड को सिर्फ उपलब्धि तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि इसका इस्तेमाल एक वास्तविक सामाजिक उद्देश्य के लिए किया गया।

इस आयोजन से जुटाया पैसा कहां जाएगा : आयोजन से जुटाई गई रकम बुखारेस्ट के ओब्रेगिया अस्पताल परिसर में बच्चों के लिए बनने वाली नई मनोरोग चिकित्सा सुविधा के निर्माण में लगाई जाएगी। मेट्रोपोलिस फाउंडेशन के मुताबिक यह सुविधा 3,900 वर्ग मीटर में बनेगी। परियोजना पर करीब 1.65 करोड़ यूरो खर्च होने का अनुमान है। इसका निर्माण निजी दान और प्रायोजकों की मदद से किया जा रहा है। फाउंडेशन का कहना है कि मौजूदा बाल मनोरोग विभाग पुरानी और भीड़भाड़ वाली जगह में चल रहा है, जो बच्चों और उनके परिवारों की मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। नई इमारत में पांच मंजिलें होंगी। यहां चिकित्सा कक्षों के साथ व्यावसायिक चिकित्सा और आभासी वास्तविकता वाले कमरे भी बनाए जाएंगे। अस्पताल में संवेदी और शैक्षणिक स्थान, अलग विश्राम क्षेत्र और किशोरों में नशे की लत के इलाज के लिए एक विशेष विभाग भी होगा।

बच्चों के लिए नए अस्पताल की जरूरत क्यों पड़ी : मेट्रोपोलिस फाउंडेशन के अनुसार रोमानिया में गंभीर मानसिक बीमारियों से जूझ रहे बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इनमें अवसाद, व्यवहार संबंधी विकार, नशीले पदार्थों का इस्तेमाल, ऑटिज्म और एडीएचडी जैसी समस्याएं शामिल हैं। फाउंडेशन के मुताबिक गंभीर मानसिक विकारों से जुड़े बच्चों के मामले 2018 में 3,839 से बढ़कर 2024 में 5,600 से ज्यादा हो गए। मौजूदा बाल मनोरोग क्लिनिक में 62 बिस्तर हैं। फाउंडेशन का कहना है कि कई वार्डों में बड़ी संख्या में बिस्तर हैं, लेकिन उनके साथ अलग बाथरूम नहीं हैं। जगह की कमी के कारण मरीजों और उनके परिवारों के साथ निजी बातचीत करना भी मुश्किल हो जाता है। नए अस्पताल से हर साल गंभीर मानसिक बीमारियों से जूझ रहे 5,700 से अधिक बच्चों को लाभ पहुंचने की उम्मीद है। परियोजना का उद्देश्य मौजूदा व्यवस्था की जगह बच्चों के लिए बेहतर चिकित्सा माहौल तैयार करना है। क्या पहले भी ऐसा रिकॉर्ड बना चुका है रोमानिया इससे पहले सबसे लंबी पुनर्चक्रित सामग्री वाली मेज का गिनीज रिकॉर्ड भी 'ब्लूम द वर्ल्ड' के पास ही था। यह रिकॉर्ड रोमानिया के मध्य हिस्से में स्थित अल्बा इउलिया शहर में बनाया गया था। उस समय मेज की लंबाई 2,782 मीटर थी और यह रिकॉर्ड पिछले साल इसी तारीख को दर्ज किया गया था।

नए आयोजन में बुखारेस्ट की मेज ने पुराने रिकॉर्ड को काफी पीछे छोड़ दिया। संगठन की प्रतिनिधि एलेक्सा विल्कान ने कहा कि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों को बच्चों के पहले मनोरोग अस्पताल के लिए दान करने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। रोमानिया की स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने क्या चुनौती है रोमानिया में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बजट भी एक बड़ी चुनौती है। यूरोपीय संघ के सांख्यिकी कार्यालय यूरोस्टैट के अनुसार 2023 में रोमानिया का स्वास्थ्य बजट सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के मुकाबले 5.7 प्रतिशत था। यह यूरोपीय संघ के करीब 10 प्रतिशत के औसत से काफी कम था। इसी बीच रोमानिया के स्वास्थ्य मंत्री अलेक्जांद्रु रोगोबेते ने इस परियोजना को समर्थन देने का वादा किया है। उन्होंने अस्पताल के लिए जरूरी उपकरण और फर्नीचर उपलब्ध कराने की बात कही है।

अमेरिका में भारतीय महिला की हत्या: आरोपी ने महीनों पीछा कर बरसाईं गोलियां; फिर खुद को भी गोली मार ली

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में भारतीय मूल की 38 वर्षीय महिला शालिनी ठाकुर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना आठ सितंबर को सैक्रामेंटो के एक शॉपिंग सेंटर में रेस्तरां के बाहर हुई। आरोप है कि भारत का 22 वर्षीय रोहित कई महीनों से शालिनी का पीछा कर रहा था और उन्हें परेशान कर रहा था। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के मुताबिक, वारदात वाले दिन रोहित शालिनी की कार के पास पहुंचा। शालिनी ने उससे बचने के लिए भागने की कोशिश की तो रोहित ने उनका पीछा किया और बंदूक निकालकर उन पर कई गोलियां चला दीं। आरोपी ने शालिनी का पीछा कियाः शालिनी ने जब रोहित से बचकर भागने की कोशिश की, तो उसने उनका पीछा किया और गोली चला दी। जमीन पर गिरने के बाद भी नहीं रुकाः शालिनी के गिरने के बाद रोहित ने बेहद करीब से उनके सिर में भी गोली मारी, इसके बाद वह वहां से भाग गया।

वारदात के बाद आरोपी के साथ क्या हुआ : गोलीबारी के बाद रोहित अपनी कार से वहां से फरार हो गया। अधिकारियों ने उसकी कार के चालक को बाहर आने के लिए कहा। इसके बाद पता चला कि रोहित ने खुद को गोली मार ली थी और उसकी मौत हो चुकी थी। सैक्रामेंटो काउंटी कोरोनर कार्यालय के हवाले से फॉक्स40 डॉट कॉम ने यह जानकारी दी। यानी जिस व्यक्ति पर शालिनी की हत्या का आरोप है, उसकी मौत भी इसी घटना के बाद हो गई। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि रोहित भारत का रहने वाला था और 2023 में एरिजोना के रास्ते अमेरिका आया था।

रोहित का अमेरिका में रहने का क्या स्टेटस था : अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता के अनुसार, रोहित बिना वैध दस्तावेजों के अमेरिका में रह रहा था। प्रवक्ता ने बताया कि 2023 में एरिजोना के रास्ते अमेरिका में दाखिल होने के बाद उसे अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद बाइडन प्रशासन के दौरान उसे रिहा कर दिया गया था। हालांकि, शुक्रवार तक उसकी आव्रजन स्थिति से जुड़ी सटीक जानकारी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सकी थी।

जांच में पता चला कि रोहित कम से कम जनवरी से शालिनी को परेशान कर रहा था और उनका पीछा कर रहा था। शालिनी को अपनी कार के बोनट के नीचे एक एप्पल एयरटैग मिला था। इसके बाद रोहित के उनकी गतिविधियों पर नजर रखने की बात सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक, उसने शालिनी की कार के टायरों की हवा भी निकाल दी थी और उनका पीछा करते हुए काम की जगह तक पहुंच जाता था। वहां वह शालिनी को मदद की पेशकश करता था।

फिलीपींस नाव हादसा: जली हुई यात्री नौका से बरामद हुए और शव, मृतकों की संख्या 76 हुई

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में आग से पूरी तरह जल चुकी यात्री नौका से बचावकर्मियों ने शनिवार को और शव बरामद किए। इसके साथ ही हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 76 हो गई है। 13 लोग अब भी लापता हैं। नौका में सवार 132 लोगों में से 43 लोग बुधवार रात लगी आग से बच गए थे। यह नौका राजधानी मनीला से रवाना हुई थी और दक्षिण-पश्चिमी पालावान प्रांत के कोरोन में अपने गंतव्य से करीब 39 किलोमीटर दूर थी, तभी इसमें आग लग गई। आग लगने की वजह अभी तय नहीं हो सकी है। तटरक्षक बल की प्रवक्ता ने एक जीवित बचे व्यक्ति के हवाले से बताया कि आग संभवतः सामान रखने वाले हिस्से से शुरू हुई थी। अधिकारियों के मुताबिक, जीवित बचे व्यक्ति ने बताया कि उसने एक विस्फोट जैसी आवाज सुनी थी। इसके बाद धुआं और आग तेजी से फैल गई। हवा के कारण आग और तेजी से फैलती चली गई। कोरोन के बोराक बंदरगाह पर तंबू लगाए गए हैं। जिस जहाज से शवों को नौका से निकालकर लाया गया, उससे शवों से भरे बैग बंदरगाह पर उतारे गए। तटरक्षक बल की प्रवक्ता कमोडोर नोएमी कयाबयाब ने बताया कि अधिकारी नौका के कप्तान की तलाश कर रहे हैं। बताया गया है कि कप्तान हादसे में बच गया था, लेकिन उसका नाम बचे लोगों की सूची में नहीं है। तटरक्षक बल ने कहा कि कई एजेंसियों की ओर से समुद्री सुरक्षा और आपराधिक जांच की जाएगी। इसमें सभी संभावित पहलुओं की जांच की जाएगी और कप्तान तथा चालक दल की संभावित जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। कयाबयाब ने बताया कि जीवित बचे लोगों के अनुसार आग बहुत तेजी से फैली और लोगों को लाइफ जैकेट पहनने तक का समय नहीं मिला। उन्होंने कहा, 'बारिश से जहाज के खुले हिस्सों को ढकने वाली तिरपाल एक संभावित कारण हो सकती है, लेकिन अभी यह तय नहीं किया जा सकता कि लोग इसके अंदर फंस गए थे या नहीं।' जांचकर्ता यह भी देखेंगे कि आग लगने की स्थिति में तय आपातकालीन प्रक्रियाओं का पालन किया गया था या नहीं। इसमें यह भी जांच होगी।

यूक्रेन के कई शहरों में रूसी हवाई हमलों का तांडव, 90 मिनट में दागे 500 ड्रोन, नौ लोगों की मौत, कई घायल

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले चार साल से जारी जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार को रूसी सेना ने यूक्रेन के कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक इन हमलों में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इन हमलों में रिहायशी इमारतों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि शनिवार तड़के रूस ने यूक्रेनी ठिकानों पर लगभग 500 ड्रोन दागे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस युद्ध के मोर्चे से ध्यान हटाकर अर्थव्यवस्था पर हमले कर रहा है। जिससे युद्धकालीन परिस्थितियों में लोगों की सहायता करने वाले हर ठिकाने को बर्बाद किया जा सके।

रूसी सेना ने आम लोगों को बनाया निशाना : यूक्रेन के प्रमुख फ्रंटलाइन शहर क्रामाटोर्स्क की नगर परिषद ने रूसी हमलों की आलोचना करते हुए बताया कि, रूस अब यूक्रेन के सैन्य ठिकानों पर हमले करने के साथ-साथ आम नागरिकों को भी निशाना बना रहा है। शनिवार को 90 मिनट के अंदर हुई तीन अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। परिषद ने स्पष्ट किया कि शनिवार को हुए हमलों में कोई भी सैन्य ठिकाने नहीं थे, बल्कि आम नागरिक जो अपनी निजी कारों में अपने सामान्य कामकाज के लिए निकले थे उन्हें निशाना बनाया गया।

किराने की दुकान पर ड्रोन हमला : यूक्रेन के कई शहरों में रूस की ओर से किए गए हमलों में कई लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। झिटोमिर क्षेत्र के गवर्नर विटाली बुनेचको के अनुसार, ज्वियाहेल शहर में एक किराना स्टोर को निशाना बनाया गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। हमले में दो पेट्रोल पंप और विदेशी निवेश वाली एक कंपनी भी प्रभावित हुई है।

जापोरिज्जिया और क्रिवी रिह में भी हमले : जापोरिज्जिया क्षेत्र के गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया कि क्षेत्र में हुए हमलों में दो लोगों की मौत हुई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। वहीं, राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के गृहनगर क्रिवी रिह में रातभर ड्रोन और मिसाइल हमले किए गए। सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेक्सांद्र के मुताबिक, इन हमलों में दो लोगों की जान चली गई। वहीं, काला सागर के प्रमुख बंदरगाह शहर ओडेसा में भी हमले जारी रहे। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह कीपर ने बताया कि रात से शनिवार शाम तक हुए हमलों में करीब 40 लोग घायल हुए हैं। डोनेट्स्क में यूक्रेनी ड्रोन हमलों का दावा इस बीच, रूस के नियंत्रण वाले पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी ड्रोन हमलों में तीन लोगों की मौत होने की बात सामने आई है।

सऊदी अरब ने कई हमलों के बाद ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन बंद की, कई लोग घायल

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब ने गुरुवार को कई हमलों के बाद एहतियात के तौर पर ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन को बंद करने का ऐलान किया है. सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने बयान में कहा कि हमलों में देश के सेंट्रल रियाद इलाके और वेस्टर्न मदीना इलाके में पाइपलाइन को टारगेट किया गया, जिससे कई लोग घायल हुए हैं.

ऊर्जा मंत्रालय के एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि रियाद और मदीना इलाकों में ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन पर गुरुवार, 10 सितंबर 2026 की सुबह कई हमले किए गए. ऊर्जा मंत्रालय ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर शेयर की गई रिलीज में कहा गया कि एहतियात के तौर पर पाइपलाइन को बंद कर दिया गया था. हमलों में कई लोग घायल हुए, और जिन लोगों पर असर हुआ, उन्हें मेडिकल केयर दी गई. सोर्स ने कहा कि हमलों के तुरंत बाद इमरजेंसी और स्पेशलाइज़्ड टेक्निकल टीमों ने जवाब दिया, और पाइपलाइन को सुरक्षित करने और मंजूर सेफ्टी प्रक्रिया और इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्लान के हिसाब से, संबंधित अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेशन में इसकी सेफ्टी का पता लगाने के लिए जरूरी कदम उठाए गए. पोस्ट में आगे लिखा गया कि कोई भी डेवलपमेंट सही समय पर बताया जाएगा. सऊदी अरब ने ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन में भारी इन्वेस्ट किया है, जो उसके पूर्वी फील्ड्स से कच्चा तेल रेड सी पोर्ट यानबू तक ले जाती है, और होर्मुज स्ट्रेट को बायपास करती है. इस बीच, सऊदी फॉरेन मिनिस्ट्री ने शुक्रवार को कहा कि इराक से उसकी ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन पर ड्रोन अटैक किया गया, जिससे चोटें आईं और नुकसान हुआ. एक बयान में, मिनिस्ट्री ने अटैक की निंदा की और कहा कि इराकी प्राइम मिनिस्टर के कहने पर, किंगडम ने इस स्टेज पर जवाब देने से मना कर दिया था.

मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का मकसद इराकी सरकार को सऊदी अरब के खिलाफ इराकी इलाके से होने वाले हमलों को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने का मौका देना था. उसने यह भी कहा कि देश अपनी संप्रभुता, सुरक्षा, सुविधाओं और नागरिकों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाने का अधिकार रखता है. इराकी सेना ने बयान में कहा कि हम सऊदी अरब के जवाबी कार्रवाई न करने के फैसले का स्वागत करते हैं. इसके साथ-साथ सऊदी सिक्योरिटी को खतरा पहुंचाने वाले किसी भी हमले की निंदा भी करते हैं, और कहा कि उसने इसके लिए जिम्मेदार लोगों की जांच का आदेश दिया है.

बांग्लादेश में हिंदू पत्रकार की संदिग्ध मौत: दफ्तर में फंदे से लटका मिला शव

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक अखबार 'समकाल' के न्यूजरूम में एक वरिष्ठ हिंदू पत्रकार का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। बरिसल जिले में स्थित अखबार के ब्यूरो कार्यालय में हुई इस घटना ने देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। शुक्रवार शाम को 'समकाल' के बरिसल ब्यूरो चीफ रहे 57 वर्षीय पुलक चटर्जी का शव दफ्तर के अंदर फंदे से लटकता पाया गया।

घटना की पुष्टि करते हुए बरिसल कोतवाली मॉडल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अल मामून-उल इस्लाम ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मौत की असली वजह का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। वहीं, बांग्लादेशी अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से लिखा है कि चटर्जी को करीब तीन साल पहले 'समकाल' अखबार से हटा दिया गया था। वह बरिसल प्रेस क्लब के महासचिव पद पर भी रह चुके थे और इससे पहले उन्होंने कई वर्षों तक एक अन्य अखबार 'जुगांतर' के साथ काम किया था। उनके परिवार में पत्नी और एक बेटी हैं।

इस घटना पर राजनीतिक प्रतिक्रिया देते हुए बांग्लादेश की अवामी लीग पार्टी ने शनिवार को आरोप लगाया कि चटर्जी की मौत की परिस्थितियां कई गंभीर सवाल खड़े करती हैं। पार्टी का दावा है कि शव की जो तस्वीर लीक हुई है, उससे साफ पता चलता है कि यह स्वाभाविक मौत या सामान्य आत्महत्या नहीं है। पार्टी ने कहा कि तस्वीर में उनके दोनों पैर जमीन पर टिके हैं, घुटने मुड़े हुए हैं और शरीर लगभग सीधा है। कोई भी व्यक्ति इस तरह फंदे पर लटककर नहीं मर सकता। यह साफ तौर पर एक पूर्वनियोजित साजिश है और इसकी जांच होनी चाहिए कि इसे किसने और क्यों अंजाम दिया।

अवामी लीग ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी गठबंधन के 2001 से 2006 के पांच साल के शासन को याद करते हुए कहा कि उस दौर में अल्पसंख्यकों पर जो बर्बरता हुई थी, वही हालात 2026 में फिर से देखने को मिल रहे हैं। पार्टी ने कहा कि मंदिरों पर हमले करना, घरों में आग लगाना, जमीनों पर कब्जा करना, महिलाओं के खिलाफ भयानक यौन हिंसा और अनगिनत हिंदुओं को बांग्लादेश छोड़ने के लिए मजबूर करना यह सारा मंजर आज 2026 में फिर आंखों के सामने लौट आया है। पुलक चटर्जी उस दौर में भी पत्रकारिता कर रहे थे। उन्होंने इन अत्याचारों को देखा, उनके बारे में लिखा और वे उन घटनाओं के प्रमुख गवाह थे। पार्टी के अनुसार, उन्हें खामोश करने का मतलब इतिहास की आवाज को ही दबाने की कोशिश करना है। अवामी लीग ने बीएनपी और जमात पर 2001-06 की घटनाओं को 2026 में दोहराने का आरोप लगाते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों का दमन, पत्रकारों का उत्पीड़न और असहमति की आवाज को कुचलना उनकी राजनीति के मुख्य आधार रहे हैं। पार्टी ने कहा कि पुलक चटर्जी एक अल्पसंख्यक थे, पत्रकार थे और 'समकाल' के ब्यूरो प्रमुख थे। यानी वे इन तीनों का प्रतिनिधित्व करते थे और उनकी हत्या करके इन तीनों आवाजों को एक साथ खत्म करने की कोशिश की गई है। पार्टी ने कहा कि चटर्जी उस दौर के प्रत्यक्षदर्शी थे जब बीएनपी-जमात गठबंधन ने कथित तौर पर अल्पसंख्यकों के खून से बांग्लादेश की जमीन को लाल किया था।

22 साल से फ्रीज था भ्रूण: ग्रीस में 54 साल की महिला फिर से बनी मां

एथेंस , एजेंसी। अपने सबसे कठिन दौर से उबरते हुए, एक ग्रीक दंपति ने इस सप्ताह जन्मे बच्चे के साथ एक नई शुरुआत की। ऐसा करने के लिए उन्हें क्रिस्टीना राप्ती-त्जेलेपी के दशकों पुराने भ्रूणों में से एक का उपयोग करना पड़ा। इसके साथ ही सरकारी समय सीमा से पहले ही बच्चे को जन्म देना पड़ा।

क्या है मामला : अक्तूबर में एक सड़क दुर्घटना में अपने 21 वर्षीय बेटे की मृत्यु के कुछ ही महीनों बाद, अब 54 वर्षीय राप्ती-त्जेलेपी और उनके पति ने 22 वर्षों से जमे हुए भ्रूण का उपयोग करके एक और प्रयास करने का निर्णय लिया। राप्टी-त्जेलेपी को महिलाओं के लिए इन विट्रो फर्टिलाइजेशन प्रक्रिया पूरी करने और राष्ट्रीय अथॉरिटी से मंजूरी पाने की ग्रीक सरकार की 54 साल की उम्र सीमा का सामना करना पड़ रहा था। जब उन्होंने शुरुआत की, तो समय पहले ही कम पड़ रहा था।

त्जेलेपी ने क्या कहा : उन्होंने कहा, 'मेरे पास सिर्फ ढाई महीने का समय था। यह तनावपूर्ण था, लेकिन अंदरूनी हिम्मत और हमारे डॉक्टर व उनकी पूरी टीम के साथ होने की वजह से हमने हर मुश्किल का सामना किया। उन्होंने बुधवार को ग्रीस की राजधानी एथेंस में एक बच्ची को जन्म दिया, जिसका वजन 3.49 किलोग्राम था। शुक्रवार को गुलाबी गुब्बारों और फूलों से सजे अस्पताल के कमरे में नए माता-पिता भावुक हो गए।

'हमने जिंदगी को एक और मौका दिया' : काले पजामे में बिस्तर पर बैठीं राप्टी-त्जेलेपी ने कहा, 'हमने जिंदगी को एक और मौका देने, नई शुरुआत करने, अपने घर में नई जिंदगी लाने और अपने परिवार की कहानी को आगे बढ़ाने का फैसला किया। मेरी इच्छा है कि वह स्वस्थ और खुश रहे, हमारे पहले बच्चे की तरह खुशियों से भरी रहे, जिसने हमारे घर को हंसी-खुशी से भर दिया था।'

यह केस क्यों खास : यह बच्चा महिला के उस भ्रूण से पैदा हुआ था जिसे 22 साल से भी ज्यादा समय पहले फ्रीज किया गया था। प्रेग्नेंसी के लिए फ्रीज किए गए फर्टिलाइज्ड अंडे का इस्तेमाल करने के मामले में यह बहुत लंबा समय है। पिछले साल, ओहियो के एक जोड़े ने 'एम्ब्रियो अडॉप्शन' (भ्रूण गोद लेने) की प्रक्रिया के जरिए 30 साल से ज्यादा समय तक फ्रीज किए गए भ्रूण से पैदा हुए एक बच्चे का स्वागत किया था और उन्हें गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से पहचान मिली थी।

स्त्री रोग विशेषज्ञ ने क्या कहा : राप्टी-त्जेलेपी के स्त्री रोग विशेषज्ञ और हेलेनिक सोसाइटी ऑफ रिप्रोडक्टिव मेडिसिन के प्रमुख डॉ. कोस्टास पैंटोस ने तर्क दिया कि ग्रीस में उम्र की पाबंदियों पर फिर से विचार करने की जरूरत है, क्योंकि देश में जन्म दर तेजी से गिर रही है। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के रहने वाले पैंटोस ने कहा, 'कानून बहुत सख्त है। 54 साल और एक दिन की उम्र भी मंजूर नहीं है। शायद अब इसे बदलने का समय आ गया है। मुझे लगता है कि यह एक ऐसा अधिकार है जिससे माता-पिता को वंचित नहीं किया जाना चाहिए।'

बच्ची के पिता ने क्या कहा : बच्ची के 60 वर्षीय पिता, कॉन्स्टेंटिनोस राप्टिस ने अपनी नई बेटी को गोद में लिया, जो सफेद बॉडीसूट पहने उनके कंधे पर सो रही थी। उन्होंने कहा कि वह अपने परिवार में उम्मीद जगाने के लिए डॉक्टर के बहुत आभारी हैं। रैप्टिस ने कहा, 'उन्होंने हमारा हाथ पकड़ा और हमें घोर अंधेरे से बाहर निकाला। हम उस अंधेरे से बाहर निकल आए हैं। मेरा मानना है कि अब हमारे पास जीने के लिए बहुत कुछ है। इस जोड़े ने अपनी बेटी का नाम जॉर्जिया रखा, जो उनके दिवंगत बेटे जियोर्गोस की याद में था। जियोर्गोस का जन्म भी आईवीएफ से हुआ था। उन्होंने एक और बच्चे के लिए कोशिश करने की संभावना को भी खारिज नहीं किया है। हो सकता है कि इसके लिए वे विदेश जाएं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)